राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 पृथ्वी ने कहा पुजारा सर मेरी तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकते..... भारत-वेस्टइंडीज-रिंकू-रुतुराज को टी20 टीम में जगह ना मिलने पर बोले गांगुली..... 11

वर्ष : 14 | अंक : 57 | नई दिल्ली, सोमवार, 10 जुलाई, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

देश में अल-नीनो बढ़ा सकता है किसानों के लिए परेशानी, गंगा के मैदानी क्षेत्रों में थम सकती है वर्षा

कानपुर, एजेंसी

अल-नीनो की वजह से आगामी 10 से 15 दिनों में भारतीय प्रायद्वीप में हुए मानसूनी बदलाव का असर दिखाई देने लगेगा। देश के उत्तर-पूर्व मध्य एवं तटीय भागों में वर्षा में कमी आ सकती है। ऐसा चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिकों का मानना है। यह जानकारी रविवार को विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडे ने दी। डॉ. पांडे का अनुमान है कि अल-नीनो किसानों की खेती में समस्या उत्पन्न कर सकता है। जून माह के अंतिम सप्ताह एवं जुलाई के प्रथम सप्ताह से देशभर में जारी लगातार भारी वर्षा की रफ्तार बहुत जल्द थमने वाली है। तीन महीने का औसत इंडेक्स बता रहा है कि प्रशांत महासागर में अल-नीनो के सक्रिय हो जाने का खतरा 98 प्रतिशत तक बढ़ गया है। भारतीय प्रायद्वीप में मानसूनी वर्षा के पैटर्न पर अगले 10 से 15 दिनों में ही इसका असर दिखने लगेगा। देश के उत्तर-पूर्व, मध्य एवं तटीय भागों में वर्षा में कमी आ सकती है। यह स्थिति पूरे अगस्त और सितंबर के पहले पखवाड़े तक जारी रहेगी। स्पष्ट है कि इससे खरीफ की फसलें भी प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, मौसम वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि पूरी तरह सूखे की स्थिति नहीं रहेगी। बीच-बीच में वर्षा होती रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों को पहले से ही 2023 को अल-नीनो प्रभावित होने का अंदेशा था। भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य वर्षा का अनुमान व्यक्त किया था, लेकिन अल-नीनो के खतरे से कभी इनकार नहीं किया था। प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थितियां बनने लगी हैं। कई मॉडल 90 प्रतिशत से भी ज्यादा की आशंका दिखा रहे हैं। 15 जुलाई तक अच्छी वर्षा के संकेत हैं, लेकिन इसके बाद से असर दिखने लगेगा। गंगा के मैदानी क्षेत्र में प्रभाव दिखेगा। कानपुर मंडल उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, दिल्ली, पंजाब एवं हरियाणा समेत कुछ राज्यों में वर्षा की औसत मात्रा थोड़ी कम हो जाएगी। कृषि मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जुलाई के पहले पखवाड़े में अच्छी वर्षा के चलते पूरे महीने नदी-नाले एवं तालाबों में पानी की कमी नहीं रहेगी। तब तक बुआई हो चुकी होगी। फसल एक बार लग जाने के बाद अगर बीच-बीच में थोड़ी-थोड़ी वर्षा होती रहेगी तो असर ज्यादा नहीं पड़ेगा, लेकिन पठारी एवं ऊपरी इलाकों की फसलों को पानी की आवश्यकता पड़ सकती है। अल नीनो के असर से भारत पहले भी दो-चार हो चुका है। वर्ष 2015 में भी इसके चलते मानसूनी वर्षा में 15 प्रतिशत तक की कमी देखी गई थी। गंगा के मैदानी हिस्सों में 25 प्रतिशत तक कम वर्षा हुई थी। कुछ राज्यों में खरीफ की फसलों को भारी नुकसान हुआ था। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने प्रशांत महासागर की सतह के अध्ययन के बाद भारत समेत कई देशों को अल नीनो को लेकर सतर्क किया है। भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर की सतह के तापमान में वृद्धि होने पर अल-नीनो की स्थिति बनती है। ऐसा तब होता है जब सतह का पानी औसत से 0.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक गर्म हो जाता है। अल-नीनो इंडेक्स बता रहा है कि औसत तापमान इससे बहुत ऊपर जा चुका है। इससे खतरा बेहद मजबूत हो गया है। आईएमडी का आकलन है कि तीन महीने का औसत नीनो इंडेक्स जून के अंतिम तक 0.47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। इस महीने के अंत तक इसे बढ़कर 0.81 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की आशंका है।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
संसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

मूसलाधार बारिश से नदियों का बढ़ रहा जलस्तर, मौसम विभाग ने चार दिन के लिए जारी किया अलर्ट

मुख्यमंत्री ने आपदा विभाग और जिलाधिकारियों को अलर्ट रहने के दिये निर्देश

- यात्रियों से की अपील, मौसम की जानकारी लेकर ही यात्रा करें, विभाग ने रेड और आरेंज अलर्ट किया है जारी
- उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन पर रोक, दो मकान गिरने से दो की मौत

देहरादून, एजेंसी

उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक लगातार मूसलाधार बारिश से नदियों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन का भी खतरा बना हुआ है। बारिश के कारण जहां 89 सड़कें बंद हुई हैं वहीं दो मकान गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के लिए राज्य में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज और रेड अलर्ट की चेतावनी जारी की है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है। मुख्यमंत्री ने आपदा विभाग और जिलाधिकारियों मौसम की चेतावनी के मद्देनजर अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य में हो रही है लगातार बारिश को देखते हुए आपदा विभाग और जिला अधिकारियों को अलर्ट पर रहने को कहा है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राज्य में आने वाले यात्रियों से मौसम को देखते हुए यात्रा करने की अपील की है। देहरादून सहित प्रदेश भर में देर रात्रि से ही मूसलाधार बारिश का क्रम रविवार को भी रुक-रुक जारी है। राज्य में पिछले सप्ताह से लगातार हो रही बारिश से लोगों का घरों से निकलना दुश्वार हो गया है। नदी-नाले बारिश के पानी से उफना गए है। राज्य में उत्तरकाशी, टिहरी गढ़वाल और देहरादून जनपद के लिए रेड और अन्य जनपद के लिए ऑरेंज अलर्ट की चेतावनी जारी की गई है। जिला आपातकालीन परिचालन केन्द्र से प्राप्त सूचना के रविवार प्रातः लगभग 03 बजे जनपद ऊधम सिंह नगर के तहसील काशीपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मिस्सरवाला में अतिवृष्टि होने के कारण 02 मकानों के क्षतिग्रस्त हो गए। इसमें 02 लोगों की मौत हो गई और 01 घायल होने की सूचना है। उपरोक्त घायल को उप जिला चिकित्सालय काशीपुर में भर्ती कराया गया है। मृतकों में 65 वर्षीय नसीर अहमद पुत्र वजीर शाह, 60 वर्षीय मोहम्मदी पत्नी नसीर अहमद शामिल हैं जबकि 18 वर्षीय कु. मनतसा घायल है। यह मृतक नसीर अहमद की नवासी है। बारिश के कारण जौनसार बावर सहित कई जगह पहाड़ दरक गए हैं। राज्य में पिछले दो दिनों में कुल 222 मार्ग बंद हुए हैं। इनमें से 165 मार्गों को खोला गया। शनिवार को 89 बंद मार्ग में 57 को खोल दिया गया है। शेष मार्गों को खोलने का कार्य किया जा रहा है। भूस्खलन की वजह से लोनिवि साहिया के स्टेट हाईवे समेत चार, लोनिवि निर्माण खंड देहरादून के एक, लोनिवि चकराता के दो, पीएमजीएसवाइ कालसी के तीन मोटर मार्ग बंद को खोला जा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र निदेशक बिक्रम सिंह का कहना है कि राज्य में अगले चार दिन बादल छाये रह सकते हैं। ज्यादातर क्षेत्रों में बारिश का क्रम बना रहने के आसार हैं। देहरादून, हरिद्वार, टिहरी, पौड़ी, नैनीताल, बागेश्वर और चंपावत में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। अन्य जिलों में भी तीव्र बौछारें पड़ने के आसार हैं। नदियों के जल स्तर में हो रही वृद्धि को देखते हुए सावधानी बरतने के निर्देश- सचिव आपदा प्रबंधन डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा के निर्देश पर राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की ओर से जिलाधिकारी हरिद्वार को बारिश के कारण जनपद की नदियों के जल स्तर में हो रही वृद्धि की संभावना को देखते हुए सावधानी बरतने के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। अधिकारी,कर्मचारी मोबाइल फोन स्विच ऑफ नहीं करेंगे - केन्द्रीय जल आयोग कार्यालय अधिशासी अभियन्ता हिमालयी गंगा मण्डल, हरिद्वार से प्राप्त दैनिक जल स्तर एवं पुवार्नुमान रविवार को बाणगंगा (रायसी) हरिद्वार में जलस्तर में वृद्धि हो रही है। किसी भी आपदा व दुर्घटना की स्थिति में त्वरित स्थलीय कार्रवाई करते हुए सूचनाओं का तत्काल आदान-प्रदान करने, आपदा प्रबन्धन आईआरएस प्रणाली के नामित समस्त अधिकारियों एवं विभागीय नोडल अधिकारियों को हाई अलर्ट में रहने को कहा गया है। समस्त राजस्व उपनिरीक्षकों , ग्राम विकास अधिकारियों , ग्राम पंचायत अधिकारियों को अपने क्षेत्रों में बने रहेंने,समस्त चौकी,थाने को भी आपदा सम्बन्धी उपकरणों एवं वायरलैस सहित हाई अलर्ट में रहने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त अवधि में किसी भी अधिकारी,कर्मचारी को मोबाइल फोन स्विच ऑफ नहीं करेंगे। आवश्यक उपकरण एवं सामग्री अपने वाहनों में रखकर तैयार रहेंगे। फंसे होने की स्थिति पर खाद्य सामग्री व मेडिकल सुविधा की व्यवस्था के साथ मुस्तैद रहना है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन पर रोक - असामान्य मौसम, भारी बारिश की चेतावनियों के दौरान उच्च हिमालयी क्षेत्रों में पर्यटकों के आवागमन की अनुमति न देने, नगर एवं कस्बाई क्षेत्रों में नालियों एवं कलवटों के अवरोधों को दूर करने, केन्द्रीय जल आयोग के लिंक ३३स्त्र// ा२ल्लर्ल्-६३१.ङ्ग५ल्ल से जलस्तर / खतरे की स्थिति की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किये गए हैं। समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को किसी भी प्रकार की आपदा की सूचना राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष के फोन नम्बरों 0135-2710335, 2664314, 2664315 2664316, फैक्स नं. 0135-2710334, 2664317. टोल फ्री नं. 1070, 9058441404 व 8218887005 पर तत्काल देने के भी निर्देश जारी किए गए हैं।

मुक्त व्यापार वार्ता के लिए सोमवार को ब्रिटेन जाएंगे पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

केन्द्री य वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल मुक्त व्यापार वार्ता के लिए सोमवार को तीन दिन की यात्रा पर ब्रिटेन जायेंगे। मंत्रालय के अनुसार श्री गोयल की यात्रा न केवल भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर जारी बातचीत पर केन्द्रित होगी, बल्कि व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते की प्रगति पर चर्चा के लिए यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य देशों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। श्री गोयल की यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रही है जब भारत और ब्रिटेन दोनों आर्थिक संबंधों का विस्तार करने और द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने की दिशा में काम कर रहे हैं। मुक्त व्यापार वार्ता में तेजी के साथ, इस दौरे का उद्देश्य चचाओं को आगे बढ़ाना और व्यापक तथा पारस्परिक रूप से लाभप्रद समझौते का मार्ग प्रशस्त करना है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और दोनों देशों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करेगा। यात्रा के दौरान श्री गोयल ब्रिटेन के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लेंगे। ये बैठकें व्यापार बाधाओं को दूर करने, निवेश को बढ़ावा देने और प्रौद्योगिकी, नवोन्मेषण तथा बौद्धिक संपदा अधिकारों जैसे क्षेत्रों में अधिक सहयोग को बढ़ावा देने पर ध्यान केन्द्रित करने के साथ मुक्त व्यापार वार्ता की प्रमुख प्राथमिकताओं और उद्देश्यों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करेंगी। इसके अतिरिक्तव श्री गोयल ईएफटीए के साथ वार्ता में प्रगति का आकलन करने के लिए ईएफटीए सदस्य देशों स्विट्जरलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिकटेंस्टीन के मंत्रियों तथा अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

माणिक साहा ने टीएमसी पर पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हिंसा करने का आरोप लगाया

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों में हिंसा करने का आरोप लगाया। उन्होंने अपनी समकक्ष ममता बनर्जी से पूर्वोत्तर राज्य (त्रिपुरा) से यह सीखने को कहा कि कैसे स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराए जाते हैं। साहा ने पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनावों के दौरान हुई हिंसा में 12 लोगों की मौत पर भी हैरानी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंसा की खबरें यह दशार्ती हैं कि वहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। शाहा ने शनिवार को ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल से आ रही हैरान करनी वाली खबरें दशार्ती हैं कि वहां लोकतंत्र की हत्या की जा रही है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन में पंचायत चुनावों में टीएमसी के गुंडे लोगों को लोकतंत्र के उत्सव में हिस्सा लेने से रोक रहे हैं और हिंसा के जरिये तनावपूर्ण माहौल पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं टीएमसी के गुंडों द्वारा की गई हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं और ममता जी को त्रिपुरा से यह सीखने के लिए आमंत्रित करता हूं कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कैसे कराए जाते हैं।

गोलवलकर को लेकर विवादास्पद पोस्टर पर दिग्विजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

इंदौर, एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व प्रमुख एमएस गोलवलकर को लेकर सोशल मीडिया पर विवादास्पद पोस्टर साझा कर विद्वेष फैलाने के आरोप में कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के खिलाफ इंदौर में आपराधिक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। शहर के पुलिस आयुक्त मकरंद देउस्कर ने संवाददाताओं को बताया,ह्लहमें यह शिकायत प्राप्त हुई थी कि सिंह ने उन बातों को गोलवलकर का कथन बताते हुए इंटरनेट पर पोस्ट किया जो उन्होंने (पूर्व सर संघचालक) कभी कहीं ही नहीं थीं। इस शिकायत पर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। देउस्कर ने बताया कि सिंह के खिलाफ आरोपों की जांच के बाद आगामी कदम उठाए जाएंगे। तुकोगंज पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि स्थानीय वकील और संघ कार्यकर्ता राजेश जोशी की शिकायत पर सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153-ए (धर्म के आधार पर दो समूहों के बीच वैमनस्य फैलाना), धारा 469 (ख्याति को नुकसान पहुंचाने के इरादे से जालसाजी), धारा 500 (मानहानि) और धारा 505 (सार्वजनिक शांति भंग करने के इरादे से भड़काऊ सामग्री प्रसारित करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। जोशी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि सिंह ने शनिवार को ट्विटर और फेसबुक पर गुरुजी (संघ हलकों में गोलवलकर का लोकप्रिय नाम) के नाम और तस्वीर वाला विवादास्पद पोस्टर साझा किया ताकि दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों और हिंदुओं में वैमनस्य पैदा कर उन्हें वर्ग संघर्ष के लिए उकसाया जा सके। शिकायत में कहा गया कि गोलवलकर के बारे में सिंह के फेसबुक पोस्ट से संघ कार्यकताओं और समस्त हिन्दू समुदाय की धार्मिक आस्था कथित तौर पर आहत हुई है। सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जोशी ने कहा, सोशल मीडिया पर सिंह के साझा किए गए पोस्टर में दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों के बारे में गुरुजी के नाम और तस्वीर के दुरुपयोग से एकदम फर्जी बातें छापी गई हैं। ये बातें गुरुजी ने कभी नहीं कही थीं। संघ के एक स्थानीय पदाधिकारी ने मीडिया को भेजे बयान में आरोप लगाया कि सिंह ने इस संगठन की छवि धूमिल करने के लिए सोशल मीडिया पर गोलवलकर को लेकर ह्यमिथ्या और अनर्गल पोस्टह्ल साझा किया, उधर कांग्रेस ने सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद सूबे में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के मीडिया प्रकोष्ठ के प्रमुख केके मिश्रा ने कहा,"सिंह बिना प्रमाण के इंटरनेट पर कुछ भी साझा नहीं करते हैं। गोलवलकर से जुड़े पोस्ट को लेकर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज करने में पुलिस ने गजब की फुर्ती दिखाई, लेकिन पुलिस उन भाजपा नेताओं पर मामला दर्ज करने में हीले-हवाले करती है जो वीडी सावरकर के बारे में सिंह के तथ्यात्मक बयानों को सोशल मीडिया पर आए दिन काट-छांट कर पेश करते हैं।"

दिल्ली में भारी बारिश : केजरीवाल ने अधिकारियों की रविवार की छुट्टी रद्द की

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में भारी बारिश के मद्देनजर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी सरकारी अधिकारियों की छुट्टी रद्द कर दी और उन्हें प्रभावित क्षेत्रों में जाने का निर्देश दिया। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली कैबिनेट के मंत्री और महापौर शेली ओबराय भी राष्ट्रीय राजधानी में "समस्याग्रस्त क्षेत्रों" का दौरा करेंगी। मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, "कल दिल्ली में 126 मिलीमीटर बारिश हुई। मानसून के मौसम में होने वाली कुल बारिश का 15 प्रतिशत पानी 12 घंटे में बरसा। लोग जलभराव से काफी परेशान हुए। आज दिल्ली के सभी मंत्री और महापौर समस्याग्रस्त इलाकों का दौरा करेंगे। सभी विभाग के अधिकारियों की रविवार की छुट्टी रद्द करके उन्हें क्षेत्र में जाने के निर्देश दिए हैं।" भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 153 मिलीमीटर बारिश हुई, जो 1982 के बाद से जुलाई के महीने में एक दिन में सबसे अधिक बारिश है। पश्चिमी विक्षोभ और मानसूनी हवाओं के बीच परस्पर क्रिया के कारण दिल्ली समेत उत्तर-पश्चिम भारत में जबरदस्त बारिश हो रही है। इसी के कारण दिल्ली में इस मौसम की पहली "बहुत भारी" बारिश हुई। आईएमडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दिल्ली के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने रविवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की। इससे पहले, 25 जुलाई 1982 को दिल्ली में 24 घंटे में सबसे अधिक 169.9 मिलीमीटर बारिश हुई थी।

शाह ने दिल्ली, जम्मू कश्मीर के उपराज्यपालों से बात कर बारिश संबंधी स्थिति की जानकारी ली

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दिल्ली और जम्मू कश्मीर के उपराज्यपालों से बात की और लगातार बारिश के मद्देनजर केंद्र शासित प्रदेशों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। शाह ने भारी बारिश के कारण स्थगित हुई अमरनाथ यात्रा के बारे में भी जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से बातचीत की। गृह मंत्री ने ₹राजधानी में लगातार बारिश के मद्देनजर दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना से बात की और हालात की जानकारी ली।" एक सूत्र ने कहा, "गृह मंत्री ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल से भी बात की और भारी बारिश के कारण स्थगित की गई अमरनाथ यात्रा की स्थिति पर चर्चा की।" भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में हुई सर्वाधिक बारिश है। विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ और मानसूनी हवाओं के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में मूसलाधार बारिश और दिल्ली में मौसम की पहली भारी बारिश हुई है। अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर में खराब मौसम के कारण तीन दिन तक स्थगित रहने के बाद पंजतरणी और शेषनाग आधार शिविरों से अमरनाथ यात्रा रविवार को फिर से शुरू हो गई।

भारत जोड़ो यात्रा भारत जोड़ो का नया पड़ाव, करोल बाग, नई दिल्ली की बाइकर्स मार्केट में, सुपर मैकेनिक के एक समूह से मुलाकात की.....

भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को मजबूत करने के लिए मैकेनिकों को सशक्त बनाने की आवश्यकता है: राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के करोल बाग में मोटरसाइकिल मैकेनिक के साथ अपनी हाल में हुई बातचीत का एक वीडियो साझा करते हुए रविवार को कहा कि देश के ऑटोमोबाइल उद्योग को मजबूत करने के लिए भारत में मैकेनिकों को सशक्त बनाने की जरूरत है। इसे भारत जोड़ो यात्रा का अगला पड़ाव बताते हुए, गांधी ने 27 जून को करोल बाग में मैकेनिक के साथ अपनी बातचीत संबंधी वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया, जिसमें वह एक बाइक की सर्विस की बारीकियां समझते और उनके सवालों का जवाब देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में गांधी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, मेरे पास भी केटीएम 390 बाइक है, लेकिन वह पड़ी है, क्योंकि उनके सुरक्षाकर्मी उन्हें चलाने नहीं देते। गांधी ने मैकेनिक के सवालों का भी जवाब दिया। इनमें से एक ने पूछा कि वह कब शादी करेंगे, जिस पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने जवाब दिया, चलिए देखते हैं। बाइक मार्केट में, गांधी ने उम्मेद शाह, विक्की सेन और मनोज पासवान के साथ बातचीत की और एक मोटरसाइकिल की सर्विस की। गांधी ने ट्वीट किया, भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग को मजबूत बनाने के लिए भारत के मैकेनिक्स को सशक्त करने की जरूरत है। कांग्रेस द्वारा जारी एक बयान के अनुसार भारत जोड़ो यात्रा भारतीयों के सभी वर्गों की आवाजों को सुनकर सीखने के बारे में है, खासकर उन लोगों की जो अपनी जीत और परेशानियों की कहानियां सुनाने में सक्षम नहीं हैं। बयान में गांधी के हवाले से कहा गया है, भारत जोड़ो का नया पड़ाव, करोल बाग, नई दिल्ली की बाइकर्स मार्केट में, सुपर मैकेनिक के एक समूह से मुलाकात की और इन कड़ी मेहनत करने वाले लोगों के साथ खुली और स्पष्ट बातचीत हुई, जो भारत के पहियों को चालू रखते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, मैंने मैकेनिकों की कठिनाइयों को समझने और भारत में उनके सपनों को जानने का प्रयास किया। मुझे बाइक की सर्विस की बारीकियां सिखाने के दौरान एक मैकेनिक उम्मेद शाह ने बताया कि कैसे गरीबी के कारण उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी और अपने बड़े भाई की तरह मैकेनिक बनना पड़ा। उन्होंने कहा कि पासवान और सेन ने उन्हें बताया कि कैसे इस पेशे में कम कमाई के कारण वे परिवार की जिम्मेदारियों को लेकर हर दिन चिंतित रहते हैं।

गांधी के हवाले से बयान में कहा गया है, मैंने कई अन्य लोगों को भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करते हुए देखा है, वे अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे मैकेनिक ऑटोमोबाइल उद्योग को बनाये रखने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। उन्हें बेहतर सुविधाएं और अवसर मिलने चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक पेशे के श्रमिकों की समृद्धि और खुशहाली में ही भारत की सच्ची प्रगति निहित है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी के ट्वीट और वीडियो को टैग करते हुए कहा, भारत जोड़ो यात्रा को आगे बढ़ाते हुए राहुल गांधी ने करोल बाग के मैकेनिक्स से मुलाकात की। रमेश ने कहा, बातचीत के दौरान उन्होंने यह देखने और समझने की कोशिश की कि एक आम मैकेनिक की जिंदगी कैसी होती है। उन्हें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। रमेश ने मैकेनिक के बारे में कहा, ये वे हाथ हैं जो हमारे देश को आगे ले जाते हैं। उनकी चिंताओं और शिकायतों को समझना और एक ऐसी प्रणाली बनाना बहुत महत्वपूर्ण है जिनसे उन्हें बेहतर सुविधाएं और अवसर मिल सके।

अधिक बारिश पहुंचा सकती है सब्जियों को नुकसान

हरिद्वार, एजेंसी। बारिश से धान समेत अन्य फसलों को फायदा हुआ है, लेकिन आने वाले दिनों में बारिश इसी तरह से होती रही तो सब्जियों की फसल का नुकसान होगा। टमाटर व अदरक के बाद लोगों को भिंडी व बैंगन जैसी सब्जियों की हनक देखने को मिलेगी। एक सप्ताह से हो रही बारिश का पानी गहराई वाले खेतों में सब्जियों की फसलों में भर गया है। बुध सिंह, नूतन कुमार, अब्दुल, सलीम आदि किसानों का कहना है कि अगर यूं ही लगातार इसी तरह से बारिश होती रही तो खेतों में खड़ी सब्जियों की फसल नष्ट हो सकती है। सब्जियों की फसल की पैदावार कम होने से सब्जियों के दाम आसमान छूने लगेंगे। इन दिनों बाजार में टमाटर व अदरक सौ रुपए से अधिक प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। जबकि अभी तक बाजार में भिंडी व बैंगन चालीस से लेकर साठ रुपए तक प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। यदि बारिश के पानी से सब्जियों की फसल का नुकसान होता है तो सब्जियों के दामों में और उछाल आना लाजमी है। उधर, मुख्य उद्यान अधिकारी ओमप्रकाश सिंह का कहना कि सब्जी उगाने वाले लोग खेतों से पानी की निकासी करते रहें, इससे सब्जियों को बारिश से होने वाले जलभराव से बचाया जा सकता है।

कुत्तों से क्रूरता पर शासन ने नगर निगम को भेजा नोटिस

हरिद्वार, एजेंसी। कार्यदायी संस्था फ्रेंडीकोस की ओर से कुत्तों (श्वानों) की नसबंदी के लिए लापरवाही से पकड़ने और अनुचित व्यवहार करने पर शासन ने नगर आयुक्त को नोटिस जारी किया है। मामले में देहरादून की सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रूएलिटी टू एनिमल संस्था ने शासन को शिकायत दी थी। शासन ने नगर आयुक्त से मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। संस्था की सदस्य रूबिना नितिन अय्यर ने शहरी विकास निदेशक को दी शिकायत में बताया था कि नगर निगम हरिद्वार ने सराय स्थित पशु नसबंदी केंद्र के संचालन का ठेका फ्रेंडीकोस नाम की संस्था को दिया है। संस्था मई महीने के अंतिम सप्ताह से नसबंदी के लिए कुत्तों को पकड़ने का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मीडिया रिपोर्ट्स और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों से कुत्तों के साथ दुर्व्यवहार अनुचित तरीके से बेहोश करने, केंद्र में गंदगी, जानवरों की देखभाल न करने बात सामने आई है। रूबिना ने बताया कि कर्मचारियों के अनुचित व्यवहार और लापरवाही के कारण कई कुत्तों की मौत हो गई। वहीं कई कुत्तों को ऑपरेशन के बाद सीधा केंद्र से ही छोड़ दिया गया। इनकी भी ऑपरेशन की जटिलता के चलते मौत हो गई। शिकायत पर शासन ने नगर निगम को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है।

प्रबंधक को किया लोक सूचना अधिकारी नियुक्त

रूड़की, एजेंसी। सभासद एडवोकेट दानिश सिद्दीकी और हज समिति सदस्य अकरम साबरी ने बताया कि राज्य सूचना आयुक्त ने दरगाह प्रबंधक को लोक सूचना अधिकारी नियुक्त कर दिया है। शुक्रवार को एक गेस्ट हाउस में प्रेसवार्ता कर दानिश सिद्दीकी और अकरम साबरी ने बताया कि सालों से दरगाह प्रबंधन सूचना के अधिकार अधिनियम में आवेदकों को सूचनाएं नहीं दे रहा था। अपीलकर्ता ने 13 जुलाई 2022 को दरगाह कार्यालय में भ्रष्टाचार को लेकर नीलामी समिति द्वारा कराए गए ठेकों के संबंध में पांच बिंदुओं पर सूचना मांगी थी। इसमें उत्तराखंड राज्य सूचना आयोग के पूर्व के आदेशों का हवाला देते हुए सूचना देने से इन्कार कर दिया गया था। द्वितीय अपील 17 अक्तूबर 2022 को राज्य सूचना आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत की गई थी। छह जुलाई 2023 को वक्फ बोर्ड द्वारा एक विज्ञप्ति जारी कर उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के अधीन आने वाली संपत्ति को लोक सूचना के अंतर्गत लिया गया है। दरगाह प्रबंधक को लोक सूचना अधिकारी नियुक्त किया गया है। सूचना आयोग के निर्णय के बाद दरगाह प्रबंधन को सूचनाएं देनी पड़ेंगी। अब कोई भी दरगाह प्रबंधन से जुड़ी सूचनाएं मांग सकता है। उन्होंने सूचना आयोग का आभार प्रकट किया।

दो पक्षों में मारपीट, एक पक्ष के लोगों पर केस

रूड़की, एजेंसी। एक सप्ताह पूर्व मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में संघर्ष के मामले में पुलिस ने पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मोहल्ला मलकपुरा निवासी मोहम्मद एजाज ने पुलिस को बताया था कि पड़ोस में रहने वाले कुछ लोग उससे और उसके परिवार से रंजिश रखते हैं। दो जुलाई की शाम को घर की एक महिला छत पर काम कर रही थी। इसी दौरान एक आरोपी ने अपनी छत पर चढ़कर उसके साथ अभद्रता की। पति द्वारा विरोध करने पर लाठी-डंडों व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पीड़ित का कहना है कि उसका भाई सद्दाम गंभीर रूप से घायल है और उसका उपचार हायर सेंटर में चल रहा है। पुलिस ने नामजद आरोपियों फरीद, शेरखान, राजा, नूर आलम और सोनी सभी निवासी मोहल्ला मलकपुरा मंगलौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

सीट पर नहीं मिलने वाले डॉक्टरों को लगाई फटकार

रूड़की, एजेंसी। सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने शुक्रवार को अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अपनी सीट पर न मिलने वाले स्वास्थ्यकर्मियों को उन्होंने जमकर फटकार लगाई। साथ ही उनसे स्पष्टीकरण तलब किया है। सीएमएस ने चेतावनी दी कि यदि कोई चिकित्सक समय से पहले ओपीडी छोड़ता है या फिर कोई स्टाफ सीट से गायब मिलता है तो वह ऐसे मामले में सख्त कार्रवाई करेंगे। सिविल अस्पताल में कुछ स्टाफ के सीट से गायब रहने की शिकायत सीएमएस डॉ. संजय कंसल को मिली थी। इसके चलते उन्होंने शुक्रवार को अचानक ही पूरे अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कुछ स्वास्थ्यकर्मी अपनी सीट पर नहीं मिले। इस पर सीएमएस ने उनको जमकर फटकार लगाई। हालांकि उनका कहना था कि वह अस्पताल परिसर में ही काम से अन्य स्थान पर गए थे। सीएमएस ने गायब मिले स्वास्थ्यकर्मियों से स्पष्टीकरण तलब किया है। सीएमएस ने कहा कि अस्पताल समय में सभी स्टाफ अपनी ड्यूटी पर रहें। ड्यूटी समाप्त होने पर ऑनकॉल उपस्थित रहे। कांवड़ यात्रा जब तक संपन्न नहीं हो जाती है कोई भी चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी स्टेशन न छोड़े।

कांवड़ियों के पैर धोकर मुख्यमंत्री धामी ने लिया आशीर्वाद, हरिद्वार में उमड़ रहा शिवभक्तों का सैलाब

हरिद्वार, एजेंसी। हरिद्वार में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ रहा है। शनिवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी भी हरिद्वार पहुंचे और उन्होंने यहां कांवड़ियों का आशीर्वाद लिया।

कांवड़ मेले में विभिन्न राज्यों से शिवभक्तों का हरिद्वार पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। शनिवार को हरिद्वार पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कावड़ियों के पैर धोकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनके साथ पूर्व सीएम डॉ रमेश पोखरियाल निशंक सहित कई भाजपा नेता मौजूद रहे।

कांवड़िये लगातार गंगाजल भरकर अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। बीते मंगलवार से कांवड़ मेले की शुरुआत हो गई थी। पहले दिन हरिद्वार पहुंचे विभिन्न राज्यों के

1.10 लाख कांवड़ियों ने गंगाजल भरा था। दूसरे दिन 8.50 लाख कांवड़ियों ने गंगा जल भरा और अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। दो दिन के अंदर 9.60 लाख कांवड़िये गंगाजल भर चुके हैं। हरकी पैड़ी क्षेत्र से लेकर पंतद्वीप स्थित कांवड़ मेला बाजार, रोड़ीबेलवाला में शिवभक्तों की संख्या काफी नजर आई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने बताया कि कांवड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। दूसरे दिन आठ लाख 50 हजार कांवड़िये गंगाजल लेकर रवाना हुए हैं। दो दिन में कुल नौ लाख 60 हजार कांवड़िये गंगाजल लेकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए हैं।

जलकुंभी अटकने से आबादी और खेतों में घुसा नहर का पानी

काशीपुर, एजेंसी। विभाग और प्रशासन की उदासीनता के चलते लंबे समय से नहर की सफाई नहीं होने पर पानी आबादी में घुस गया। इस दौरान लोगों को काफी परेशानी उठाने के साथ फसल भी प्रभावित हो रही है। महादेव माइनर नहर खड़कपुर देवीपुरा, बघेलेवाला, गिरधई, पैगा होते हुए यूपी को निकलती है। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब तीन वर्षों से नहर की पूर्ण सफाई नहीं हुई है। इसके चलते नहर में कूड़ा और जलकुंभी अटकी है। दो दिनों से बारिश होने के कारण नहर में अधिक पानी आ गया है। जलकुंभी अटकने पर नहर का पानी नई आबादी पैगा कॉलोनी, कृष्णापुरम, दुर्गा कॉलोनी, बैंक के पास और खेतों में घुस गया है। ग्रामीणों ने बताया कि 6 माह पूर्व ई-चौपाल में डीएम के समक्ष नहर की सफाई की समस्या रखी गई थी। डीएम के निर्देश के बावजूद संबंधित विभाग के अधिकारियों ने आज तक नहर की सफाई नहीं की। ग्रामीण अरविंद सिंह ने बताया कि विभाग को कई बार लिखित में पत्र देकर समस्या से अवगत कराया गया है। विभाग बजट नहीं होने की बात कर रहा है। सिंचाई विभाग के एई पवन सिलवाल ने कहा कि बृहस्पतिवार को महादेव मंदिर के पास सफाई कराई गई है, लेकिन जलकुंभी ऊपर से ही आ रही है। पैगा में जेसीबी लगाकर नहर की सफाई कराई जाएगी।

पिचिंग कार्य होने पर ट्रेन का संचालन शुरू

काशीपुर, एजेंसी। रेलवे ने बाजपुर-हेमपुर इस्माइल के बीच रेलवे ट्रैक के पास हुए भू-कटाव पर पिचिंग कार्य पूर्ण होने के बाद रेलवे यातायात बहाल कर दिया है। इस दौरान डीआरएम ने निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल पीआरओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार को अत्यधिक बारिश होने के कारण बाजपुर-हेमपुर इस्माइल रेलवे स्टेशनों के मध्य किलोमीटर संख्या 49/3-7 पर मिट्टी का कटाव हो गया था। रेलवे ने संरक्षा को ध्यान में रखते हुए लालकुआं-काशीपुर रेलखंड पर ट्रेन यातायात को निलंबित कर दिया था। इसके चलते काशीपुर-लालकुआं जाने वाले विशेष गाड़ी संख्या 05384, लालकुआं-मुरादाबाद विशेष गाड़ी संख्या 05364 और रामनगर-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 15056 का संचालन निरस्त कर दिया था। ट्रेन संख्या 05363 मुरादाबाद-लालकुआं विशेष गाड़ी औश्र 15055 आगरा फोर्ट-रामनगर एक्सप्रेस गाड़ी का संचालन सात जुलाई को निरस्त किया गया था। ट्रेन संख्या 05336 कासगंज-काशीपुर विशेष गाड़ी लालकुआं, 15060 आनंद विहार-लालकुआं एक्सप्रेस गाड़ी को काशीपुर स्टेशन पर रोका गया था। रेलवे ने कर्मियों को मौके पर लगाकर पिचिंग कार्य शुरू करा दिया था। शुक्रवार की शाम करीब साढ़े चार बजे तक रेलवे ने करीब 60-70 मीटर तक पिचिंग कार्य पूर्ण होने पर रेलवे यातायात बहाल किया गया। उन्होंने बताया कि इस स्थल पर 10 किमी/घंटा की रफ्तार से चलने के बाद आगे रफ्तार पकड़ेगी।

दो नाबालिग भाई-बहन बाल श्रम से मुक्त कराए

खटीमा, एजेंसी। जिला बाल कल्याण समिति ने ग्राम सभा सैजना के पटपुरा से छह किसानों के घरों में काम करने वाले दो नाबालिग अनाथ भाई-बहन को मुक्त कराया है। जिला टास्क फोर्स टीम प्रभारी पुष्पा पानू ने बताया कि 14 वर्षीय भाई और 12 वर्षीय बहन ने बताया कि उनके पिता की मृत्यु हो चुकी है। तब से दोनों भाई बहन हरपाल सिंह के यहां रहते थे और हरपाल सिंह, रविदीप सिंह, जसवीर सिंह, सुरजीत सिंह, हरदेव सिंह और सर्दूल सिंह के पशुओं का गोबर उठाने, चारा, घर की साफ-सफाई आदि काम करते थे। टास्क फोर्स टीम को यह भी बताया गया कि 100 रुपये प्रति जानवर प्रति दिन देना तय था। बाल श्रम कर रहे बच्चों के पास अभी तक कोई रुपये नहीं थे। बच्चों को बाल कल्याण समिति के सुपुर्द कर दिया गया है। टीम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी, चाइल्ड लाइन सदस्य दुर्गा गौला, इमरान अंसारी, एसएसआई अशोक कुमार, एसआई रुबी मौर्या आदि थीं।

हल्दूचौड़ के युवक की जयपुर में संदिग्ध हालात में मौत

लालकुआं/हल्दूचौड़, एजेंसी। हल्दूचौड़ के दौलिया डी-क्लास निवासी होटल मैनेजमेंट के छात्र की जयपुर के एक प्रतिष्ठित होटल में बीते दिवस संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों के मुताबिक छात्र के शरीर में चोट के निशान थे।

घटना के दूसरे दिन पहुंचे परिजनों ने जयपुर कोतवाली में हत्या की विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कराया है। इस मामले में सीएम पुष्कर सिंह धामी और लालकुआं विधायक डॉ. मोहन सिंह बिष्ट ने जयपुर के एसएसपी से दूरभाष पर वार्ता कर निष्पक्ष जांच के लिए कहा। दौलिया डी-क्लास निवासी मयंक पपोला उर्फ निखिल (22) ने होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर जयपुर के प्रतिष्ठित हयात होटल में महीने पूर्व नौकरी शुरू की थी। बृहस्पतिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना होटल संचालकों ने निखिल के परिजनों को दी। इकलौते बेटे की मौत की खबर सुनकर मां किरन की आंखें पथरा गईं, निखिल के पिता का पहले ही निधन हो चुका है। हल्दूचौड़ क्षेत्र की किरन पपोला का एकमात्र सहारा मयंक पपोला उर्फ निखिल को भी क्रूर हाथों ने छीन लिया। होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद इकलौते बेटे ने अपनी मां की झोली में खुशियां भरने के लिए दूसरे राज्य राजस्थान में जाकर नौकरी शुरू की। मयंक अपनी मां को वह सभी खुशियां देना चाहता था जो उन्हें नहीं मिल पाई थीं लेकिन राजस्थान के हयात होटल में दरिंदों ने उनके लाडले और इकलौते चिराग को बुझा दिया। आरोप है कि मयंक पपोला की हत्या की गई है और तस्वीरें भी इसी बात को बयां कर रही हैं कि मयंक के साथ अनहोनी हुई है। याद दिला दें कि पूर्व में हरियाणा के गुरुग्राम में भी बिंदुखत्ता के एक युवक को होटल के बाउंसरों ने बहुमंजिला इमारत से गिराकर उसकी हत्या कर दी थी। तब उस मामले में काफी हो हल्ला मचा और उसे इंसाफ दिलाने की बात हुई लेकिन वह मामला हमारे उत्तराखंड के जनप्रतिनिधियों की कमजोर इच्छाशक्ति के कारण दफन हो गया। आज एक और ऐसी घटना घटी जिसने एक मयंक की जान ले ली। सवाल उठता है कि उत्तराखंड के युवा जो रोजगार के लिए अन्य राज्यों में जाते हैं उनकी इस तरह से हत्या हो जाती है और जिम्मेदार लोगों के कान में जूं तक नहीं रेंगती है।

आफत बनकर बरसी बारिश, काशीपुर में दो मकान ध्वस्त, मलबे में दंपति की मौत, बच्ची घायल

काशीपुर, एजेंसी। ऊधम सिंह नगर जिले के काशीपुर के मिस्सरवाला गांव में बारिश से तड़के दो मकान क्षतिग्रस्त हुए हैं। इस दौरान घर में सो रहे दंपति की मलबे की नीचे दबने से मौत हो गई, जबकि बच्ची घायल हो गई। राहत और बचाव टीम ने मलवे में दबे शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

प्रदेश में बारिश का सिलसिला जारी है। मिस्सरवाला गांव में बारिश से तड़के दो मकान क्षतिग्रस्त होने से नसीर अहमद शाह (65) और उनकी पत्नी मोहमदी (60) की दबकर मौत हो गई। जबकि एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। जिसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं शांतिपुरी नंबर दो में मंदिर की दीवार गिरने से फील्ड के पास लगा हुआ ओपन जिम पूरा क्षतिग्रस्त हो गया।

मौसम विभाग ने नौ से 12 जुलाई तक प्रदेशभर के सभी जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया, नौ से 12 जुलाई तक मैदानी और पर्वतीय इलाकों के कुछ जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। जबकि, प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी बारिश के आसार हैं।

भोलेनाथ शंकरा...पर खूब थिरके कांवड़ यात्री, संग झूम उठा प्रशासन, हंसराज रघुवंशी ने बांधा समा

हरिद्वार , एजेंसी।
हंसराज रघुवंशी ने शिव समा रहे मुझमें और मैं धन्य हो रहा..., लागी लगन मेरे शंकरा, मेरा भोला है भंडारी, गंगा किनारे और शिव कैलाश के वासी आदि भजनों की प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरी। अंतराल में भजन गायक ने दर्शक श्रोताओं का भी साथ लिया। पूरा माहौल शिवमय हो गया। आयोजित दिव्य भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक हंसराज रघुवंशी ने खूब समा बांधा। कांवड़ यात्रियों के साथ ही हरिद्वारवासी और पुलिस और प्रशासनिक अमले ने भजन संध्या में खूब आनंद उठाया। एक बाद एक प्रसिद्ध भजनों पर सभी के पांव थिरकते रहे। देर शाम भजन संध्या का उद्घाटन मुख्यमंत्री धामी के साथ योग गुरु स्वामी रामदेव, दक्षेश्वर मंदिर के पीठाधीश्वर रविंद्रपुरी महाराज, सांसद रमेश पोखरियाल निशंक, विधायक आदेश चौहान, पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद व अन्य ने फीता काटकर किया। इसमें पहुंचे मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध गायक और उनकी पूरी टीम का स्वागत किया। कांवड़ मेला में पुलिस और प्रशासन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भजनों का दौर शुरू हुआ तो देर रात तक जारी रहा। हंसराज

रघुवंशी ने शिव समा रहे मुझमें और मैं धन्य हो रहा..., लागी लगन मेरे शंकरा, मेरा भोला है भंडारी, गंगा किनारे और शिव कैलाश के वासी आदि भजनों की प्रस्तुति कर खूब तालियां बटोरी। अंतराल में भजन गायक ने दर्शक श्रोताओं का भी साथ लिया। पूरा माहौल शिवमय हो गया। कांवड़ लेकर गंगाजल भरने आए यात्रियों ने भी इस भजन संध्या में शामिल होकर खूब आनंद लिया। कांवड़ यात्रियों के पांव थिरकते रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की पत्नी गीता धामी व उनके बच्चे भी शामिल हुए। इस दौरान जिलाधिकारी, एसएसपी अजय सिंह, मुख्य विकास अधिकारी प्रतीक जैन, अपर जिलाधिकारी बीर सिंह बुदियाल, एसडीएम पूरण सिंह राणा, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह, एसपी क्राइम रेखा यादव, सीओ निहारिका सेमवाल, जूही मनराल, अनिल जोशी, इंस्पेक्टर कोतवाली भावना कैंथोला, ज्वालापुर इंस्पेक्टर कुंदन सिंह राणा समेत बड़ी संख्या में पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

हाईकोर्ट ने काशीपुर के एसडीएम पर लगाया 25 हजार का जुर्माना

नैनीताल, एजेंसी। हाईकोर्ट ने काशीपुर में बरखेड़ापांडे गांव की सीलिंग भूमि के संबंध में पूर्व के आदेश का पालन नहीं करने पर काशीपुर के एसडीएम पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाकर उसे राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने एसडीएम को शपथपत्र पेश करने का अंतिम अवसर देते हुए 20 जुलाई को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने के लिए कहा है। मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ के समक्ष मामले की सुनवाई हुई। काशीपुर बरखेड़ापांडे गांव के पूर्व प्रधान सरफराज ने जनहित याचिका दायर कर कहा था कि बरखेड़ापांडे गांव में करीब 13.87 एकड़ सीलिंग की भूमि है। इस भूमि पर कुछ लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है और गैर कानूनी तरीके से सीलिंग की भूमि को बेच दिया है। याचिका में कहा गया कि शिकायत पर उच्चाधिकारियों की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई जबकि सीलिंग भूमि की सेल डीड नहीं हो सकती। 26 अगस्त, 2022 को कोर्ट ने जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर, उपजिलाधिकारी काशीपुर, तहसीलदार काशीपुर के अलावा परमहंस, लखविंदर सिंह, कश्मीरी देवी, प्रभात कुमार, राजविंदर और परमजीत कौर को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए थे। एसडीएम ने विवादित भूमि पर काबिज लोगों को नोटिस जारी कर दिए। इस नोटिस को कश्मीरी देवी और परमहंस ने हाईकोर्ट में चुनौती दी जिस पर कोर्ट ने पिछली तिथि को सुनवाई करते हुए एसडीएम काशीपुर को उनके प्रत्यावेदनों के निस्तारण के आदेश दिए थे, लेकिन इस आदेश का पालन नहीं हुआ और ना ही उपजिलाधिकारी की ओर से इस संबंध में कोई शपथपत्र कोर्ट में पेश किया गया। इस पर कोर्ट ने नाराजगी व्यक्त करते हुए आदेश का पालन न करने पर एसडीएम काशीपुर पर 25 हजार का जुर्माना लगाते हुए उन्हें 20 जुलाई को कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं।

हैड़ाखान रोड पर फिर आया मलबा, सात घंटे बंद रही सड़क

हल्द्वानी।
हैड़ाखान रोड पर शनिवार सुबह फिर मलबा आ गया। इससे सुबह पांच बजे से 12 बजे तक सड़क बंद रही। सड़क पर कीचड़ होने के कारण आधे घंटे बाद सरिया भरा ट्रक फंस गया। क्रेन की मदद से उसे निकाला जा सका। देर शाम कीचड़ के कारण कई छोटे वाहन फंस गए जिन्हें जेसीबी से खींचकर निकाला गया। दोपहिया वाहन सवारों को पैदल वाहन खींचना पड़ रहा है। एक बाइक सवार कीचड़ में घुटनों तक धंस गया।

हैड़ाखान रोड पर बारिश के कारण बार-बार मलबा आ रहा है। शनिवार सुबह पांच बजे मलबार आने से सड़क बंद हो गई। लोगों की सूचना पर जेसीबी-पोकलैंड मशीन ने सुबह सात बजे से मलबा हटाना शुरू किया। 12 बजे रोड खुल सकी। सड़क खुलने के बाद कुछ वाहन निकले, तभी सरिया लदा ट्रक कीचड़ में फंस गया। जेसीबी की मदद से

उसे निकालने का प्रयास किया गया लेकिन कामयाबी नहीं मिली तो क्रेन बुलानी पड़ी। क्रेन की मदद से तीन बजे सड़क खुल सकी। इसके बाद वाहनों का संचालन शुरू हुआ कि अत्यधिक कीचड़ के कारण छोटे वाहन फंसने लगे। पैदल ही बाइक ले जा रहा एक ग्रामीण कीचड़ में घुटनों तक धंस गया। उसकी बाइक को जेसीबी की मदद से निकालना पड़ा। देर रात तक सड़क का यही हाल रहा। इस बीच काठगोदाम के निकट एक बड़ा बोल्डर आ गया। पुलिस ने लोगों की मदद से सड़क से बोल्डर हटाकर सड़क खुलवाई। भारी वाहन चलने के कारण सड़क अधिक खराब हो गई। स्थिति बिगड़ने पर लोनिवि के अधिकारियों को पुलिस बुलानी पड़ी। तय किया गया कि इस रोड पर भारी वाहन न भेजे जाएं। इसके लिए काठगोदाम में एक पुलिसकर्मी को तैनात किया जाएगा।

हरियाणा से तमंचे के बल पर लूटी बाइक और कांवड़ मेले में आ गया हरिद्वार; ऐसे हुआ गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी।
गुरुग्राम हरियाणा से तमंचे की नोक पर लूटी गई बाइक पर सवार होकर कांवड़ मेले में पहुंचे एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से एक चाकू भी बरामद हुआ है। आरोपित को कोर्ट में पेश किया जा रहा है, गिरफ्तारी की सूचना पर हरियाणा पुलिस की एक टीम हरिद्वार के लिए रवाना हो गई है।

कांवड़ मेले में पैदल यात्रियों के साथ-साथ दुपहिया और चौपहिया वाहनों में सवार कांवड़ यात्रियों की संख्या भी हर दिन बढ़ रही है। पुलिस ने बिना साइलेंसर वाली बाइक लेकर आने वालों पर कार्रवाई के लिए अभियान चलाया हुआ है। एक टीम ने अल सुबह ऋषिकुल पुल के समीप चेकिंग करते हुए एक युवक को रोककर पूछताछ की।

बाइक पर नम्बर प्लेट नहीं थी, इसलिए चेसिस नम्बर और मालिक के बारे में जानकारी ली। युवक कोई जवाब नहीं दे पाया। तलाशी लेने पर उससे चाकू भी बरामद हुआ। तब पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। तब लूट की कहानी सामने आई।

आरोपित ने अपना नाम आयुष निवासी गली नंबर सी-3 थाना सेक्टर-9 गुरूग्राम हरियाणा बताया। उसका कहना था कि वह गंगा जल लेने हरिद्वार आया है। हालांकि पुलिस ये मान रही है कि वह कांवड़ यात्रियों की भीड़ में भी किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने वाला था। सीओ सिटी जूही मनराल ने बताया कि बीते 26 जून की रात दो बदमाशों ने द्वारिका एक्सप्रेस रोड गुरूग्राम में फ्लाई ओवर से गन प्वाइट पर ये बाइक लूटी थी।

इस सम्बन्ध में थाना राजेन्द्र पार्क गुरूग्राम हरियाणा में मुकदमा भी पंजीकृत है। बिना साइलेंसर मोटरसाइकिल चला रहे व्यक्ति की फोटो पीड़ित को भेजकर तस्दीक भी कराई गई है। आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट व अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में यमुना नदी कल पार कर सकती है खतरे का निशान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसके मंगलवार को खतरे के निशान (205.33 मीटर) को पार करने की आशंका है। केंद्रीय जल आयोग के बाढ़ निगरानी पोर्टल में यह सूचना साझा की गई है। केंद्रीय जल आयोग ने कहा है कि ओल्ड रेलवे ब्रिज (पुराना यमुना पुल) पर यमुना का जलस्तर आज दोपहर एक बजे 203.18 मीटर पर था। आयोग ने परामर्श में कहा कि कल (मंगलवार) सुबह 11 बजे से अपराह्न एक बजे के बीच जलस्तर 205.5 मीटर तक पहुंच सकता है। इसकी वजह उत्तर-पश्चिम भारत में पिछले दो दिन से लगातार बारिश बताई जा रही है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कई इलाकों में मूसलाधार बारिश हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सर्वाधिक बारिश है। चंडीगढ़ और अंबाला में रिकॉर्ड क्रमशः 322.2 मिलीमीटर और 224.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के पास स्थित निचले इलाके बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील हैं। यहां करीब 37,000 लोग रहते हैं।

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर मंगलवार को खतरे के निशान के पार जाने की आशंका : सीडब्ल्यूसी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बढ़ रहा है और इसके मंगलवार को खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार करने की आशंका है। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़ निगरानी पोर्टल के अनुसार, ओल्ड रेलवे ब्रिज पर यमुना का जलस्तर रविवार दोपहर एक बजे 203.18 मीटर था, जबकि खतरे का स्तर 204.5 मीटर है। सीडब्ल्यूसी ने एक परामर्श में कहा कि मंगलवार को सुबह 11 बजे से अपराह्न एक बजे के बीच जलस्तर 205.5 मीटर तक बढ़ने की आशंका है। उत्तर-पश्चिम भारत में पिछले दो दिन से लगातार बारिश हो रही है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली में रविवार सुबह साढ़े आठ बजे समाप्त हुई 24 घंटे की अवधि में 153 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सर्वाधिक बारिश है। चंडीगढ़ और अंबाला में रिकॉर्ड क्रमशः 322.2 मिलीमीटर और 224.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। दिल्ली में यमुना नदी के पास स्थित निचले इलाके बाढ़ के लिहाज से संवेदनशील माने जाते हैं और वहां करीब 37,000 लोग रहते हैं।

भारी बारिश, टूटा 41 साल का रिकॉर्ड, जलजमाव से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रविवार को सुबह से ही भारी बारिश हो रही है। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र सहित देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों में भारी से मध्यम स्तर की बारिश होने की संभावना को लेकर रविवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली में रविवार सुबह की शुरूआत बारिश के साथ हुयी। यहां पिछले 24 घंटों में 153 मिमी बारिश हुई, जो 41 साल में एक दिन में सबसे ज्यादा बारिश का रिकॉर्ड है। इससे पहले 25 जुलाई 1982 को यहां 169.9 मिमी बारिश हुई थी।

इस बीच शनिवार को रिकॉर्ड बारिश के बाद कनॉट प्लेस के गलियारों से लेकर लुटियंस दिल्ली के चौड़े रास्ते राष्ट्रीय राजधानी की हर सड़कें जलमग्न हो गईं। जलजमाव के कारण मिंटो ब्रिज को बंद करना पड़ा। लोक निर्माण विभाग ने बताया कि जलजमाव की लगभग 200 शिकायतें मिलीं।

आईटीओ, मजनू का टीला, रोहतक रोड, रिंग रोड, पांडव नगर अंडरपास, पुराना किला रोड, सरिता विहार चौक और मथुरा रोड पर प्रगति मैदान में पानी भरने की सूचना मिली है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस को जलभराव की कुल 56 शिकायतें मिलीं। मौसम विभाग के अनुसार गुड़गांव में भी बारिश हुई और रविवार को यहां सुबह आठ बजे तक 71 मिमी बारिश हुई। दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान, पंजाब, जम्मू- कश्मीर के लिए भारी से अत्यधिक भारी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में सक्रिय है, जिसके कारण कल दिल्ली सहित कई जगहों पर भारी बारिश हुई। भूस्खलन और भूस्खलन के बाद अचानक आई बाढ़ से शिमला, सिरमौर, लाहौल, स्पीति, चंबा और सोलन में कई सड़कें अवरुद्ध हो गयी, जिसके मद्देनजर मौसम विभाग नेहिमाचल प्रदेश के सात जिलों के लिए ह्यरेड अलर्टह्न जारी किया है।

मौसम विभाग ने राजसमंद, जालौर, पाली, अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, जयपुर और कोटा सहित राजस्थान के नौ से अधिक जिलों में बहुत भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की है। वहीं दक्षिण भारत के केरल और कर्नाटक के भी कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने केरल के चार जिलों- कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड में ह्यरेड अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली: श्रीनिवासपुरी में मूसलाधार बारिश से सरकारी स्कूल की दीवार ढही

दिल्ली के श्रीनिवासपुरी में एक सरकारी स्कूल की दीवार रविवार को बारिश की वजह से ढह गई। सूत्रों के मुताबिक, चार महीने पहले ही स्कूल का पुनर्निर्माण हुआ था। राष्ट्रीय राजधानी में मूसलाधार बारिश की वजह से रविवार को स्कूल की चारदीवारी का एक हिस्सा ढह गया। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली अभिभावक संघ की सदस्य अपराजिता गौतम ने कहा, दिल्ली सरकार को सिर्फ शिक्षा की गुणवत्ता पर ही नहीं बल्कि स्कूलों में आधारभूत संरचना की गुणवत्ता पर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी (आप) विश्व स्तरीय शिक्षा के बारे में बात तो करती है लेकिन आधारभूत संरचना के पहलू को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ साथ आप सरकार को आधारभूत संरचना में सुधार पर भी ध्यान देना चाहिए। गौतम ने कहा कि छात्रों को मध्यावधि परीक्षा से पहले दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, हम यह भी चाहते हैं कि बच्चों को दूसरी जगह स्थानांतरित किया जाए, ताकि मध्यावधि परीक्षा के दौरान उनकी पढ़ाई बाधित न हो। इस मामले पर स्कूल प्रशासन की ओर से कोई त्वरित प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

दिल्ली में बारिश से मकान गिरा, दो लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली। दिल्ली में भारी बारिश के कारण जखीरा इलाके में रविवार को एक मकान ढहने के बाद मलबे में फंसे दो लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों के मुताबिक, घटनास्थल पर यह पता लगाने के लिए तलाशी और बचाव अभियान जारी है कि कहीं मलबे के नीचे और लोग तो नहीं फंसे हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बाद राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों में जलभराव हुआ और डीएफएस के नियंत्रण कक्ष को शनिवार को घर ढहने से संबंधित 15 फोन आए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया कि सुबह करीब साढ़े नौ बजे घर गिरने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, रविवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पिछले चौबीस घंटे के दौरान दिल्ली में 153 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 1982 के बाद से जुलाई में एक दिन में सबसे ज्यादा है। पश्चिमी विक्षोभ और मानसूनी हवाओं के कारण उत्तर पश्चिम भारत में भारी वर्षा हो रही है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी भी शामिल है। दिल्ली में शनिवार को मॉनसून की पहली भारी बारिश दर्ज की गई थी।

न्यायालय सोमवार को दिल्ली सरकार की याचिका पर सुनवाई करेगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

उच्चतम न्यायालय राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं पर नियंत्रण से जुड़े केंद्र के अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली दिल्ली सरकार की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ इस मामले पर सुनवाई कर सकती है।

वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी ने इस मामले का उल्लेख करते हुए तत्काल सुनवाई किए जाने का अनुरोध किया था। दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि यह अध्यादेश कार्यकारी आदेश का असंवैधानिक इस्तेमाल है, जो शीर्ष अदालत और संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन करने का प्रयास करता है।

दिल्ली सरकार ने अध्यादेश को रद्द करने के अलावा इस पर अंतरिम रोक लगाने का भी अनुरोध किया है।

केंद्र सरकार ने दिल्ली में ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनकी पदस्थापना के लिए एक प्राधिकरण गठित करने के उद्देश्य से 19 मई को ह्यराष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश, 2023 जारी किया था। अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था। यह अध्यादेश दिल्ली, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दमन एवं दीव तथा दादरा और नगर हवेली सिविल सेवा (दानिक्स) काडर के ग्रुप-ए अधिकारियों के तबादले और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के लिए राष्ट्रीय राजधानी लोक सेवा प्राधिकरण गठित करने की बात करता है। शीर्ष अदालत के 11 मई के फैसले से पहले दिल्ली सरकार के सभी अधिकारियों का स्थानांतरण और पदस्थापन उपराज्यपाल के कार्यकारी नियंत्रण में था।

दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में कहा है कि यह अध्यादेश कार्यकारी आदेश का असंवैधानिक इस्तेमाल है, जो शीर्ष अदालत और संविधान की मूल संरचना के उल्लंघन का प्रयास करता है। अध्यादेश को रद्द करने का अनुरोध करते हुए याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह कार्यकारी आदेश का असंवैधानिक इस्तेमाल है, जो अनुच्छेद 239 एए में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (एनसीटीडी) के लिए निहित संघीय, लोकतांत्रिक शासन की संरचना का उल्लंघन करता है।

कोर्ट ने तय किए छह लोगों के खिलाफ आरोप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगे के दौरान एक व्यक्ति पर कथित रूप से नृशंस हमला करने और उसे जिंदा जलाने के मामले में छह लोगों के खिलाफ आरोप तय किये हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) पुलस्त्य प्रमाचला अमन, विक्रम, राहुल शर्मा, रवि शर्मा, दिनेश शर्मा और रंजीत राणा के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। इन सभी पर उस दंगाई भीड़ का हिस्सा बनने का आरोप है जिसने मैन खजुरी पुस्ता रोड पर 25 फरवरी, 2020 को शाहबाज को जिंदा जला दिया था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि चूंकि उसकी (शाहबाज) खोपड़ी का एक टुकड़ा और कुछ हड्डियां मिली थीं, ऐसे में उसके पिता के डीएनए नमूने से मिलान कर उसकी पहचान स्थापित की गयी।

एएसजे प्रमाचला ने शनिवार को जारी आदेश में कहा, मैंने पाया है कि सभी आरोपी व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 120 बी (आपराधिक साजिश), 147 (दंगा फैलाना), 148 (दंगा फैलाना), 302 (हत्या), 341 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 395 (डकैती) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए आरोप तय किये जाने चाहिए। न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें अवैध रूप से इकट्ठा होने, जनसेवक के आदेश का उल्लंघन करने, धर्म, नस्ल, जन्मस्थान, निवास और भाषा के आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने के अपराधों के लिए भी मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। अदालत ने कहा कि गवाहों के बयानों से यह सामने आया है कि आरोपी उस भीड़ का हिस्सा रहे थे जिसने 24 फरवरी, 2020 इकट्ठा होकर अगले दिन दंगा करने की साजिश रची थी।

दिल्ली दंगा मामला: कोर्ट ने तय किए छह लोगों के खिलाफ आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने उत्तर पूर्वी दिल्ली में 2020 में हुए दंगे के दौरान एक व्यक्ति पर कथित रूप से नृशंस हमला करने और उसे जिंदा जलाने के मामले में छह लोगों के खिलाफ आरोप तय किये हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (एएसजे) पुलस्त्य प्रमाचला अमन, विक्रम, राहुल शर्मा, रवि शर्मा, दिनेश शर्मा और रंजीत राणा के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रहे थे। इन सभी पर उस दंगाई भीड़ का हिस्सा बनने का आरोप है जिसने मैन खजुरी पुस्ता रोड पर 25 फरवरी, 2020 को शाहबाज को जिंदा जला दिया था। अभियोजन पक्ष ने कहा कि चूंकि उसकी (शाहबाज) खोपड़ी का एक टुकड़ा और कुछ हड्डियां मिली थीं, ऐसे में उसके पिता के डीएनए नमूने से मिलान कर उसकी पहचान स्थापित की गयी। एएसजे प्रमाचला ने शनिवार को जारी आदेश में कहा, ह्यह्यमैंने पाया है कि सभी आरोपी व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 120 बी (आपराधिक साजिश), 147 (दंगा फैलाना), 148 (दंगा फैलाना), 302 (हत्या), 341 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 395 (डकैती) के तहत दंडनीय अपराधों के लिए आरोप तय किये जाने चाहिए। न्यायाधीश ने कहा कि उन्हें अवैध रूप से इकट्ठा होने, जनसेवक के आदेश का उल्लंघन करने, धर्म, नस्ल, जन्मस्थान, निवास और भाषा के आधार पर विभिन्न समुदायों के बीच वैमनस्य फैलाने के अपराधों के लिए भी मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। अदालत ने कहा कि गवाहों के बयानों से यह सामने आया है कि आरोपी उस भीड़ का हिस्सा रहे थे जिसने 24 फरवरी, 2020 इकट्ठा होकर अगले दिन दंगा करने की साजिश रची थी।

अदालत ने सिनेमाघर की सील हटाने वाली याचिका पर एवीयूटी से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 1997 के उपहार सिनेमा अग्निकांड मामले में दोषी रिएल एस्टेट कारोबारी सुशील अंसल की सिनेमा परिसर से सील हटाने की याचिका पर ह्यएसोसिएशन ऑफ विक्टिम्स ऑफ उपहार ट्रेजडीह्न (एवीयूटी) से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय गर्ग ने एवीयूटी की अध्यक्ष नीलम कृष्णमूर्ति को 25 जुलाई तक जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। उसी दिन मामले की आगे सुनवाई की जाएगी। अदालत ने सात जुलाई को हुई सुनवाई के दौरान केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के वकील की दलील पर गौर किया था, जिन्होंने कहा था कि उन्हें आवेदक को सिनेमाघर वापस लौटाने में कोई आपत्ति नहीं है। याचिका में यहां ग्रीन पार्क एक्सटेंशन स्थित उपहार सिनेमा परिसर से सील हटाने के लिए आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय ने 27 अप्रैल को अंसल थिएटर्स एंड क्लब होटल्स प्राइवेट लिमिटेड को उपहार सिनेमाघर की सील हटाने के लिए निचली अदालत जाने की अनुमति दी थी। 1997 में सिनेमाघर में लगी आग में 59 लोगों की मौत हो गई थी।

भारतीय पासपोर्ट पर साउथ कोरिया गए दो बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से दो बांग्लादेशी नागरिकों को फजीर्वाड़ा करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी भारतीय पासपोर्ट पर साउथ कोरिया चले गए थे। वहां से लौटने पर जब इमिग्रेशन ने उनकी जांच की तो फजीर्वाड़े का खुलासा हुआ। दोनों ने भारतीय आधार कार्ड, पेन कार्ड और पासपोर्ट फर्जी तरीके से बनवा लिए थे। साउथ कोरिया से आईजीआई एयरपोर्ट आए दो युवकों ने इमिग्रेशन में क्लीयरेंस के लिए आवेदन किया। जब अधिकारी ने इनके दस्तावेजों की जांच की तो पाया कि दोनों ने अपने जन्म स्थान पश्चिम बंगाल एवं त्रिपुरा बताए हैं, लेकिन पासपोर्ट पूणे से बने हुए हैं। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह बांग्लादेश के रहने वाले हैं। भारत आकर उन्होंने एजेंट के माध्यम से भारतीय पासपोर्ट बनवाया। इसके लिए पहले उनका पेन कार्ड और आधार कार्ड बनवाया गया। यह दस्तावेज इमिग्रेशन विभाग ने जब्त कर दोनों आरोपियों को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने आरोपियों को अदालत के समक्ष पेश कर पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया। इस दौरान आरोपियों ने पुलिस को बताया कि किस तरह से उन्होंने यह फर्जी दस्तावेज तैयार करवाए।

बारिश ने थामी कारोबार की रफ्तार

नई दिल्ली। बीते दो दिनों से हो रही बारिश के कारण कारोबार ठप हो गया है। खासकर पुरानी दिल्ली के अधिकांश इलाकों में जलभराव होने से व्यापारी दुकानें बंद करने को मजबूर हैं। उधर, सड़कों पर जलभराव होने की वजह से कुछ दुकानों में पानी भी भर गया है, जिस कारण व्यापारियों को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। गांधी नगर, सदर बाजार, चांदनी चौक से लेकर कमला नगर और सरोजिनी नगर में समस्या सबसे ज्यादा है।

छुट्टी के चलते रविवार को सरोजिनी नगर में आमतौर पर 60-70 हजार ग्राहक खरीदारी करने पहुंचे हैं, मगर बारिश के कारण यहां पर ग्राहकों की संख्या नाम मात्र रही। सरोजिनी नगर मिनी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के प्रधान अशोक रंधावा का कहना है कि बाजार को जोड़ने वाली सड़कों पर जलभराव था, जिससे ग्राहक बाजार के अंदर नहीं पहुंच पाए। बारिश ने कारोबार पूरी तरह से ठप कर दिया है।

जल निकासी के पर्याप्त इंतजाम नहीं

सदर बाजार में करीब 40 हजार दुकानें हैं, मगर बीते दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते हुए जलभराव के कारण कारोबार ठप है। फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश यादव का कहना है कि सदर हजार की सीवर लाइन और जल निकासी के लिए बनाई गई नालियां काफी पुरानी हैं। उस वक्त काफी एरिया खुला हुआ था, जिसमें बारिश होने पर पानी भर जाता था, लेकिन अब सब तरफ पक्की इमारतें बन गई है, जिस कारण थोड़ी सी बारिश में ही सड़कें लबालब हो जाती हैं। हम लंबे समय से मांग कर रहे हैं कि पाइप लाइनों को बदला जाए लेकिन सिर्फ आश्वासन दिया जाता है।

सामाजिक कार्यकर्ता परिषद में जरूरतमंद छात्रों में वितरित की निशुल्क स्टेशनरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सामाजिक कार्यकर्ता परिषद ने 1000 जरूरतमंद छात्रों को निशुल्क स्टेशनरी वितरण कार्यक्रम किया। इस समारोह के अध्यक्ष विपिन आनंद प्रकाश जैन ने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता परिषद 1965 में स्थापित की गई है। संस्थापकों के मन में बच्चों के पढ़ाई को लेकर एक दर्द था कि कुछ बच्चे स्कूली सामग्री की कमी के कारण अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। इसी समस्या को देखते हुए 8-10 लोगों ने मिलकर नई और पुरानी किताबें इकट्ठा करने और उन्हें जरूरतमंद बच्चों को देने का कार्य शुरू किया। इसके बाद से संस्था ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और साल-दर-साल बढ़ोतरी की है। आज यह संस्था बहुत बड़े रूप में विकसित हुई है जिसका साक्षात्कार आप सभी देख रहे हैं। संस्था नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच शिविर, बालिका विद्यालयों में सेनेटरी पैड वितरण, और सर्दियों में गरीब लोगों को निःशुल्क कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित करती है। इन पहलों से समाज के सभी वर्गों को समान रूप से लाभ मिलता है। संस्था ने अपनी वेबसाइट का उद्घाटन भी किया है ताकि लोगों को संस्था द्वारा किए गए कार्यों की समय-समय पर जानकारी मिल सके और जो लोग दान द्वारा सहयोग करना चाहते हैं, उन्हें इसके लिए लिंक भी प्रदान किया गया है। छात्र सहायता समारोह के 58वें अवसर पर पंकज नरूला, हेमंत चौरसिया एवं उषा शर्मा सहित निगम पार्षदों मनोज जैन, अमृत जैन, प्रवीण जैन, स्वदेश भूषण जैन, सचिन गुप्ता, राहुल जैन एवं अन्य कई सामाजिक और राजनीतिक नेता भाग लिए। संस्था के सचिव प्रकाश जैन ने संस्था द्वारा पिछले वर्षों में किए गए कार्यों की संक्षेप में जानकारी दी। उप प्रधान नवीन आनंद प्रकाश जैन ने संस्था के आगामी वरवर्ष के कार्यक्रमों के बारे में बताया और यह जाहिर किया कि संस्था अब भी जरूरतमंद लोगों को कंबल और अन्य आवश्यक सामग्री का समय-समय पर वितरण करेगी। सामाजिक कार्यकर्ता परिषद एक गैर सरकारी एवं गैर-लाभकारी संगठन है, जो 1965 में स्थापित किया गया है। इसका उद्देश्य गरीब लोगों, विशेष रूप से बच्चों की सहायता करके आवश्यक संसाधनों की प्रदान करना और समान अवसरों को बढ़ावा देना है। पुस्तक वितरण, स्वास्थ्य जांच शिविर, और कंबल वितरण जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से संस्था ने समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गोपाल राय ने आज आईएआरआई ,पूसा से की वन महोत्सव की शुरूआत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा आज आईएआरआई पूसा से ह्यवन महोत्सवह्न की शुरूआत की गई` वनमहोत्सव कार्यक्रम में ऑनलाइन पोर्टल की शुरूआत की गई जहा से दिल्लीवासी मुफ्त पौधे की बुकिंग कर सकेंगें इस साल लगभग 6 लाख से ज्यादा निःशुल्क पौधे वितरित किये जाएंगे। आज आईएआरआई से शुरू हुए इस वनमहोत्सव कार्यक्रम का समापन 20 अगस्त को छत्रसाल स्टेडियम में किया जाएगा` पूरे सात हफ्तों तक चलने वाले इस महोत्सव को दिल्ली के अलग-अलग लोकसभाओ में मनाया जाएगा। कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगो ने पर्यावरण की महत्ता को लेकर महत्वपूर्ण शपथ भी ग्रहण की साथ ही विभाग द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को फ्री औषधीय पौधे भी बाटें गए`कार्यक्रम में नई दिल्ली लोकसभा एरिया के विधायक दुर्गेश पाठक ,सोमनाथ भारती, शिव चरण गोयल, विरेन्द्र सिंह कादियान, जरनैल सिंह , प्रमिला टोकस और मदन लाल ; आरडब्लूए के सदस्य और विभिन्न स्कूलों के ईको क्लब के बच्चों और शिक्षकों ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई

दिल्ली के पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय द्वारा वन महोत्सव कार्यक्रम की शुरूआत पौधरोपण करके की गई` उसके बाद उपस्थित लोगो, बच्चों और अध्यापको को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि केजरीवाल सरकार द्वारा उठाए गए तमाम उपायों के परिणामस्वरूप दिल्ली के अंदर प्रति वर्ष प्रदूषण में कमी देखी जा रही है` जहा देश के बाकी शहरों में प्रदुषण की समस्या बढ़ती जा रही है वही दूसरी ओर दिल्ली में पिछले आठ सालो में 30 प्रतिशत प्रदुषण में कमी देखी गई है` साथ ही दिल्ली में जहाँ साल 2013 में हरित क्षेत्र 20 फीसद था वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण, साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है` इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओ में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए आज से वन महोत्सव की शुरूआत आईएआरआई पूसा से की जा रही है और पूरे 7 हफ्तों तक चलने वाले इस समारोह का समापन 20 अगस्त को छत्रसाल स्टेडियम में किया जाएगा` इस साल हमारी सरकार 9 जुलाई से 20 अगस्त तक प्रत्येक रविवार को दिल्ली के अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में वृक्षारोपण और पौधा वितरण के जरिये वन महोत्सव को पूरी दिल्ली के साथ मिलकर मनाएगीं अगला वन महोत्सव कार्यक्रम 16 जुलाई को उत्तर पूर्वी लोकसभा क्षेत्र के गढ़ी मांडू में मनाया जाएगा

उन्होंने बताया की दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। केजरीवाल सरकार के दूसरे कार्यकाल यानी साल 2020 से जबसे हमारी सरकार बनी है 2022 - 23 तक 1 करोड़ 18 लाख पौधे लगाए गए है` हर साल केंद्र सरकार सभी राज्यों को वृक्षारोपण का लक्ष्य देती है। हमने दिल्ली के लोगों से चुनाव के समय जो महत्वपूर्ण गारंटी दी थी, उसमें दिल्ली के पर्यावरण को ठीक करने के लिए दो करोड़ पौधे लगाने का 5 साल में लक्ष्य रखा है । इस वर्ष 52 लाख पौधे लगाकर सरकार अपने इस कार्यकाल के चौथे वर्ष में ही लगभग 1 करोड़ 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य हासिल कर सकेगी` इस लक्ष्य को सभी 21 सम्बंधित विभागों की हरित एजेंसियो के द्वारा पूरा किया जाएगा वन महोत्सव के दौरान किया गया मुफ्त पौधा वितरण का कार्य, इस साल लगभग 6 लाख से ज्यादा निःशुल्क पौधे किये जाएंगे वितरित

पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि सरकार के साथ दिल्ली वासियो का भी इस वन महोत्सव में सहयोग रहे इसी कारण सरकार द्वारा दिल्लीवासियों के लिए मुफ्त औषधीय पौधे भी उपलब्ध कराए जाएंगें दिल्ली की 14 सरकारी नर्सरियो से निःशुल्क औषधीय पौधे बाटें जाएंगे ताकि लोग अपने- अपने घरो में वृक्षरोपण कर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहभागिता दे सकेंगे` इनमे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले औषधीय पौधे भी शामिल रहेंगें जिनमे आमला ,कढ़ी पत्ता ,घृत्त कुमारी , गिलोय ,नीम , अजवाइन , तुलसी ,बेल पत्र जैसे पौधे प्रमुख है इस साल लगभग 6 लाख से ज्यादा निःशुल्क पौधे वितरित किये जाएंगे।

मुफ्त पौधों की बुकिंग के लिए की गई ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल की शुरूआत

पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि पौधा वितरण को लेकर वनमहोत्सव ताकि दिल्लीवासी घर बैठे ही अपने मनपसंदीदा पौध की उपलब्धि के बारे में जानकारी ले सके और उसकी बुकिंग कर सके` इस ऑनलाइन पोर्टल के द्वारा आवेदक को बुक की गई पौधे के साथ एक सेल्फी क्लिक करने और पोर्टल पर अपलोड करने की आवश्यकता होगी` जिसके द्वारा विभाग वितरित की गई पौध के रियल टाइम डेटा की जानकारी रख सकेंगे

उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को पर्यावरण की महत्ता समझते हुए शपथ ग्रहण करवाई और साथ ही निवेदन करते हुए कहा कि दिल्ली के पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सभी यह संकल्प ले की दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान में सहभागिता देंगे क्योकि जनसहभागिता से ही पर्यावरण को बेहतर और प्रदूषण मुक्त बनाने का रोडमैप बनेगा` दिल्ली सरकार दिल्ली के नागरिकों के साथ मिलकर इस अभियान को जन अभियान की तरह चलाएगी।

हादसे में पीड़ितों तक मुफ्त दवाईयां पहुंचाना सराहनीय कार्य : मुर्मू

नई दिल्ली। बालासोर ओडिशा रेलवे की दुखद घटना में 50 से अधिक जेनेरिक आधार फार्मासिस्ट टीम के माध्यम से पीड़ितों को मुफ्त दवाएं प्रदान करने में मदद करने के लिए २१ वर्षीय युवा जेनेरिक आधार के युवा संस्थापक और सीईओ अर्जुन देशपांडे की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सराहना की। उन्होंने उनके परोपकारी कार्यों की सराहना की और ऐसे कठिन समय में उनके योगदान के महत्व पर जोर दिया। अर्जुन देशपांडे द्वारा पीड़ितों को मुफ्त दवाएं वितरित करना एक सार्थक कार्य है। मैंने कई व्यक्तियों से उनके नेक काम की प्रशंसा सुनी है। हमारे समाज और देश को अर्जुन देशपांडे जैसी अधिक दयालु पहल की आवश्यकता है। जेनेरिक आधार की सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने और आम आदमी का दवाईयों पर खर्च को कम करने की शक्ति वास्तव में सराहनीय है। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में अर्जुन की क्रांति न केवल उद्योग के लिए बल्कि युवाओं के लिए भी प्रेरणादायक है। राष्ट्रपति के इस आशीर्वाद और मान्यता ने अर्जुन देशपांडे को अपना योगदान जारी रखने और भारत के भविष्य को आकार देने के लि

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 10 जुलाई, 2023

जलभराव पर हर पल नजर रख रह केजरीवाल, मंत्री-विधायक भी जमीन पर- प्रियंका कक्कड़

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में रिकॉर्ड बारिश के चलते हुए जलभराव को खत्म करने को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बेहद गंभीर है। मुख्यमंत्री खुद इसकी मानिटरिंग कर रहे हैं। सभी मंत्री और विधायक स्थलीय दौरा कर जलभराव को खत्म कराने का प्रयास कर रहे हैं और अफसरों की भी छुट्टी रद्द कर दी गई है। पिछले 24 घंटे में दिल्ली में पूरे मानसून का 20 फीसद यानी 150 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। रविवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता के जरिए यह जानकारी साझा करते हुए आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली सरकार ने जलभराव रोकने के लिए अब तक कई कदम उठाया है। कई जगह अलार्म व ऑटोमैटिक पम्प लगाए गए हैं। वैकल्पिक ड्रेन बनाई गई हैं और कई सड़कों की ऊंचाई बढ़ाई गई है। इस तरह, जलभराव रोकने के लिए दिल्ली सरकार लगातार काम कर रही है।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से काफी नुकसान हुआ है। भाजपा शासित कई राज्यों में बारिश से जान-माल का काफी नुकसान हुआ है। कहीं पुल टूट गया है, कहीं हाइवे बह गया है, तो कहीं कई लोगों की मौत हो गई है। इसके बाद भी भाजपा की राज्य सरकारें कोई ठोस कदम उठाती नहीं दिख रही हैं। उन्होंने वीडियो फुटेज के जरिए भाजपा शासित कई राज्यों में बारिश के चलते हुए नुकसान के बारे बताते हुए कहा कि क्योत्तराखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में रहने वाले लोगों के जान की कोई कीमत नहीं है। बारिश ने इन कई राज्यों में भारी नुकसान किया है और लोगों की जान पर बन आई है। फिर भी यहां की भाजपा सरकारें हाथ पर हाथ धरे बैठी हैं।

प्रियंका कक्कड़ ने कश्मीर का एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि जम्मू श्री नगर नेशनल हाईवे पर एक पुल कुछ माह पहले ही बना था, को बारिश में भरभरा कर गिर गया। इसी तरह सूरत में 180 करोड़ रुपए की लागत से बने ब्रिज में हल्की बारिश में ही दरारें आ गई हैं। यूपी के बिजनौर में गंगा हस्तिनापुर में बारिश से पुल टूट गया है। यह पुल एक सप्ताह पहले ही खुला था। इस पुल का रिपेयर किया गया था। महाराष्ट्र के पालघर में दो लोग पानी में बह गए। सरकार से पानी कंट्रोल नहीं हुआ। इसी तरह, हरियाणा के पंचकुला में बारिश के पानी में एक कार बहा गई। वहीं उत्तर प्रदेश में बारिश के चलते चार महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद भी भाजपा का कोई नेता जमीन पर नहीं दिख रहा है। जबकि दिल्ली में सारे मंत्री और विधायक सड़क पर उतर कर काम कर रहे हैं। पूरे देश में बारिश हो रही है। जरूरी इस बात की है कि सभी राज्य सरकारों को जवाबदेह बनाने की है।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि दिल्ली में कल से येलो अलर्ट जारी है, क्योंकि दिल्ली में बीते 24 घंटे में 150 मिलीमीटर बारिश हुई है। मॉनसून सीजन में होने वाली कुल बारिश का 20 फीसद पानी बरस चुका है और इसका आंकड़ा और भी बढ़ सकता है क्योंकि राजधानी में बारिश थमी नहीं है है। ऐसे समय में समस्याओं से निपटने के लिए केजरीवाल सरकार लगातार काम कर रही है। पिछले एक वर्ष में दिल्ली सरकार ने राजाधानी के अंदर करीब 165 ऐसे हॉटस्पॉट चिन्हित किए थे, जहां बारिश होने पर वॉटर लॉगिंग की समस्या होती है। वॉटर लॉगिंग की समस्या को खत्म करने के लिए कई सारे अल्पकालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए। दिल्ली में कई स्थानों पर वॉटर अलार्म लगाए गए हैं, जिससे पानी का स्तर बढ़ने पर अलार्म बजता है और समय रहते इसकी जानकारी मिल जाती है। इसके अलावा हाई कपैसिटी संप और ऑटोमैटिक पंप लगाए जा चुके हैं। अतिरिक्त ड्रेनेज सिस्टम बनाया जा चुका है। इसके अलावा दिल्ली में आईपी स्टेट की रिंग रोड की तरह ही कई इलाकों में सड़कों की ऊंचाई बढ़ाई गई है।

ह्लआपह्व मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि 15 जून तक दिल्ली के नालों से 7.86 मैट्रिक टन गाद निकलाने का काम पूरा हो चुका है। वहीं 128 पंप हाउस स्थापित किए गए हैं जिसमें 700 पंप और 11 ऑटोमैटिक सेंसर से युक्त पंप लगाए गए हैं। वहीं दिल्ली का ड्रेनेज सिस्टम 201 प्राकृतिक नालियों को सम्मिलित करता हैं, जो आगे जाकर नजफगढ़ बेसिन, बारापुल्ला बेसिन और ट्रांस यमुना बेसिन में बट जाती हैं। हाल ही में दिल्ली सरकार ने एक टेंडर जारी किया था, जिसका आवंटन कर कंसल्टेंट नियुक्त किए जा चुके हैं। जिनकी मदद से दिल्ली आईआईटी ने राजधानी में वॉटर ड्रेनेट सिस्टम को बेहतर करने के लिए जारी रिपोर्ट को लागू किया जाएगा। कंसल्टेंट इस काम को अगले एक वर्ष में पूरा करेंगे। इस तरह से दिल्ली के पूरे ड्रेनेज सिस्टम को मॉडर्न बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी के वॉटर ड्रेनेज सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर मंत्रीगण, दिल्ली के सभी विधायक भारी बारिश में पूरी दिल्ली में निरीक्षण कर रहे हैं। इसी के साथ दिल्ली सरकार द्वारा समय रहते महत्वपूर्ण कदम उठाने का परिणाम भी सामने आया है, इस बार दिल्ली के जितने भी वॉटर लॉगिंग हॉट स्पॉट थे वहां इतनी अधिक बारिश होने के बावजूद भी बहुत लंबे समय तक वॉटर लॉगिंग नहीं हुई। जबकि ऐसा बताया गया है कि इस बार दिल्ली में रिकॉर्ड तोड़ बारिश हुई है, इस मॉनसून में पिछले चार दशकों की अबतक की सबसे ज्यादा बारिश हुई है।

आप की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि हथिनी कुंड बैराज से 45 हजार क्यूसैक पानी छोड़ा गया है, जिससे 11 जुलाई को यमुना में बांढ़ आने की संभावा बनी हुई है। इसके लिए भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निदेर्शानुसार पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने फ्लड कंट्रोल आदेश पहले ही जारी कर दिया है। इसके तहत यमुना के आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित तरीके से दूसरे स्थानों पर भेजा जा रहा है। बाढ़ के बचाव के लिए जितने भी उपकरण इस्तेमाल किए जाते हैं उनका भी निरीक्षण किया जा चुका है और वह सभी सही से कार्य कर रहे हैं। दिल्ली के अंदर 16 कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जहां 24 घंटे सीसीटीवी कैमरे की मदद से निगरानी की जा रही है। दिल्ली सरकार ने पहले से कई इंतजाम करती आ रही है और आगे भी करती रहेगी।

दिव्यांग जनों को निशुल्क उपकरण वितरित किए

नई दिल्ली। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय विकलांग जनसंस्थान, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, पूर्वांचल विचार मंच एवम भारतीय विकलांग विधवा वृद्धा सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में एडीआईपी योजना के अन्तर्गत ट्राईसाइकिल, वैशाखी, कुष्ठ रोगियों को मोबाइल फोन लेप्रोसी किट आदि का निशुल्क वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में 36 दिव्यांग जनो को लाभान्वित किया गया। इस मौके पर दीन दयाल संस्थान की ओर से प्रोफेसर जी पांडियन, तपस, मानस, डॉ. राकेश रमण झा, अध्यक्ष, पूर्वांचल विचार मंच, अ भा वि वि वृ से स के अध्यक्ष सुनहरी लाल यादव, शशि किरन झा, कविता यादव, अमित यादव, रविन्द्र सिंह आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। लाभार्थियों ने बतलाया कि इन उपकरणों के माध्यम से उनके जीवन में एक नए सवेरे का आगाज हुआ है और उनके जीवन को एक नई दिशा मिली है। एक जगह से दूसरी ओर जाने के लिए अब उन्हें किसी अन्य व्यक्ति का मुंह नहीं जोहना पड़ेगा। उनकी आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

भारद्वाज ने विभिन्न क्षेत्रों में जलभराव की समस्याओं का किया मुआयना

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के चलते कई जगहों पर जलभराव की शिकायतें देखने को मिली, मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी ने दिल्ली सरकार के सभी मंत्रियों को आदेश दिया, कि वे क्षेत्रों में निकले और जहां कहीं भी जलभराव की समस्याएं बनी हुई है, तुरंत प्रभाव से समस्याओं का निवारण करें और दिल्ली की जनता को जल्द से जल्द राहत पहुंचाएं। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों के साथ विभिन्न ऐसे क्षेत्रों का मुआयना किया, जहां हर साल बारिश के मौसम में जलभराव की समस्याओं की शिकायतें सामने आती हैं। मौके पर पहुंचकर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने जलभराव के कारणों का पता लगाया, जिन नालों में कूड़ा-कचरा फंसा हुआ था, उनकी सफाई करवाई और स्थानीय लोगों को जलभराव की समस्या से तुरंत राहत देने का काम किया। इस कड़ी में शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज सबसे पहले ग्रेटर कैलाश पार्ट-2 में स्थित सावित्री सिनेमा के आसपास के एरिया का मुआयना करने पहुंचे, जहां पर बरसात के मौसम में अक्सर जलभराव की समस्या होती है। माननीय मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि वहां मौजूद नाले में एक जाली लगी होती थी और सारा कूड़ा उसी जाली पर अटक जाता था और पानी निकल जाता थाक मगर वहां पर पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा चल रहे कार्य के दौरान जाली को हटाया गया था। उसकी जगह पर स्लैब रख दिए गए थे, जिसकी वजह से जलभराव की समस्या पैदा हो गई थीक मंत्री सौरभ भारद्वाज ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को तुरंत आदेश देते हुए उन स्लैब के बीच में गैप बनाने को कहा, ताकि तुरंत प्रभाव से पानी की निकासी हो सके और जलभराव की समस्या खत्म हो सके। अधिकारियों द्वारा मौके पर ही आदेश का पालन किया गया।

इसके बाद माननीय मंत्री सौरभ भारद्वाज चितरंजन पार्क स्थित अलकनंदा इलाके के डॉन बॉस्को स्कूल के आसपास के क्षेत्र में निरीक्षण करने पहुंचे कक्योंकि अक्सर बरसातों में इस क्षेत्र में भी जलभराव की समस्या की शिकायतें देखने को मिलती थी क मंत्री सौरभ भारद्वाज ने बताया कि इस क्षेत्र में लगभग 6 साल पहले जलभराव की समस्या को समाप्त करने के लिए एक निकासी जहांपना फारेस्ट के अंदर बनाई गई थी, ताकि उस क्षेत्र में जितना भी पानी इकट्ठा हो वह निकासी के द्वारा जहांपना फारेस्ट में चला जाए, जिससे कि पानी का भी सही इस्तेमाल हो सकेगा और जलभराव की समस्या भी खत्म हो जाएगी कमौके पर जाकर मुआयना किया तो देखा गया कि उस निकासी के रास्ते में काफी गंदगी मलवा और ईट रोड़े फंसे हुए थे, जिसकी वजह से पानी की निकासी सामान्य रूप से नहीं हो पा रही थी कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने तुरंत प्रभाव से उसकी सफाई करवाई, ताकि डॉन बॉस्को स्कूल के सामने जो पानी जमा होता है, वह जल्द से जल्द निकल सके और आसपास के क्षेत्र में किसी भी प्रकार से जलभराव की समस्या का सामना क्षेत्र की जनता को ना करना पड़े। इसके बाद माननीय शहरी विकास मंत्री श्री सौरभ भारद्वाज समस्त अधिकारियों संग रविदास मार्ग पर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे क मौके पर पहुंचकर उन्होंने पाया कि एमसीडी के अधीन आने वाले नालों में लगी हुई स्क्रीन के ऊपर काफी कूड़ा करकट बोरी और मलबा फंसा हुआ था, जिसकी वजह से पानी की निकासी नहीं हो पा रही थी और आसपास के क्षेत्र में जलभराव की समस्या बन गई थी कमंत्री सौरभ भारद्वाज ने मौके पर स्थित अधिकारियों को आदेश देकर अपनी मौजूदगी में तुरंत प्रभाव से उस कूड़े की सफाई कारवाई वहां खड़े होकर सभी कूड़ा करकट को साफ करवाया और पानी की निकासी को सुचारू करवाया, ताकि जल्दी ही उस क्षेत्र से जलभराव की समस्या खत्म हो सके और क्षेत्र के आसपास रहने वाली जनता और उस रास्ते से गुजरने वाली जनता को राहत मिल सके।

इसके बाद माननीय मंत्री सौरभ भारद्वाज पूरी टीम को लेकर जीके-1 बी ब्लॉक के नजदीक स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचे कउन्होंने बताया कि इस वर्ष बड़े ही राहत की बात रही, कि उस क्षेत्र में जलभराव की समस्या बहुत अधिक नहीं हुई कमाननीय मंत्री ने बताया कि अभी कुछ महीनों पहले ही उस जगह पर एक नया कल्वर्ट बनाया गया है, जिसके कारण इस बार एम ब्लॉक मार्केट और बी ब्लॉक पेट्रोल पंप के सामने जो हर वर्ष बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या आती थी, उसमें भारी कमी देखने में आई है कइस राहत के चलते क्षेत्र की जनता बहुत खुश नजर आई कमौके पर मौजूद जीके-1 रेजिडेंट फेडरेशन के सदस्य वरुण जी एवं राजापुरी जी ने मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं दिल्ली सरकार का बहुत-बहुत आभार प्रकट किया

बरसात नें धोए केजरीवाल सरकार के दावे : जितेन्द्र महाजन

नई दिल्ली। यमुनापार मे मानसून की पहली जोरदार बारिश ने केजरीवाल शासित पीडब्लूडी और निगम के दावों की धज्जियां उड़ा दी। पीडब्ल्यूडी और एमसीडी ने बारिश से पूर्व मानसून के दौरान जलभराव ने होने देने के बड़े-बड़े दावे किए थे परंतु मानसून की पहली तेज बारिश में ही यमुनापार तथा रोहतास नगर विधानसभा की सभी मुख्य सड़कों तथा कई घरों में वर्षा का पानी कई कई फुट भर गया। रोहतास नगर के विधायक जितेंद्र महाजन तथा पार्षद चंद्रप्रकाश शर्मा, रितेश सूजी ने बारिश के दौरान विधानसभा की विभिन्न इलाकों का दौरा किया दौरे के दौरान मंडोली रोड एल आई जी फ्लैट, लोनी रोड, नवीन शाहदरा, रामनगर, उल्धन पुर, बाबरपुर रोड पर कई-कई फुट पानी भरा हुआ था। पंपों पर कई पंप खराब पड़े थे, तो कहीं बिजली ने होने के कारण जनरेटर इसलिए काम नहीं कर रहे थे क्योंकि जनरेटर में बैटरी नहीं थी कहीं कई जगहों पर नालो की सफाई शुरू भी नहीं हुई थी या सफाई ठीक प्रकार से नहीं हुई थी। सड़कों तथा घरों पर जलभराव के कारण लोगों को अत्याधिक कठिनाई का सामना करना पड़ा। तथा घरों में पड़ा सामान भी पानी में डूब गया। जितेंद्र महाजन के अनुसार दिल्ली सरकार पहले अपनी नाकामी का ठीकरा दिल्ली नगर निगम के ऊपर मैं थोड़ा करती थी, परंतु अब दिल्ली के लोगों को समझ आ गया है कि केजरीवाल शासित पी.डब्लू.डी. और निगम दोनों विभाग नालों की सफाई में भ्रष्टाचार में लिप्त है, जिसका खामियाजा दिल्ली के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। जितेंद्र महाजन ने दिल्ली के उपराज्यपाल से मांग की कि नालों की सफाई कराने के नाम पर जो भ्रष्टाचार हुआ इसकी जांच करवाई जाए तथा दोषी अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

जलभराव की शिकायत पर दिनभर घनघनाते रहे निगम के फोन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम को रविवार को 33 जगहों से जलभराव और 26 जगहों से पेड़ गिरने की शिकायतें मिलीं। वहीं, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के पास रविवार को सात जगहों पर जलभराव और छह जगहों पर पेड़ गिरने की कॉल आईं। दिल्ली नगर निगम के पास रोहिणी जोन में मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1, इंदर एंक्लेव रोड फेज-2 और रोहिणी सेक्टर-13 की पॉकेट-5, नजफगढ़ जोन, नरेला जोन में लाडपुर माजरा रोड, रोहिणी सेक्टर-27, केंद्रीय जोन में न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में चार जगह, जसोला, जंगपुरा, कोटला मुबारकपुर दक्षिण, दक्षिण जोन में आरके पुरम सेक्टर-1 में जलभराव की शिकायतें मिलीं। वहीं, चितरंजन पार्क, दक्षिणपुरी, मालवीय नगर, शाहदरा उत्तरी जोन में सीलमपुर, दिलशाद गार्डन में दो जगह, शाहदरा दक्षिण जोन में कल्याणपुर झुग्गी, ज्वाला नगर, नजफगढ़ जोन में बिजवासन, सिटी सदर पहाड़ गंज जोन में हौज काजी चांदनी चौक, करोलबाग जोन में न्यू राजेंद्र नगर और सिविल लाइन जोन में संत नगर में चार जगहों पर जलभराव हुआ। दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जलभराव और पेड़ गिरने की समस्या का समाधान किया जा रहा है। जलभराव से निपटने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जलभराव की सूचना मिलने पर पालिका सहायकों को भेजकर समस्या दूर कराई जा रही है।

15 जुलाई के बाद से शुरू हो सकती है दाखिला प्रक्रिया

सीयूईटी के परिणाम जुलाई के दूसरे सप्ताह में आने की संभावना

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में स्नातक पाठ्यक्रम में सीयूईटी के परिणाम आने के बाद 15 जुलाई के बाद से नए सत्र के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो सकती है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से स्नातक में प्रवेश के लिए आयोजित सीयूईटी के परिणाम अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय ने छात्रों को अपने दाखिला से संबंधित दस्तावेज तैयार रखने के लिए कहा है। बता दें पिछले वर्ष डीयू में सात फीसदी सीटें खाली रह गई थीं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सीयूईटी के परिणाम 15 जुलाई तक घोषित किए जाएंगे। उनका कहना है कि अगर प्रवेश प्रक्रिया में देरी हुई तो छात्र निजी संस्थानों का रुख कर लेते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय स्नातक में सीयूईटी के जरिये प्रवेश ले रहा है। इसकी परीक्षाएं भी हो चुकी हैं। लेकिन अभी परिणाम जारी नहीं किए गए हैं। 16 अगस्त से शुरू होगा नया सत्र : डीयू ने अपने शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के अकादमिक कैलेंडर में 16 अगस्त से नये सत्र शुरू करने की घोषणा की है। इसके लिए नोटिफिकेशन भी जारी किया जा चुका है। लेकिन अगर परिणाम में देरी हुई तो एक महीने में प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर पाना मुश्किल हो सकता है। विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों का कहना है कि एनटीए को आवेदन संख्या देखते हुए परीक्षाएं और जल्द करानी चाहिए थीं। 71 हजार सीटों पर होने हैं दाखिले : डीयू अपने 68 कालेजों में 71 हजार सीटों पर प्रवेश दे रहा है। इसके लिए 78 स्नातक और 198 बीए प्रोग्रामों का संयोजन पेश किए गए हैं। प्रवेश के लिए अभी तक 2, 18, 355 छात्र आवेदन कर चुके हैं। 1, 54, 645 छात्र पंजीकरण शुल्क भी जमा कर चुके हैं। 63, 710 छात्रों को अभी पंजीकरण शुल्क जमा करना बाकी है।

बीटेक के छात्र ने फंदा लगाकर खुदकुशी की

नई दिल्ली। दिल्ली आईआईटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे छात्र ने शनिवार रात फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक आयुष आशना आईआईटी के उदयगिरी हॉस्टल में रहता था। पुलिस को मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस उपायुक्त मनोज सी ने बताया कि 20 वर्षीय आयुष आशना मूलतः उत्तर प्रदेश के बरेली का रहने वाला था। वह आईआईटी के उदयगिरी हॉस्टल रहकर पढ़ाई कर रहा था। उसने पिछले दिनों ही बीटेक अंतिम वर्ष की परीक्षा दी थी। छात्र ने नायलॉन की रस्सी से लटककर आत्महत्या कर ली। फिलहाल मौके पर कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। पुलिस ने संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की धाराओं में मामला दर्ज कर परिजन को सूचना दे दी है।

डिलीवरी बॉय से बर्गर और नकदी लूटी

नई दिल्ली। द्वारका साउथ में बदमाशों ने जोमैटो के डिलीवरी बॉय से बर्गर लूट लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने पिटाई कर नकदी भी छीन ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार, उत्तम नगर निवासी दीपक सिंह को शुक्रवार रात बागडौला गांव से बर्गर का ऑर्डर मिला। वह पैसिफिक मॉल से बर्गर लेने के बाद रात करीब 11:30 बजे गांव की ओर जा रहा था। कुछ दूर जाते ही बिना नंबर प्लेट की स्कूटी पर सवार दो युवकों ने बाइक को ओवरटेक कर रोका और बर्गर का पैकेट छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने दीपक की पिटाई कर दी। इसके बाद जेब से 1700 रुपये भी लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने दीपक के बयान पर मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने बताया कि बदमाशों की स्कूटी पर राव लिखा हुआ था। एक बदमाश दूसरे को अंकित नाम से बुला रहा था। पीड़ित के बताए हुलिए और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

दिल्ली बना झीलों का शहर : गुरमीत सूरा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल नें घोषणा की थी राजधानी दिल्ली को झीलों का शहर बनाया जाएगा और कई स्थानों पर झील विकसित की जाएगी। राजधानी में मानसून की पहली बरसात नें ही उनकी मंशा पूरी कर दी और प्रशाशन की विफलता के चलते दिल्ली एक विशाल झील में बदल गई। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश सिख प्रकोष्ठ के सह-प्रभारी गुरमीत सिंह सूरा का। गुरमीत सिंह सूरा कहते हैं नालों की सफाई केवल कागजों में ही की गई और इस मद के लिए आवंटित बजट को नगर निगम तथा दिल्ली सरकार के बाढ़ एवं नियन्त्रण विभाग सहित अन्य विभाग के अभियंता डकार गए। जिसकी जांच होनी चाहिए। गुरमीत सूरा कहते है दिल्ली का नया नाम अब झील-गांव होगा। दिल्ली वालों को अब लंदन पेरिस और इटली जाने की कोई जरूरत नहीं है इन सब देशों का मजा अब दिल्ली में ही मिलेगा। इटली के शहर वेनिस को पीछे छोड़ते हुए दिल्ली के हर गली, कूचे, मोहल्ले, सड़कों पर पानी का मजा लेने की सुविधा दिल्ली सरकार ने दे दी है। गुरमीत सूरा व्यंग करते हुए कहते हैं बस इंतजार है नावों का, उसका टेंडर शीघ्र ही किसी अपने को दे दिया जाएगा जिससे आने वाले चुनाव के लिए कुछ पैसे इकट्ठा हो जाए। और रही बात नाव चलाने वालों की तो जैसे 400 से ऊपर लोगों को लाखों की तनख्वाह दी जा रही है, वैसे ही अब घर बैठे कुछ और वालंटियर्स को भी इस कड़ी में जोड़कर कम से कम बरसात के मौसम में लाखों रुपए का हिसाब किताब कर लिया जाएगा। गुरमीत सूरा कहते हैं 200 यूनिट मुफ्त बिजली जारी रहेंगी, लेकिन मुफ्त बस यात्रा का मजा बरसात मैं नहीं ले पाएंगे क्योंकि अभी दिल्ली की बसों मैं पानी मैं तेरने के सिस्टमह्व लगने हैं, उसका भी वर्क आर्डर जल्दीपास हों जायगा, जिससे अगले साल से दिल्ली की बसें भी पानी में नाव की तरह तेरे ! औ फिर दिल्ली वालों के मजे हो जाएंगे। गुरमीत कहते हैं बस अब इंतजार है न्यू यॉर्क टाइम्स में खबर छप जाए की दिल्ली (झील गांव) की जल क्रांति ने उसको लंदन, पेरिसऔर इटली से आगे लाकर खड़ा कर दिया है। अब दिल्ली में जलभराव की समस्या भी खत्म, कोई खुले गटर, टूटी सड़कों की बात नहीं करेगा। क्योंकि सब कुछ जलमग्न हो गया है।

जलभराव से निपटने की तैयारियां पूरी हैं, रिकॉर्ड बारिश होने से आयी दिक्कत : डॉ. शैली ओबरॉय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने जलभराव रोकने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए किशनगंज अंडर पास निरीक्षण किया। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली नगर निगम की जलभराव से निपटने की तैयारियां पूरी हैं। दिल्ली में रिकॉर्ड बारिश होने के कारण दिक्कत आयी है। एमसीडी के कर्मचारियों और अधिकारियों को रविवार को भी ड्यूटी पर आने के निर्देश दिए गए, ताकि जलभराव की समस्या को जल्द दूर किया जा सके। एमसीडी के सभी 12 जोन में कंट्रोल रूम बनाए गए, जो कि 24 घंटे काम कर रहे हैं। जलभराव की शिकायत मिलने पर तत्काल अस्थाई पंप लगाए जा रहे हैं। दिल्ली में जलभराव की समस्या आज की नहीं है। यह पिछले 20 सालों से बरकरार है। दिल्ली वासियों को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ग्राउंड जीरो पर उतरीं। इसके साथ ही दिल्ली नगर निगम के कर्मचारी और अधिकारी को रविवार को भी ड्यूटी पर आने के निर्देश दिए, ताकि जलभराव की समस्या को जल्द से जल्द दूर किया जा सके। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने सदर बाजार के किशनगंज अंडर पास का निरीक्षण किया। यहां पर एमसीडी की जलभराव से निपटने संबंधी तैयारियों का जायजा लिया।

इस दौरान मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली में शुक्रवार रात से लेकर शनिवार रात तक लगातार बारिश हुई। दिल्ली में 133 एमएम बारिश हुई है, जिसने पिछले 20 सालों का रिकॉर्ड तोड़ा है। मौसम विभाग ने भी बताया है कि इतनी बारिश 20 साल पहले 2003 में हुई थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम लोगों की समस्या का समाधान निकाल रही है। सभी अधिकारी और कर्मचारी आज रविवार के छुट्टी के दिन भी काम कर रहे हैं। सभी की छुट्टी निरस्त कर दी गई है। दिल्ली नगर निगम के कर्मचारियों ने शनिवार को भी सड़कों पर उतर कर रात 3 बजे तक काम किया। जहां जहां पर जलभराव था, वहां पर अस्थाई पंप भी लगाए गए।

मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि दिल्ली में होने वाली कुल बारिश की 15 फीसदी सिर्फ शनिवार को 12 घंटे में हो गई थी। दिल्ली नगर निगम की जलभराव से निपटने को लेकर पूरी तैयारियां है लेकिन इस बार रिकॉर्ड बारिश होने की वजह से जलभराव की दिक्कत सामने आयी।एमसीडी के सभी 12 जोन में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं, जो कि 24 घंटे काम कर रहे हैं। जहां से भी जलभराव की शिकायतें आ रही हैं, वहां पर तत्काल अस्थाई पंप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जलभराव की समस्या आज की नहीं है। यह पिछले 20 सालों से बरकरार है। इस समस्या को दूर करने के लिए मिलकर काम किया जा रहा है। दिल्ली की जनता को जल्द जल भराव की समस्या से राहत मिलेगी। दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम इस समस्या को दूर करने के लिए कदम से कदम मिलाकर चल रही है। दिल्ली को जलभराव से मुक्त करने के लिए हर कदम उठाया जाएगा। एमसीडी के स्कूलों में की गई छुट्टी : दिल्ली में सोमवार को मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी देते हुए अलर्ट जारी किया है ऐसे में मेयर डॉ. शैली ओबरॉय के निर्देश पर निगम के स्कूलों में सोमवार को छुट्टी घोषित कर दी गई। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि मौसम विभाग की भारी बारिश की चेतावनी के चलते एमसीडी के स्कूलों की सोमवार छुट्टी की गई है।

आतिशी ने अप्रत्याशित बारिश के कारण हुए जलजमाव वाले क्षेत्रों का लिया जायजा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में शनिवार को अप्रत्याशित बरसात हुई शहर में मात्र 12 घंटे में 126 मिलीमीटर बरसात हुई जो पिछले एक दशक में दिल्ली में किसी भी एक दिन में हुई सबसे ज्यादा बारिश है दिल्ली में बरसात के पिछले रिकॉर्ड देखे तो मानसून के दौरान प्रतिदिन अधिकतम 25-30 मिमी बारिश होती है लेकिन शनिवार को हुई बारिश इससे भी 4 गुणा अधिक हुई ऐसे में शहर में कई स्थानों पर जलजमाव की समस्या उत्पन्न हुई ऐसे में मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जी के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग मंत्री आतिशी ने रविवार को पीडब्ल्यूडी के अधिकारीयों के साथ कल जलजमाव से प्रभावित तिलक ब्रिज अंडरपास व जखीरा अंडरपास का दौरा कियो इस दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री ने तिलक ब्रिज व जखीरा अंडरपास स्थित पम्पिंग स्टेशन का भी निरीक्षण कियो साथ ही उन्होंने पीडब्ल्यूडी मुख्यालय स्थित मानसून कण्ट्रोल रूम का निरीक्षण कर शहर में जलजमाव की स्थिति का जायजा भी लिया

इस मौके पर पीडब्ल्यूडी मंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली में कल मात्र 12 घंटे में 126 मिमी बारिश हुई और 24 घंटे में 150 मिमी से ज्यादा बारिश हुई यानी कि दिल्ली में मानसून में होने वाली कुल बारिश का 20% पानी एक ही दिन बरसा है उन्होंने साझा करते हुए कहा कि, पीडब्ल्यूडी इस सीजन में 100 मिमी बरसात से निपटने के लिए तैयार है लेकिन कल अप्रत्याशित तरीके से 150 मिमी बारिश हुई लेकिन फिर भी विभाग ने मुस्तैदी से काम कियो अपने सभी पम्पिंग स्टेशनों को चालू रखा और बारिश रुकने के 2 से 3 घंटे के भीतर अधिकांश स्थानों से जलभराव को दूर करने का काम किया गया

उन्होंने साझा करते हुए कहा कि, भारी बारिश के बाद कल जिन जगहों पर जलभराव हुआ, मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर आज उसका निरीक्षण कर हम भविष्य में जलभराव को रोकने के लिए अतिरिक्त प्रबंध सुनिश्चित कर रहे है उन्होंने कहा कि पीडब्ल्यूडी की 100 मिमी बारिश से निपटने की तैयारी होती है लेकिन कल हुई बारिश को देखकर हम वाटर पम्पिंग की क्षमता को बढ़ा रहे है और जिन जगहों लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है उनका आज निरीक्षण किया जा रहा है और उन सभी स्थानों पर आगे के लिए हर जरुरी कदम उठा

संक्षिप्त खबरें

शराब के नशे में दो गिरफ्तार

भोरे । भोरे थाने की पुलिस ने शराब के नशे में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार पियक्कड़ों में थाने के भानपुर गांव के जुल्फिकार अली तथा कटेया थाने के राजपुर गांव के संयोग मिश्रा शामिल है ।वहीं न्यायालय के वारंटी सिसई गांव निवासी शहाबुद्दीन अंसारी को भी गिरफ्तार कर लिया है।

43.6 लीटर शराब बरामद, दो तस्कर फरार

भोरे।भोरे थाने की पुलिस ने अलग-अलग जगहों पर कार्रवाई करते हुए 43.6 लीटर शराब बरामद कर लिया। हालांकि दोनों तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार होने में कामयाब हो गए। पहली कार्रवाई कल्याणपुर पंचायत भवन के बगल में आंगनबाड़ी केंद्र के पास की गई। बताया जाता है कि पुलिस को सूचना मिली थी कि शराब कारोबारी विशुन सिंह आंगनबाड़ी केंद्र के पास शराब की बिक्री कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वहां से दो सौ एमएल के 98 बोतल शराब बरामद कर लिया। जबकि शराब तस्कर विशुन सिंह पुलिस को देखकर फरार हो गया। दूसरी कार्रवाई हुस्सेपुर बाजार में की गई, जहां से दो सौ एमएल के 95 बोतल शराब बरामद हुआ। जबकि तस्कर किसान पासी पुलिस को देखते ही फरार हो गया।

शराब के साथ आरोपित गिरफ्तार

थावे । थावे पुलिस ने संध्या गस्ती में छापेमारी कर भुसाव चार मुहानी के पास से शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार कर लिया। अपर थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार धंधेबाज थाना क्षेत्र के गोपलामठ गांव के हिरामन राम के पास से दो टेट्रा पैक देशी शराब बरामद हुआ। उससे पूछताछ के बाद उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी कर रविवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गस्ती के दौरान एएसआई पंकज कुमार आदि पुलिस बल मौजूद थे।

शादी के दो साल बाद ही चारपहिया के लिए महिला को निकाला

भोरे । भोरे थाने के सिसई टोला चैधुर छापर की एक महिला को शादी के दो साल बाद ही दहेज में चारपहिया वाहन की मांग करते हुए प्रताड़ित कर घर से निकाल दिया गया। मामले को लेकर पीड़िता ने पति सहित पांच लोगों के खिलाफ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया जाता है कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के खामपार की अफसाना खातून की शादी भोरे थाने के सिसई टोला चैधुर छापर के सद्दाम हुसैन से दो वर्ष पूर्व मुस्लिम रीति रिवाज से हुई थी। दहेज में एक लाख रुपए नगद और बाइक दिया गया था। इसके बावजूद ससुर शहाबुद्दीन अंसारी चारपहिया वाहन की मांग करते हुए विदाई कराने से इंकार कर दिए। काफी समझाने- बुझाने के बाद विदाई हुई थी। लेकिन शादी के आठवें दिन ही सड़क दुर्घटना में देवर की मृत्यु हो गई, इसको लेकर पीड़िता को कुलक्षणी तथा अभागिन कहते हुए घर से निकल जाने का दबाव दिया जाने लगा। नहीं निकलने पर विजयीपुर थाने के तिवारी बेलवा के उसके ननदोई मुमताज अंसारी तथा ननद गुड्डी खातून तथा विजयपुर थाने के गुरमिया टोला की सालेहा खातून और बसहा गांव की हाजरा खातून ने चारपहिया वाहन की मांग करते हुए मारपीटकर उसे घर से निकाल दिया।

जिला प्रशासन से किसानों को उचित मूल्य पर यूरिया खाद उपलब्ध कराने का मांग किया:सत्येन्द्र

अरवल। जिला लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन ने प्रेस ब्यान जारी कहा कि धान रोपनी का कार्य किसानों के द्वारा शुरूआत कर दी गई , धान रोपाई के समय डी0ए0पी0 खाद एवं यूरिया खाद की जरूरत पड़ती हैं , उन्होंने जिलापदधिकारी वर्षा सिंह से मांग करते हुए कहा कि किसानों को उचित मूल्य पर डी0 ए0पी0 खाद एवं यूरिया खाद आसानी उपलब्ध कराया जाय ताकि सभी किसान को धान की फसल अच्छी हो । किसान को सही समय पर खाद नही मिलने के कारण पैदावार में कमी होने की संभावना बनी हुई रहती है जिसका कुप्रभाव सीधे आमलोगों पर पड़ता है । खाद की कालाबाजारी पर पूर्णतः रोक लगाने की भी जिलापदधिकारी से मांग की ।

छापेमारी में चुलाई शराब के साथ आरोपित गिरफ्तार

बैकुंठपुर। बैकुंठपुर पुलिस ने हरदिया चैक पर गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान देसी चुलाई शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष धनंजय राय ने बताया कि गिरफ्तार कृष्णा राय के विरुद्ध सब इंस्पेक्टर सूरज कुमार शर्मा के बयान पर उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

नशे की हालत में तीन लोग किए गए गिरफ्तार

बैकुंठपुर। बैकुंठपुर पुलिस ने रात्रि गश्ती के दौरान नशे की हालत में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष धनंजय कुमार राय ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में पिपरा गांव के जनारस महतो, चिउटाहां गांव के फुलेना रावत व किशन रावत शामिल हैं। तीनों को न्यायिक हिरासत में गोपालगंज भेजा गया है।

अब घर-घर जायेंगे बूथ लेबल पदाधिकारी, वोटरों का करेंगे सत्यापन

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर शुरू हुआ संक्षिप्त मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

अब बूथ लेबल पदाधिकारी अपने निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं के घर-घर जायेंगे। वही एक-एक मतदाताओं का भौतिक सत्यापन करेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गयी है। आयोग के निर्देश पर जिला, प्रखंड, पंचायत एवं बूथ लेबल तक के अधिकारी अपने-अपने कार्यो में जुट गए है। वही आयोग के निर्देश के अनुरूप जिला निर्वाचन पदाधिकारी के स्तर से भी निर्वाचन कार्यो की मॉनीटरिंग की जा रही है। आयोग के द्वारा एक जनवरी 2024 को आधार मानकर मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्य कराया जा रहा है। जिस कार्य को ससमय पूर्ण किए जाने को लेकर आयोग के स्तर से कार्यक्रम भी निर्धारित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्य स्तर पर निवार्ची पदाधिकारियों की ट्रेनिंग से लेकर मतदाता सूची पुनरीक्षण, मतदाताओं का भौतिक सत्यापन, प्रारूप प्रकाशन, दावा आपत्ति प्राप्त करना, प्राप्त दावा आपत्ति का निष्पादन, अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तक की तिथि निर्धारित की गयी है। जिस पुनरीक्षित मतदाता सूची के आधार पर लोकसभा चुनाव 2024 करायी जायेगी। उसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है। आयोग के निर्देश पर निर्वाचन क्षेत्रों के निवार्ची पदाधिकारियों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। वही अब जिला स्तर पर 11 जुलाई को सहायक निवार्ची पदाधिकारी को ट्रेनिंग दी जाएगी। जबकि 17 से 20 जुलाई तक प्रखंड मुख्यालय में मास्टर ट्रेनरों और बूथ लेबल पदाधिकारियों को ट्रेनिंग मिलेगी। जिसके बाद मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य कराया जायेगा। मतदाता सूची पुनरीक्षण के दौरान आगामी 1 जनवरी 2024 को 18 वर्ष की आयु पूरा करने वाले युवा अपना नाम मतदाता सूची में जुडवा सकते है।

मतदाता सूची से हटेगा मृत व दोहरी प्रविष्टी वाले नाम: मतदाता सूची के भौतिक सत्यापन के दौरान मृत व दोहरी प्रविष्टी वाले मतदाताओं के नाम हटाये जायेंगे। मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण के क्रम में बूथ लेबल पदाधिकारी घर-घर जाकर एक-एक वोटरों के बारे में विस्तृत जानकारी लेंगे। ताकि किसी भी मतदाता का नाम दो जगहों की मतदाता सूची में नही रहने पाये। उनका मतदान केन्द्र, नाम, पिता का नाम, उम्र, गृह संख्या, मतदान केन्द्र का भाग, मतदाता क्रमांक, फोटो सहित सभी विवरणी सही-सही अंकित करेंगे। विवरणी में जहां कही गलत होगा उसकी सुधार भी की जायेगी। मतदाता सूची को इस वर्ष पुनरीक्षण के क्रम में त्रुटि रहित बनाया जाना है। जिस मतदाता सूची के आधार पर लोकसभा चुनाव 2024 आयोजित की जायेगी।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु आयोजित हुआ स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर

प्रात : किरण संवादाता

फुलवरिया। फुलवरिया प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत राज चुरामन चक पंचायत अंतर्गत सेलार कला गांव में मुखिया गया कुमार सिंह की मौजूदगी में रविवार को मिशन महिला शक्ति द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने को लेकर स्वास्थ्य जांच प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें कई वार्डों से लगभग 300 महिलाएं शामिल हुई। प्रशिक्षक नीलम देवी निशा कुमारी तथा सीता देवी के द्वारा महिलाओं को स्वास्थ्य जांच से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें छोटी-छोटी बीमारियों को अपने ढंग से कैसे ठीक किया जा सकता है। इसके बारे में जानकारियां दी गई ताकि महिलाएं अपने तथा अपने घर पर और लोगों का ख्याल अच्छी तरह से रख सकें। वही महिलाओं को सेनेटरी पैड हेल्थ चेकअप आदि के बारे में भी बताया गया। महिलाओं को सिलाई बुनाई आदि से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया जो 50 दिनों तक चलेगा। इस दौरान स्वास्थ्य प्रशिक्षक मनीष कुमार दुबे ने बताया कि इस मिशन के तहत महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई कढ़ाई से लेकर फर्स्ट एड के बारे में भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। मौके पर आनंद कुमार सिंह, विनय कुमार दुबे, रामाकांत चैधरी, अली हुसैन, ओमप्रकाश सिंह डीलर, उपेंद्र पंडित सहित महिलाओं में सुनीता देवी, सीमा देवी, नंदन कुमारी, शालू कुमारी, अंजुम नेश, सफेदी देवी, गुड़िया देवी, रेणु विश्वकर्मा, बिस्मिल्लाह खातून आदि मौजूद रहे।

सड़क पर जलजमाव से महामारी फैलने की आंशका, ग्रामीण परेशान

थावे प्रात : किरण संवाददाता

थावे प्रखंड के थावे स्टेशन से हनुमान मंदिर व विदेशीटोला गांव होकर थावे दुर्गा मंदिर जाने वाली मुख्य सड़क पर जल जमाव होने से राहगीरों के साथ ही आस पास लोगो को भी काफी परेशानी हो रही है।

सड़क पर गंदे पानी का जमाव होने के कारण बदबू से काफी परेशानी झेलनी पड रही है। वही जलजमाव के कारण कई प्रकार की महामारी बीमारी फैलने की आंशका बढ़ गई है। विदित हो कि सड़क के किनारे काली मां के स्थान के साथ ही निजी विद्यालय है। इसी रास्ते से शिवस्थान में स्थित बाबा सिद्धेश्वर नाथ मंदिर में लोग पूजा करने जाते है।

सावन माह को लेकर हर रोज श्रद्धालु पूजा अर्चना करने के लिए बदबूदार कीचड़ पानी पार करते हुए बाबा भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए आते जाते है। सड़क पर जगह जगह गढ़े और जल जमाव होने से स्कूल जा रहे छात्र छात्राएं एव आने जाने वाले कई राहगीर भी गिरकर घायल हो चुके है। वही दूसरी तरफ काफी संख्या में थावे दुर्गा मंदिर में पूजा अर्चना करने आ रहे दूर दराज के श्रद्धालू थावे जंक्शन से उतरकर कीचड़ पानी पार कर इसी मार्ग से दुर्गा मंदिर जाने को मजबूर है। बताया जाता यह सड़क आरईओ के अधीन आता है। यह सड़क यादोपुर से एन एच 27 पार कर थावे दुगार्मंदिर तक जाती है। जिसकी लम्बाई 13.384 किलोमीटर है। इस सड़क का मरम्मत वितीय वर्ष 2017-18 में हुआ था। सड़क निर्माण के लिए कई बार ग्रामीणों द्वारा प्रदर्शन भी किया जा चुका है। उसके बावजूद भी ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा इस सड़क के मरम्मत के लिए कोई ठोस कदम नही उठाया जा रहा है। सड़क पर जल जमाव होने के कारण ग्रामीणों में में काफी आक्रोश है।

ग्रामीण चिकित्सकों की बदहाली पर ध्यान नही दे रही है सरकार: अजय

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

शहर के एक निजी विद्यालय में जिले के सभी ग्रामीण चिकित्सकों की एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें ग्रामीण जन स्वास्थ सेवा संस्था के राष्ट्रीय सचिव डॉ अजय कुमार दुबे ने पूरे बिहार के ग्रामीण चिकित्सकों के साथ हो रही सरकार की अनदेखी पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा गांव के स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ रखने के लिए हमारे ग्रामीण चिकित्सकों की बहुत बड़ी भूमिका है। यह जानते हुए भी सरकार ग्रामीण चिकित्सकों के बदहाली पर ध्यान नहीं दे रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ग्रामीण चिकित्सकों से कहा था कि ट्रेनिंग के बाद आप सब को सरकारी सेवा में ले लिया जाएगा। इस बिषय पर न मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का ध्यान है ना ही उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का। उन्होने कहा कि हमारी संस्था मांग करती हैं कि प्रसिद्ध ग्रामीण चिकित्सकों को सरकारी सेवा में ले। तथा जो ग्रामीण चिकित्सक एनआईओएस के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त है कर रहे थे उनका जल्द से जल्द परीक्षा लेकर उन्हें प्रमाण पत्र देने का कार्य किया जाए। बैठक में डॉ अजय कुमार दुबे, डॉ ब्रजेश कुमार, डॉ. बसंत राम, डॉ संतोष प्रसाद, डॉ विकास कुमार सिंह, डॉ बंटी कुमार, डॉ विनीत कुमार, डॉ राजू राय, डॉ ईश्वर कुमार मांझी, डॉ संजय कुमार यादव, डॉ राजेश प्रसाद, डॉ संदीप कुमार, आदि ग्रामीण चिकित्सक मौजूद रहे।

गोपालगंज में वाहन जांच अभियान चला वसूला गया 2 लाख 96 हजार जुर्माना

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

डीएम डॉ. नवल किशोर चैधरी के निर्देश पर जिले के विभिन्न जगहों पर परिवहन विभाग की टीम ने शनिवार को वाहन जांच अभियान चलाकर दर्जन वाहन चालकों से करीब 2 लाख 96 हजार रुपए जुमार्ना वसूला। इस दौरान परिवहन विभाग की टीम की कार्रवाई को देखकर कई वाहन चालक अपना रास्ता बदलते हुए नजर आए। बताया जाता है कि डीएम के निर्देश पर जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार रजक के नेतृत्व में परिवहन विभाग के द्वारा महम्मदपुर थाने के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। वाहन जांच अभियान के दौरान करीब चार दर्जनो वाहनों को रोककर उनसे जुमार्ना वसूला गया। इस दौरान परिवहन विभाग की टीम ने बाइक के कागजात, हेमलेट, की जांच पड़ताल की। वाहन जांच के दौरान एमबीआई सुनील कुमार सिंह ने दर्जनों वाहनों से करीब 2 लाख 96 हजार रुपए जुमार्ना राशि के रूप में वसूल की। अभियान के दौरान कई चार पहिया वाहनों की भी जांच की गई। जांच के दौरान चार पहिया वाहन चालकों के सीट बेल्ट व प्रदुषण के कागजात को देखा गया। परिवहन विभाग के द्वारा पूरे दिन चले वाहन जांच के दौरान बाइक चालकों में हड़कंप दिखा। वाहन जांच अभियान में परिक्ष्यामान अपर जिला परिवहन पदाधिकारी शारदानंद राजू, नवेंदु शेखर, मोटरयान निरीक्षक, सभी परीक्ष्यमान प्रवर्तन अवर निरीक्षक मौजूद थे।

लोजपा की बैठक में संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा

बैकुंठपुर। बैकुंठपुर प्रखंड मुख्यालय के दिघवा दुबौली में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के कार्यकताओं की प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक रविवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष विनोद पासवान कर रहे थे। बैठक में पार्टी के प्रदेश महासचिव सह जिला संगठन प्रभारी अनूप तिवारी ने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए अधिक से अधिक संख्या में लोगों को पार्टी की मुख्यधारा से जोड़ें। उन्होंने कहा कि संगठन को धारदार बनाने व मजबूती प्रदान करने में कार्यकताओं की अहम भूमिका होती है। उन्होंने सदस्यता अभियान को लेकर पार्टी के सभी मोर्चा के पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिना चिराग के बिहार में रोशनी नहीं होगी। इसलिए आने वाले चुनाव में पार्टी सुप्रीमो चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करना होगा। पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधांशु मिश्रा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आगामी चुनाव में लोक जनशक्ति पार्टी काफी मजबूत होगी। इसके लिए अभी से ही तैयारी में जुटना होगा। पिछले माह चलाए गए सदस्यता अभियान की पंचायत वार समीक्षा की गयी। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अंशु मिश्रा, जिला संगठन विस्तार प्रमुख उपेंद्र पासवान, अर्जुन सिंह, अनिल कुमार यादव, डॉ डीके गिरी सहित कई लोग मौजूद थे।

हथियार के साथ फोटो डालना पड़ा महंगा, पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोपालगंज प्रात : किरण ब्यूरो

गोपालगंज में सोशल मीडिया पर हथियार लहराना युवक को महंगा पड़ गया। पुलिस ने फोटो के आधार पर युवक को गिरफ्तार कर लिया है। मामला जिले के मांझा थाना क्षेत्र के धर्मपरसा गांव का बताया जा रहा है। गिरफ्तार युवक की पहचान मांझा थाने के धर्मपरसा गांव के रामजी यादव के पुत्र प्रिंस यादव के रूप में की गयी है। फिलहाल पुलिस ने युवक को अनुमंडल कार्यालय से बांड भरवाकर छोड दिया है। बताया जाता है कि धर्मपरसा गांव के प्रिंस यादव ने हथियार के साथ सोशल साइट पर एक फोटो शेयर किया था। फोटो वायरल होने के बाद हरकत में आयी पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। वही जांच के दौरान पिस्टल नकली पाया गया। इस संबध में सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि सोशल साइट पर हथियार के साथ फोटो डालने के मामले में युवक को गिरफ्तार किया गया था। पिस्टल नकली होने के कारण व हथियार बरामद नही होने पर युवक को धारा 151 के तहत अनुमंडल कार्यालय से बांड डाउन कराकर छोड दिया गया।

परसा विधानसभा के चारो मंडलों की बैठक सम्पन्न

छपरा। परसा विधानसभा के चारों मंडल की संयुक्त बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता नगर मंडल अध्यक्ष जितेंद्र कुमार उर्फ भूलन एवं संचालन दरियापुर पश्चिमी अध्यक्ष मंटू बाबा के नेतृत्व में की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चैधरी एवं जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह के निर्देश पर आगामी 13 जुलाई को शिक्षक नियमावली में बदलाव को लेकर पटना गांधी मैदान में होकर विधानसभा घेराव किया जाएगा। मुख्य वक्ता में पूर्व एमएलसी प्रत्याशी धर्मेंद्र सिंह विधानसभा प्रभारी निरंजन शर्मा विधानसभा संयोजक राकेश सिंह वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रभु कुंवर एवं गया सिंह परसा पूर्वी अध्यक्ष अजय पुरी दरियापुर पूर्वी अध्यक्ष रामानंद सिंह दरियापुर पछमी अध्यक्ष मंटू बाबा नगर महामंत्री विकास सिंह उपाध्यक्ष मनीष सिंह रामबाबू राय संतोष शर्मा सतवीर शर्मा शैलेश गिरि आईटी सेल पप्पू गुप्ता मोनू कुमार रामजतन साहनी सोनू कुमार विकास राज धनंजय त्रिवेदी इत्यादि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

साहब! काश जादोपुर में भी प्रशासन चलाता अतिक्रमण हटाओ अभियान

गोपालगंज प्रात : किरण संवाददाता

गोपालगंज-बेतिया मुख्यालय को जोड़ने वाली मुख्य पथ इन दिनों अतिक्रमण के कारण सिमट गयी है। आये दिन सदर प्रखंड के जादोपुर बाजार में सुबह-शाम दोनो समय हर दिन जाम लग जा रही है।

लेकिन इस जाम की ओर प्रशासन के अधिकारियों का ध्यान नही है। प्रतिदिन सुबह आठ बजे से 11 बजे तक जादोपुर बाजार जाम से जुझता रहता है। वही शाम में तीन बजे से सात बजे तक जाम की स्थिति बनी रहती है। जादोपुर बाजार से होकर ही गोपालगंज के लोग बेतिया और बेतिया के लोग गोपालगंज आते जाते है। सबसे ज्यादा परेशानी तो उन अधिकारियों और कर्मचारियों को है जो गोपालगंज में सरकारी सेवक के रूप में सेवा देते है। जिनका प्रतिदिन बेतिया से आना जाना रहता है। यही स्थिति गोपालगंज में रहने वाले अधिकारी व सरकारी कर्मियों की है जो प्रतिदिन बेतिया जिला मुख्यालय के विभिन्न विभागों में पदस्थापित है। उन्हे हर दिन कार्यालय पंहुचने में जाम के कारण विलंब होती है तो वापसी में घर पंहुचने में रात हो जाती है। गोपालगंज में रहने वाले अधिकारियों के मुख से हमेशा यही बात निकलती है कि काश गोपालगंज जिला प्रशासन का अतिक्रमण हटाओं अभियान जादोपुर बाजार में भी चलती। लेकिन जादोपुर बाजार की अतिक्रमण पर न तो प्रशासन के वरीय अधिकारियो की नजर है और न ही स्थानीय सीओ की ही, जब जाम घंटो खत्म नही होता तो जादोपुर थाने की पुलिस पंहचु कर जाम से निजात दिलाने मे सहयोग करती है। लेकिन स्थायी निदान के लिए प्रशासन की ओर से पहल नही हो पाती है। दुकानदारों के अतिक्रमण से हर दिन लोगो को परेशानियों का सामना करना पडता है।

हत्या के मामले में पंजाब पुलिस का बैकुंठपुर में छापा, आरोपित गिरफ्तार

गोपालगंज । पंजाब के जालंधर जिले के परशुराम नगर थाने में 8 मार्च को होली के दिन हुई हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए रविवार को पंजाब पुलिस बैकुंठपुर थाना पहुंची। सहायक अवर निरीक्षक निर्मल सिंह के नेतृत्व में पहुंची तीन सदस्य टीम ने छापेमारी के लिए बैकुंठपुर पुलिस के साथ रणनीति तैयार की। उसके बाद गम्हारी गांव में छापेमारी की गयी।

छापेमारी के दौरान आरोपित राजदेव राय उर्फ राजू लंगड़ा को संयुक्त छापेमारी में गिरफ्तार कर लिया गया। पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि बैकुंठपुर थाने के सोनवलिया गांव के कन्हैया राय के बयान पर पंजाब के जालंधर जिले के परशुराम नगर थाने में हत्या की प्राथमिकी दर्ज करायी गयी थी। होली खेलने के दौरान रंग अबीर लगाने के विवाद में चाकू गोदकर हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद आरोपित जालंधर छोड़कर गांव आ गया था।

विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल बनाने के साथ-साथ उच्च स्तरीय गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई की व्यवस्था सुनिश्चित करें: डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। जिला पदाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में सदर अनुमंडल अंतर्गत प्रखंडों के सभी उच्च विद्यालयों के प्रधानाचार्य के साथ बैठक प्रेक्षागृह छपरा में आहूत की गई ।बैठक में आए हुए सदर अनुमंडल के सभी उच्च विद्यालयों के प्रधानाचार्य को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी ने सरकार के दिशा-निर्देश के आलोक में विद्यालयों में शिक्षकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ-साथ विद्यार्थियों की उपस्थिति को भी सुनिश्चित करने को कहा। विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल बनाने के साथ-साथ पढ़ने पढ़ाने के स्तर में गुणात्मक सुधार किए जाने की पहल प्रारंभ करने को भी कहा गया। जिला पदाधिकारी महोदय ने बताया की शैक्षणिक माहौल बनाने हेतु पहल करने में आपसी समन्वय की आवश्यकता होगी, तभी जाकर विद्यालय में उच्च स्तरीय गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन का कार्य हो पाएगा। इसके लिए सब लोग को एक साथ पहल करने की जरूरत है। जिला पदाधिकारी स्वयं भी विद्यालयों का भ्रमण कर वस्तु स्थिति का आकलन करेंगे।

जिला पदाधिकारी ने प्रधानाध्यापकों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने-अपने विद्यालयों में सभी शिक्षकों को यह बता दें कि वे अपनी-अपनी कक्षाओं के सभी छात्र-छात्राओं के बारे में पूरी जानकारी रखें। ताकि अभिभावक- शिक्षक की बैठक में अनुपस्थित होने वाले

अभिभावक अथवा छात्र के घरों पर शिक्षकों की टीम पंचायत वार, वार्ड वार जाकर वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त कर सके। हर विषय के लिए पूरे जिले से विषय की जानकारी रखने वाले शिक्षकों की टीम को भी गठित करने का निर्देश दिया गया। ये विशेषज्ञ शिक्षक अपने-अपने विषयों के संबंध में पूरे वर्ष के पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाने का वीडियो तैयार करेंगे। इस वीडियो की सहायता से वैसे विद्यालयों में पढ़ाई करवाई जा सकेगी जहां उस विषय के शिक्षक नहीं होंगे। विशेष रूप से यह नवमी एवं दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए करने को कहा गया। अनुमंडल पदाधिकारी मढ़ौरा को निर्देश दिया गया है कि वे कोचिंग सेंटर संचालकों से बैठक कर यह सुनिश्चित कर लें कि विद्यालय के समय कोई भी कोचिंग का संचालन ना हो ताकि विद्यार्थी विद्यालय आए। जिला शिक्षा पदाधिकारी को वैसे विद्यालयों की सूची तैयार करने को कहा गया जहां विद्यालयों में चहारदीवारी नहीं है। वैसे विद्यालयों में चहारदीवारी का निर्माण कार्य प्राथमिकता के तौर पर करवाया जाएगा। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को वैसे विद्यालयों की सूची तैयार करने को कहा गया जहां अतिक्रमण है। इस संबंध में विशेष रुप से पहल कर संबंधित अंचलाधिकारी एवं अनुमंडल अधिकारी से मिलकर अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को निर्देशित किया गया। इस कार्य में शिथिलता बरतने वाले प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गई। प्रत्येक अनुमंडल में मॉडल के तौर पर उच्च विद्यालय में पुस्तकालय संचालित की जाएगी। तत्पश्चात अगले चरण में सभी उच्च विद्यालय में पुस्तकालय संचालित करने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, सदर अनुमंडल के सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी एवं सभी उच्च विद्यालय के प्रधानाचार्य उपस्थित थे।

जिला माध्यमिक शिक्षक संघ की बैठक आयोजित

छपरा। बिहार माध्यमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर आगामी 11 जुलाई को राज्यव्यापी शिक्षक आंदोलन को सफल बनाने हेतु रविवार को जिला माध्यमिक शिक्षक संघ के सभागार में माध्यमिक शिक्षकों का एक जिला स्तरीय बैठक आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष विनोद कुमार यादव ने किया तथा कार्यक्रम का नेतृत्व सचिव विद्यासागर विद्यार्थी ने किया। इस बैठक में सभी प्रखंड ईकाई से लेकर अनुमंडल ईकाई तक के माध्यमिक शिक्षक एवं शिक्षक नेताओं ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया कि राज्य के आह्वान को देखते हुए जिले के प्रत्येक विद्यालय से शिक्षक नियमानुसार प्रधानाध्यापक से अवकाश स्वीकृत करा और हस्ताक्षर पंजी पर उसे अंकित करवा कर ही अपने अपने मित्र मंडली के साथ ससमय पटना चलने की व्यवस्था करेंगे। इस इस बैठक में प्रमंडलीय अध्यक्ष शंकर प्रसाद यादव ,पुर्व जिला अध्यक्ष भरत प्रसाद, प्रमंडलीय कोषाध्यक्ष नागेंद्र प्रसाद सिंह , कोषाध्यक्ष डॉ रजनीश कुमार, संयुक्त सचिव प्रकाश कुमार सिंह ,अमोद कुमार सिंह परीक्षा सचिव रमेश लाल साह, अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, सदर अनुमंडल अध्यक्ष रसूल अहरार खां ,सचिव शिवजी राय , मशरख अनुमंडल अध्यक्ष अनिल कुमार, सोनपुर अनुमंडल सचिव दिलीप कुमार सिंह,सदस्य जिला कार्यकारिणी मिथिलेश कुमार मांझी , प्रमंडल कार्यकारिणी सतीश कुमार,सदर प्रखंड सचिव पुरुषोत्तम ज्ञान भूषण , मढ़ौरा मंसूर आलम, सोनपुर रामनाथ साह, बनियापुर दिलीप कुमार रस्तोगी, माझी अजय कुमार, अनुमंडल कोषाध्यक्ष बनियापुर राजेश कुमार द्विवेदी, अनुमंडल संयुक्त सचिव भक्त प्रह्लाद सिंह, शिक्षक अजय कुमार पाठक चंद्रभान पांडे सुनील कुमार रोहित कुमार झा मनीष कुमार भूपेंद्र कुमार सिंह रविंद्र कुमार ममता सिंह इत्यादि अनेक शिक्षकों ने बैठक में भाग लिया। जिला सचिव ने सभी शिक्षक साथियों से यह अपील किया कि यह लड़ाई केवल और केवल आपकी है इसलिए संघ के प्रतिष्ठा और अपने भविष्य के लिए बीपीएससी का फार्म न भरें तथा अधिक से अधिक संख्या में चलकर विधानमंडल के समक्ष गर्दनीबाग में आहूत धरना कार्यक्रम को सफल बनावें।

स्वामी परमहंस दयाल जी महाराज की समाधि स्मृति दिवस पर मांझी से छपरा तक निकली पदयात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। छपरा में जन्म लिए और देश भर को भक्ति और ज्ञान से प्रकाशित करने वाले स्वामी परमहंस स्वामी दयाल की समाधि स्मृति दिवस पर छपरा में भव्य पदयात्रा निकली। स्वामी परमहंस दयाल जी के ननिहाल मांझी के नंदपुर से निकली पदयात्रा करीब 20-25 किलोमीटर की दूरी तय कर छपरा नगर के दहियावा जन्म स्थल पर पहुंची। जहा स्वामी जी को सैकड़ों संत और हजारों श्रद्धालुओं ने अपना माथा टेका। ब्रह्म विधालय सह आश्रम के वर्तमान गुरु श्री सत्यानंद जी महाराज के नेतृत्व में हजारों लोग पद यात्रा में शामिल हुए। पदयात्रा को लेकर संतों और अनुयायी भक्तों में खूब उत्साह रहा। पदयात्रा में स्त्री पुरुष और बड़ी संख्या में अनुयायी भक्तगण भी शामिल थे। पदयात्रा में मढ़ौरा क्षेत्र से चिकित्सक डा. बीके सिंह, डा.राहूल हरीश सहित दर्जनों अनुयायी हिस्सा बने। स्वामी अद्वैतानंद जी महाराज का जन्म छपरा के घाघरा नदी किनारे दहियावा में हुआ था । सालों पहले छपरा शहर के दहियावां मुहल्ले से निकल कर पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के टेरी नामक स्थान पर उन्होंने अपना आश्रम बना लिया था। यही पर स्वामी अद्वैतानंद जी महाराज ने वर्षो तक लोगों के बीच योग और साधना का ज्ञान दिया था। आज से एक सौ तीन वर्ष पूर्व 9 जु

सम्पादकीय

विपक्षी गठबंधन की चुनौतियां

भाजपा को हराने के लिए एक साथ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही पार्टियां अब 17 और 18 जुलाई को बेंगलुरू में मिलेंगी। इसके दो दिन के बाद संसद का मॉनसून सत्र शुरू होगा। सो, एक तरह से विपक्षी पार्टियों की बैठक संसद सत्र की रणनीति बनाने का आभास दे रही है। पहले यह बैठक 12 जुलाई को शिमला में होनी थी। शिमला से बैठक क्यों टली, इस बारे में कुछ नहीं कहा गया है, जबकि पटना में हुई पहली बैठक से पहले कांग्रेस चाहती थी कि पहली बैठक शिमला में हो। पहली बैठक तो नहीं हुई, दूसरी बैठक भी शिमला की बजाय बेंगलुरू में होगी। हो सकता है कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी अध्यक्षता में होने वाली पहली बैठक अपने गृह प्रदेश में चाहते हों, इसलिए बेंगलुरू का चुनाव किया गया हो। यह भी संभव है कि शिमला की चार सीट की बजाय कर्नाटक में 28 लोकसभा की सीटें हैं इसलिए उसे ज्यादा तरजीह दी जाए।

बहरहाल, यह ज्यादा बड़ा मुद्दा नहीं है कि कब और कहां विपक्षी पार्टियों की बैठक होती है। असली सवाल यह है कि बैठक का मुद्दा क्या है? किस एजेंडे पर विपक्षी पार्टियां मिल रही हैं? क्या विपक्षी पार्टियों के नेताओं का कोई ऐसा औपचारिक समूह बना है, जो मुख्य बैठक से पहले आपस में गठबंधन के मुद्दों पर चर्चा करता हो? आमतौर पर किसी भी बड़े कार्यक्रम या बड़े अभियान से पहले ऐसे कई छोटे छोटे समूह बनते हैं, जहां बारीकियों पर चर्चा होती है। पहली बैठक तक तो ठीक था लेकिन दूसरी बैठक भी बिना किसी एजेंडे के नहीं हो सकती है। यह नहीं हो सकता है कि पार्टियों के नेता बैठें, एक-दूसरे का हाल-चाल जानें, शादी वगैरह की बात करें और अगली बार फिर मिलने का वादा करके उठ जाएं। दूसरी बैठक में कुछ ठोस मामले तय होने चाहिए और बैठक के बाद आम लोगों को यह मैसेज जाना चाहिए कि विपक्षी पार्टियां पटना से आगे बढ़ी हैं। ध्यान रहे पटना में हुई बैठक से पहले भी विपक्षी पार्टियों के सामने कम चुनौतियां नहीं थीं। लेकिन उस बैठक से जो सकारात्मक मैसेज बना उसके बाद चुनौतियां बढ़ गई हैं। ये चुनौतियां कई तरह की हैं। 23 जून की बैठक से लेकर जुलाई के पहले हफ्ते तक के घटनाक्रम पर नजर डालें तो चुनौतियों की तस्वीर साफ होती है। इस दौरान महाराष्ट्र में एनसीपी सुप्रीमो और मराठा क्षत्रप शरद पवार की पार्टी टूट गई। उनके भतीजे अजित पवार एनसीपी के कुछ विधायकों को साथ लेकर भाजपा के साथ चले गए और उप मुख्यमंत्री बन गए। संभावित विपक्षी गठबंधन के एक बड़े दल का इस तरह से टूटना समूचे विपक्ष को प्रभावित करेगा। दूसरी घटना यह हुई कि केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने राजद नेता और बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को जमीन के बदले रेलवे में नौकरी दिलाने के कथित घोटाले में आरोपी बना दिया। अपनी दूसरी चार्जशीट में केंद्रीय एजेंसी ने बतौर आरोपी तेजस्वी का नाम शामिल किया। तीसरी घटना यह हुई कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी में जम कर जुबानी जंग हुई। चौथी घटना यह हुई कि राहुल गांधी ने तेलंगाना के खम्मम में रैली की और मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस उनके साथ कभी तालमेल नहीं करेगी। पांचवीं घटना यह हुई कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हैदराबाद जाकर चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। छठी घटना यह है कि अध्यादेश के मसले पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच लड़ाई तेज हो गई है और सातवीं व सबसे अहम घटना यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समान नागरिक संहिता की खुल कर वकालत की है। सोचें, 10 दिन के अंदर ये सारी घटनाएं हुई हैं। इनसे जाहिर होता है कि विपक्षी पार्टियों के सामने कितनी तरह की चुनौतियां हैं। एक तरफ उन्हें भाजपा के ऑपरेशन लोटस से बचना है तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की जांच का सामना करना है। इसके बाद आपस में तालमेल बनाना है और भाजपा की ओर से तय किए जा रहे एजेंडे का मुकाबला करने के लिए अपना एजेंडा तय करना है। महाराष्ट्र के घटनाक्रम के बाद बिहार और झारखंड में चिंता है। दोनों राज्यों में विपक्ष की पार्टियां निशाने पर हैं। कर्नाटक में जेडीएस के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कहा है कि उनके राज्य में भी महाराष्ट्र जैसा घटनाक्रम होगा। उन्होंने कहा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि कर्नाटक का अजित पवार कौन होता है। इस समय विपक्षी पार्टियों के सामने नंबर एक चुनौती यही है। कैसे अपनी पार्टी को टूटने से बचाएं और एकजुट रह कर मजबूती का अहसास कराएं।

विपक्ष को इसकी रणनीति बनानी चाहिए और जहां भी एक दूसरे को मदद करनी चाहिए। विपक्ष की सारी पार्टियों को साथ लाने की चुनौती का जहां तक सवाल है तो ऐसा लग रहा है कि तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, भारत राष्ट्र समिति और आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस और अन्य पार्टियों का तालमेल मुश्किल होगा। इसे तीसरे मोर्चे की संभावना के दौरे पर देखें तो यह एक बड़ी चुनौती होगी। हालांकि विपक्ष के लिए अच्छी बात यह होगी कि आम आदमी पार्टी को छोड़ कर बाकी पार्टियां सिर्फ अपने असर वाले राज्यों में ही लड़ेंगी। विपक्ष के मुख्य मोर्चे से इनका आमना-सामना नहीं होगा। इसलिए इन पर माथापच्ची करने से पहले उन पार्टियों के बीच तालमेल होना चाहिए, जिनके बीच पहले से गठबंधन है। जो आपस में मिल कर लड़ने में सहज हैं और जिनके बीच सीटों के बंटवारे में ज्यादा दिक्कत नहीं आनी है। जो पार्टियां पिछले चुनावों में साथ मिल कर लड़ीं है उनको अपना गठबंधन बना लेना चाहिए क्योंकि उनको सीट बंटवारे का कोई नया फॉमूर्ला तय नहीं करना है। उसके बाद दूसरी पार्टियों से बात करनी चाहिए। उनसे अगर बात हो भी जाती है तो सीट बंटवारे के फॉमूर्ले पर दिक्कत आएगी। यह सवाल उठेगा कि पिछले लोकसभा चुनाव के वोट प्रतिशत के आधार पर सीट बंटवारा हो या राज्यों के विधानसभा चुनावों के वोट प्रतिशत के आधार पर तालमेल हो?

टमाटर व हमारी जिंदगी

कमलेश भारतीय

इन दिनों मीडिया में छाए हुए हैं लाल टमाटर! लाल टमाटर दिन प्रतिदिन लाल हुआ जा रहा है। कसम से जब सब्जी खरीदने रेहड़ी पर खड़ा होता हूं तो लाल टमाटर मुझे घूर रहे होते हैं, जैसे पूछ रहे हों, अबे इतनी औकात है तेरी कि मुझे छू भी सके? गलती से भी छू न लेना बहुत तेज भाव हैं मेरे! और मैं सिर्फ देखता रह जाता हूं जैसे कोई गरीब आशिक अपनी अमीर माशूका को देख देख कर बस आहें भरता रह जाता है! और माशूका मुस्कुराती बाय-बाय करती चली जाती है। ऐसे ही लाल टमाटर मेरे साथ कर रहे हैं। बाय-बाय कर रेहड़ी वाला यह कहकर चला जाता है, बस, बाबू जी! आपने खरीदना तो कुछ है नहीं, मेरा टाइम क्यों खराब कर रहे हो ऊपर से! मैं खाली हाथ घर लौट आता हूं। पता नहीं कब वह दिन आएगा जिस दिन यह लाल टमाटर मेरे घर प्रवेश करेगा? सच, उस दिन मैं इसके स्वागत में आरती उतारूंगा और घी के दीये जलाऊंगा। सबसे पहले वंदनवार सजाऊंगा लाल टमाटर के स्वागत के लिए!

वैसे रेहड़ी पर लाल टमाटर की यह आवभगत देखकर बेचारा प्याज बुरी तरह अपमानित महसूस करता है और कहता भी है, अबे लाल टमाटर दो चार साल पहले तुझे कोई नहीं पूछता था। याद है मेरी कीमत भी कीमती से कीमती होती चली गयी थी और लोग ऐसे खरीदते थे जैसे सोना खरीद रहे हों! रेहड़ी वाला भी मुझे ऐसे ही तोलता था जैसे सुनार सोना छोटी सी तुला में रखकर दे रहा हो! प्याज टमाटर को धमकाते कहता है कि अरे! इतना भी न इतरा! सब पर ये दिन आते हैं! जैसे सभी युवा होते हैं और अच्छे लगते हैं! इसी तरह तू भी समझ ले जवानी के दिन चार! जैसे महाकवि निराला ने भी कहा था, अबे सुन बे गुलाब! इतना मत इतरा! बस इतराना छोडकर अपने अंजाम की सोच! वे दिन भी आयेंगे जब गला सड़ा कहकर यह रेहड़ी वाला ही तुझे बीच सडक फेंक कर चलता बनेगा कि यदि यह लाल टमाटर मेरी रेहड़ी पर रहा तो दूसरी चीजें भी कोई नहीं खरीदेगा! वैसे कभी प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर ही एक पूर्व महिला प्रधानमंत्री ने चुनाव का मुद्दा बनाया था और वे चुनाव जीत गयी थीं।

आज कोई भी राजनीतिक दल न लाल टमाटर और न ही प्याज को मुद्दा बना रहा है। जब गरीब आदमी के मुद्दे ही नहीं उठाओगे तो चुनाव कैसे जीतोगे? बस। सब चुपचाप इसकी लाली देख देखकर आहें भर रहे हैं। कभी चीनी भी ब्लैक होने लगी थी। यह हमारे देश में छोटी छोटी चीजें एकदम कैसे आसमान छूने लगती हैं, यह रहस्य आम आदमी समझ नहीं पाता। चीनी की बढ़ती कीमतों के लिये कभी महाराष्ट्र के एक बड़े नेता को भी लोगों ने जी भर कर कोसा था। वे चीनी मिलों के बल पर ही राजनीति करते आये और कृषि मंत्री रहते भी कहते थे कि चीनी के भाव कैसे कम करूं! ये आवश्यक और रसोई की श्रृंगार वस्तुएं कैसे एकाएक रसोई से गायब होने लगती हैं? कभी प्याज तो कभी टमाटर तो कभी चीनी और अमिताभ बच्चन फिल्म लेकर आ जाते हैं- चीनी कम! कोई फिल्म निमार्ता ऐसी फिल्म बनायेगा -टमाटर कम! प्याज कम! हां! धर्मेंद्र का मुक्के से प्याज तोडे का स्टाइल जरूर मशहूर हुआ और लोगों ने ऐसे ही प्याज मुक्के मार कर खाने शुरू कर दिए थे।

राजनैतिक दलों का कुंबा बढ़ाओ अभियान

विपक्षी दलों का जहां यह प्रयास है कि इस बार किसी भी तरह आपसी मतभेदों को भुलाकर भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध एक राष्ट्रव्यापी गठबंधन तैयार किया जाये वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी न सिर्फ संगठनात्मक स्तर पर स्वयं को मजबूत करने में जुटी है बल्कि कई क्षेत्रीय दलों से गठबंधन की योजना पर भी काम कर रही है। खासतौर पर आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में चंद्र बाबू नायडू की उसी तेलगुदेशम को पुनः राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल करने की फिराक में है जो आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा न दिला पाने तथा तीन तलाक के मुद्दे पर विपक्ष के साथ जाने के चलते 2018 में एन डी ए से अलग हो गयी थी। इसी तरह भाजपा पंजाब में अकाली दल बादल को साथ जोड़ने की योजना बना रही है जो दो वर्ष पूर्व तीन विवादित कृषि कानून के विरोध में एन डी ए से अलग हुई थी। परन्तु अब वह तीनों विवादित कानूनों की वापसी भी हो चुकी है और पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस-भाजपा-अकाली दल सभी को बुरी तरह पराजित कर ऐसे राजनैतिक हालात पैदा कर दिये हैं

तनवीर जाफरी
लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

लगभग दस महीने बाद 2024 में होने वाले आम लोकसभा चुनावों की बिसात बिछने लगी है। विपक्षी दलों का जहां यह प्रयास है कि इस बार किसी भी तरह आपसी मतभेदों को भुलाकर भारतीय जनता पार्टी के विरुद्ध एक राष्ट्रव्यापी गठबंधन तैयार किया जाये वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी न सिर्फ संगठनात्मक स्तर पर स्वयं को मजबूत करने में जुटी है बल्कि कई क्षेत्रीय दलों से गठबंधन की योजना पर भी काम कर रही है। खासतौर पर आंध्र प्रदेश व तेलंगाना में चंद्र बाबू नायडू की उसी तेलगुदेशम को पुनः राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल करने की फिराक में है जो आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा न दिला पाने तथा तीन तलाक के मुद्दे पर विपक्ष के साथ जाने के चलते 2018 में एन डी ए से अलग हो गयी थी। इसी तरह भाजपा पंजाब में अकाली दल बादल को साथ जोड़ने की योजना बना रही है जो दो वर्ष पूर्व तीन विवादित कृषि कानून के विरोध में एन डी ए से अलग हुई थी। परन्तु अब वह तीनों विवादित कानूनों की वापसी भी हो चुकी है और पिछले पंजाब विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस-भाजपा-अकाली दल सभी को बुरी तरह पराजित कर ऐसे राजनैतिक हालात पैदा कर दिये हैं कि भाजपा-अकाली दोनों को ही एक दूसरे के सहयोग की जरूरत महसूस हो रही है। वैसे तो पंजाब में भाजपा ने कांग्रेस के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रहे सुनील जाखड़ को ही पंजाब प्रदेश भाजपा का नया अध्यक्ष बनाकर यह भी साबित कर दिया है कि भाजपा का पंजाब में अपना जनाधार नहीं है बल्कि वह सुनील जाखड़ व कैप्टन अमरेंद्र सिंह जैसे पूर्व कांग्रेस नेताओं के बल पर और अकाली दल (बादल) से गठबंधन कर पंजाब की 13 लोकसभा सीटों पर अपनी बिसात बिछाना चाह रही है। इसी तरह भाजपा जहां उत्तर प्रदेश में ओम प्रकाश राजभर को अपने कुंबे में शामिल कर पूर्वांचल में अपनी स्थिति मजबूत बनाने की फिराक में है वहीं बिहार में विभाजित लोकजनशक्ति पार्टी यानी राम विलास पासवान के भाई व केंद्रीय मंत्री परशुराम नाथ पारस व पासवान के पुत्र चिराग पासवान में सुलह सफाई कराकर समग्र लोजपा को अपने पाले में लेने की कोशिश में है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी, उपेंद्र कुशवाहा तथा मुकेश सहनी जैसे बिहार के प्रभावशाली नेताओं के भी उनकी पार्टियों के साथ एनडीए में शामिल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

इसी तरह कर्नाटक में भाजपा का प्रयास है कि किसी तरह जनता दल सेक्युलर (जेडीएस) के साथ भी उसकी बात बन जाये ताकि कर्नाटक की विधानसभा में हुई जबरदस्त हार के बाद राज्य की लोकसभा की 28 सीटों पर जे डी एस के साथ चुनाव लड़कर कुछ सीटें जीती जा सकें। भाजपा को अपनी कुनबा विस्तार योजना दरअसल तब शुरू करनी पड़ी है जबकि उसे हिमाचल प्रदेश व कर्नाटक जैसे राज्यों में सत्ता गंवानी पड़ी। बंगाल में भी उसे मुंह की खानी पड़ी। यानी भाजपा का विश्वविजेता बनने का नशा दरअसल अब उतर चुका है और उसे यह एहसास हो चुका है कि उसके लिये क्षेत्रीय दलों की बैसाखी का सहारा लिये बिना 2024 में सत्ता वापसी की राह आसान नहीं है। भाजपा द्वारा धर्म-सम्प्रदाय व जातिवाद के तमाम हथकंडे अपनाने के बावजूद उसे कर्नाटक में मिली जबरदस्त हार भी उसे यह सोचने के लिये मजबूर कर रही है कि कहीं ऐसा न हो कि कर्नाटक के चुनाव परिणाम की पुनरावृति लोकसभा 2024 में भी हो। उससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गाँधी द्वारा कन्याकुमारी से कश्मीर तक की गयी सफल भारत जोड़ो यात्रा ने भी भाजपा नेताओं के कांग्रेस मुक्त भारत के सपनों में पलीता लगा दिया है और कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव काफी मजबूती से लड़ने जा रही है। इसके अलावा पिछले 23 जून को पटना में देश के प्रमुख 15 विपक्षी दलों के प्रमुखों का इकठ्ठा होना जैसी परिस्थितियों ने भी भाजपा को अपनी विजेता बने रहने की गलतफहमी दूर कर कमर कसने के लिये मजबूर कर दिया है। भाजपा अपनी इस रणनीति के तहत विपक्षी दलों में फूट डालने से लेकर दूसरे दलों के नये बागियों यानी अपने नये सहयोगियों को मंत्रिमंडल में जगह भी दे सकती है। एनडीए का विस्तार हो या अपनी ही पार्टी (भाजपा) में दूसरे दलों के नेताओं को शामिल कर दूसरे दलों को कमजोर व भाजपा को मजबूत करना, इस नीति पर भी पार्टी लगातार काम कर रही है। इसी कोशिश का परिणाम मध्य प्रदेश में देखा जा चुका है जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया को उनके साथी विधायकों के साथ कांग्रेस से भाजपा में शामिल कराया गया और मध्य प्रदेश विधानसभा के जनमत को ठेंगा दिखाते हुये राज्य की निर्वाचित कमलनाथ सरकार गिराकर भाजपा की सरकार बनाई गयी। पिछले दिनों पटना में विपक्षी दलों की एकता की आहट से घबराई भाजपा ने महाराष्ट्र में भी अपनी विभाजनकारी एजेंडा चलाते हुए शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में दो फाड़ करा दिया। अजित पवार को महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री व शरद पवार की एन सी पी छोड़ने वाले उनके कई साथी विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिला दी गयी। हालांकि इनमें अजित पवार सहित कई एन सी पी नेताओं के विरुद्ध भ्रष्टाचार संबंधी मामले चल रहे हैं।

परन्तु 2024 की कुनबा विस्तार योजना को अधिक महत्वपूर्ण समझते हुये भ्रष्टाचारियों को भी गले लगाने से परहेज नहीं किया गया। दरअसल भाजपा कर्नाटक के उस वोटिंग पैटर्न से चिंतित है जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि यदि देश के मतदाताओं ने कहीं कर्नाटक की ही तर्ज पर मतदान कर दिया यानी अल्पसंख्यक, दलित व पिछड़े मतदाता, विपक्ष विशेषकर कांग्रेस के पक्ष में चले गये और आम मतदाता धर्म के बजाये मंहगाई व बेरोजगारी के नाम पर वोट देने लगा तब स्वयं को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बताने वाली भाजपा का क्या होगा।

निश्चित रूप से कांग्रेस भी न केवल सवर्ण बल्कि अपने पारम्परिक ओबीसी, दलित और मुस्लिम मतदाताओं को अपने साथ पुनः जोड़ने का पूरा प्रयास कर रही है। तो भाजपा भी पसमांदा मुसलमानों के बहाने अल्पसंख्यकों के एक बड़े वर्ग को लुभाने की रणनीति बना रही है। यानी भाजपा इन दिनों युद्धस्तर पर एक साथ कई मिशन पर काम कर रही है। इनमें अपनी पार्टी में दूसरे दलों के लोगों को शामिल कर पार्टी मजबूत करना, विपक्षी दलों में तोड़ फोड़ को हवा देना, विपक्षी नेताओं को ई डी व सी बी आई जैसी केंद्रीय जाँच एजेंसियों का भय दिखाकर उन्हें अपने साथ जोड़ना तथा एन डी ए से अलग हुये दलों को पुनः एन डी में शामिल करना और संभव हो तो नये दलों को भी एन डी ए के कुंबे में शामिल करना जैसी रणनीतियां शामिल हैं।

भाजपा नें आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनावी समर क्षेत्र के लिए रणनीति बनाई

स्वंय प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी के इन दिनों देश की सम्पूर्ण तुफानी दौरा व नए परियोजनाओं की शिलान्यास व नई घोषणा इस बात का सबसे बडा प्रमाण है। वहीं भाजपा नें पार्टी के संगठनात्मक संरचना में कई बदलाव के बड़े संकेत दिए है। इसी कम में विगत दिनों दो केंद्रीय मंत्रियों को दी बड़ी जिम्मेदारी सौपी है जो चार राज्यों के विधानसभा के चुनाव व आगामी लोकसभा 24 के आम चुनावों में जीत की रणनीति पर काम करेंगे। आप को बता दें कि भाजपा ने चार राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए है। भूपेंद्र यादव, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री को मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। सर्व विदित रहे कि इसी बर्ष के अंत में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले है। आप को बता दे कि भूपेन्द्र यादव चुनावी रणनीति में माहिर माने जाते हैं। वहीं अश्विनी बैष्णव आईटी एक्सपर्ट हैं। वह भारतीय प्रशानिक सेवा से सेवा निवृत अ अधिकारी व पीएम मोदी के विश्वसनीय पात्र हैं।

विनोद तकियावाला
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

भाजपा ने चार राज्यों के विधानसभा व आगामी वर्ष लोकसभा 2024 सफलता के लिए संगठन व सरकार में गहन मैराथन मंथन शुरू कर दी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के द्वारा आगामी विधानसभा व लोक सभा के चुनावी समर क्षेत्र में विजयश्री के लिए विशेष रणनीति बनाई है। स्वंय प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी जी के इन दिनों देश की सम्पूर्ण तुफानी दौरा व नए परियोजनाओं की शिलान्यास व नई घोषणा इस बात का सबसे बडा प्रमाण है। वहीं भाजपा नें पार्टी के संगठनात्मक संरचना में कई बदलाव के बड़े संकेत दिए है। इसी कम में विगत दिनों दो केंद्रीय मंत्रियों को दी बड़ी जिम्मेदारी सौपी है जो चार राज्यों के विधानसभा के चुनाव व आगामी लोकसभा 24 के आम चुनावों में जीत की रणनीति पर काम करेंगे। आप को बता दें कि भाजपा ने चार राज्यों में चुनाव प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए है। भूपेंद्र यादव, केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री को मध्यप्रदेश का चुनाव प्रभारी बनाया है। वहीं अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी है। सर्व विदित रहे कि इसी बर्ष के अंत में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने वाले है। आप को बता दे कि भूपेन्द्र यादव चुनावी रणनीति में माहिर माने जाते हैं। वहीं अश्विनी बैष्णव आईटी एक्सपर्ट हैं। वह भारतीय प्रशानिक सेवा से सेवा निवृत अ अधिकारी व पीएम मोदी के विश्वसनीय पात्र हैं। यही नहीं, वैष्णव पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी काम कर चुके हैं। राजनीति के विशेष नजर रखने वाले का मानना है कि इन दोनों नेताओं के प्रभारी बनने से यह साफ हो गया है कि बीजेपी की केन्द्रीय टीम मध्यप्रदेश के चुनाव पर सीधे नजर रखेगी। इसके पूर्व गुजरात के चुनाव प्रभारी रह चुके भूपेन्द्र यादव की मदद से राज्य के ओबीसी मतदाताओं को साधेगी।

मध्यप्रदेश में जाति के आधार पर ओबीसी वर्ग के 48फीसदी वोटर्स हैं। राज्य के विधान सभा में 230 में से 60 विधायकओबीसी वर्ग से आते हैं। वर्तमान विधान सभा में 32 सीटों पर भाजपा और 28 सीटों पर कांग्रेस के ओबीसी विधायक काबिज हैं। भूपेन्द्र यादव के चुनाव प्रभारी बनने से ओबीसी वर्ग के वोटर्स खासकर यादव मतदाताओं पर भी असर पड़ेगा। राज्य में करीब 18 से 20 सीटें ऐसी हैं, जहां यादव मतदाताओं निर्णायक भूमिका में हैं। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव गुजरात में भी विधानसभा चुनाव के प्रभारी रह चुके हैं। उन्होनें अपनी रणनीति व कुशल नेतृत्व में182 सीटों में से भाजपा को156सीटें जीतने में सफलता मिली थी।

वही राजस्थान के जोधपुर में 18 जुलाई 1970 को जन्मे अश्विनी वैष्णव पूर्व आईएएस अधिकारी हैं। वह वर्तमान में 2021 से 39वें रेल मंत्री, 55वें संचार मंत्री और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और राज्यसभा के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं। 2019 से ओडिशा का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इससे पहले, 1994 में वैष्णव ओडिशा कैडर में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए। उन्होंने ओडिशा में काम किया है। उन्होंने बालासोर और कटक जिलों के कलेक्टर के रूप में कार्य करने समेत ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में काम किया। सुपर साइक्लोन 1999 के समय वह चक्रवात के वास्तविक समय और स्थान से संबंधित डेटा एकत्र करने में कामयाब रहे। उस डेटा को एकत्र करके ओडिशा सरकार ने लोगों के लिए सुरक्षा उपाय किए। उन्होंने 2003 तक ओडिशा में काम किया, जब उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यालय में उपसचिव के रूप में नियुक्त किया गया था।

केन्द्र ने जिन दोनों नेताओं को मप्र के विधानसभा चुनाव की कमान सौंपी है। वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विश्वस्त रहे हैं। ऐसे में मप्र में होने वाले राजनीतिक फैसलों और गतिविधियों पर पीएम मोदी की सीधी नजर रहेगी। यादव जहां म प्र की परिस्थियों को लेकर जमीनी जानकारी जुटाएंगे, तो वैष्णव आईटी सेक्टर के अनुभव के आधार पर चुनावी रणनीति बनाएंगे। वहीं दुसरी ओर केन्द्रीय मंत्रिमंडल में फेरबदल की दबी जुबान से होने लगी है। भारतीय राजनीति पर पैनी निगाह रखने वाले का मानना है कि जल्द ही मोदी मंत्रो मण्डल में फेर बदल व विस्तार हो सकती है। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री आवास में 29 जून को नरेंद्र मोदी, अमित शाह और जेपी नड्डा के बीच चले 4 घंटे की मेराथन मीटिंग के बाद से ही कैबिनेट विस्तार की अटकलें लगाई जा रही है।

आप को याद होगा कि 2021 में आखिरी बार मोदी कैबिनेट में फेरबदल हुआ था। उस वक्त 43 मंत्रियों ने शपथ ली थी। जिसमें रविशंकर प्रसाद, हर्षवर्धन और प्रकाश जावेड़कर जैसे मंत्रियों को हटाया गया था। वहीं दुसरी ओर अनुराग ठाकुर, किरेन रिजीजू और पुरुषोत्तम रुपाला का प्रमोशन हुआ था। इन विस्तार के पीछे तर्क दिये जाते है कि जिन राज्यों में चुनाव होने होते हैं, वहां के नेताओं को विशेष तरजीह मिलती है, जबकि चुनाव संपन्न हुए राज्यों के मंत्रियों का पत्ता कटता है।

केंद्रीय मंत्री मंडल के इस संभावित फेरबदल में माना जा रहा है कि गुजरात कोटे के कुछ मंत्रियों को हटाया जा सकता है। वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, मनसुख मांडविया, परषोत्तम रूपाला, दर्शना जरदोस, देवू सिंह चौहाण और महेन्द्र मुंजपरा मंत्री हैं। सुत्रों का मानना है कि राज्य के कोटे से मंत्रियों की अगर छंटनी होती है, तो मनसुख मांडविया, परषोत्तम रूपाला और दर्शना जरदोश की कुर्सी पर अधिक खतरा है। गुजरात से मोदी कैबिनेट में सीआर पाटिल को शामिल किए जाने की चर्चा तेज है। हाल के गुजरात चुनाव में बीजेपी को मिली बंपर जीत में पाटिल ने अंहम भूमिका निभाई थी। संगठन में नए उत्तरादायित्व सौपे जाने के कारण कैबिनेट से पीयूष गोयल और धर्मेंद्र प्रधान की भी बिदाई हो सकती है। सता के सियासी गलियारों में दोनों को संगठन में भेजे जाने की चर्चा जोरों पर है। पीयूष गोयल को अगर कैबिनेट से हटाया जाता है, तो उन्हें राजस्थान बीजेपी का प्रभार मिल सकता है। गोयल पिछले15 दिन में 3 बार राजस्थान का दौरा कर चुके हैं। राजस्थान के प्रभारी अरुण सिंह के पास मुख्यालय का भी प्रभार है। वहीं कैबिनेट से अगर धर्मेंद्र प्रधान की छुट्टी होती है, तो उन्हें यूपी बीजेपी का प्रभारी बनाया जा सकता है। यूपी का प्रभार अभी राधामोहन सिंह के पास है।

राजनीति के पंडितो का मानना है कि मोदी कैबिनेट के फेरबदल में बिहार-यूपी के मंत्रियों का भी पत्ता कट सकता है। मंत्रिमंडल में बिहार और यूपी से 20 मंत्री हैं। बिहार से अश्विनी चौबे पशुपति पारस और आरके सिंह की कुर्सी खतरे में है। तीनों में से कम से कम 2 मंत्रियों को हटाया जा सकता है। पिछले कैबिनेट विस्तार में ही चौबे को हटाए जाने की चर्चा थी, लेकिन अंतिम वक्त में उनका सिर्फ विभाग बदला था। उर्जा मंत्री आरके सिंह की भी कुर्सी पर संकट है। फरवरी 2023 में सिंह का एक कथित वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें सिंह फाइल रोके जाने पर प्रधानमंत्री को इस्तीफा देने की बात कर रहे थे। वहीं बीजेपी के चिराग प्रेम से पारस की कुर्सी पर भी संकट है। 2021 में लोजपा तोड़ने के बाद पशुपति पारस को मंत्री बनाया गये थे। बिहार से चिराग पासवान की कैबिनेट में एंट्री हो सकती है। जबकि बीजेपी से संजय जायसवाल, अजय निषाद और राम कृपाल यादव में से एक को मंत्री बनाया जा सकता है।

ताकत दिखाकर दुनिया को झुकाने का षडयंत्र

डा. रवीन्द्र अरजरिया

देश-दुनिया में अशान्ति का वातावरण निरंतर विस्तार लेता जा रहा है। फ्रांस के हालात बेहद खराब हो चले हैं। वहां की सरकार भी कट्टरपंथियों की जामत के आगे घुटने टेकने का मन बना चुकी है। ऐसे में पोलैण्ड के प्रधानमंत्री माटुस्ज मोराविएकी ने फ्रांस पर व्यंग्य करते हुए कहा कि यूरोप में पोलैण्ड उन देशों में से एक है जहां एक भी मुस्लिम शरणार्थी नहीं है। पोलिश नेता डोमिनिक टार्जिस्की ने पहले ही घोषित कर दिया था कि पोलैण्ड ने जीरो मुस्लिम शरणार्थियों को देश में आने की जगह दी है। यही कारण है कि देश में शांति, खुशहाली और सौहार्य का वातावरण मौजूद है। हम सुरक्षित हैं। हमारे यहां कोई दंगा, आतंकी हमला या तनाव पैदा करने वाला कृत्य नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि यह सत्य है कि हमने 20 लाख यूक्रेनियों को शरण दी है जो शान्ति के यहां रह रहे हैं तथा काम कर रहे हैं। पोलिश नेता के वक्तव्य के कुछ समय बाद ही फ्रांस में पुलिस की गोली से 17 वर्षीय मुस्लिम युवक की मौत हुई और पूरा देश सुलग उठा। सुनियोजित ढंग से पूरे फ्रांस में ही दंगे नहीं भडके बल्कि दुनिया के अन्य देशों में रहने वाले मुसलमानों ने आक्रामक विरोध दर्ज करते हुए अपनी शक्ति का मनमाना प्रदर्शन किया। पूर्व नियोजित तैयारियों के साथ दुनिया भर में इस्लाम पर खतरा बताकर भडकाने वाले बयान, वीडियो और संदेश वायरल होने लगे। अल्लाह-हू-अकबर के नारे बुलन्द होने लगे। उन्माद फैलाने वाले दृश्यों को तेजी से प्रसारिक किया जाने लगा है। यूरोप के अधिकांश देश भी अब फ्रांस के हालातों के लिए मुस्लिम और अफ्रीकी शरणार्थियों को ही इसके लिए उत्तरदायी ठहराने लगे हैं। शान्ति का इमाम नाम से चर्चित इमाम तौहीदी ने विगत 09 सितम्बर 2022 को अपने वीडियो संदेश में खुलासा किया था कि इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) अधिकांश मुस्लिम देशों में अपनी गतिविधियां संचालित नहीं कर सका है। इस संगठन ने अमेरिका, यूके, कनाडा और आस्ट्रेलिया जैसे देशों को केन्द्र बनाकर अपनी गतिविधियों को मूर्त रूप दिया है। इमाम की इस स्वीकारोक्ति और खुलासे के बाद से दुनिया में हडकंप मच गया था परन्तु तब तक देर हो चुकी थी। विश्लेषण में सामने आया है कि धरातल पर आतंकवाद को दो तरह से फैलाया जा रहा है। पहला मुस्लिम देशों में तथा दू

संक्षिप्त खबरें

कौशांबी में बारिश में पेड़ की डाल गिरने से 10 वर्षीय बच्ची की मौत, भाई घायल

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले के सैनी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह करीब पांच बजे बारिश से पीपल के पेड़ की डाल गिरने से घर में सो रही 10 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई तथा उसका छोटा भाई घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। सिराथू के पुलिस क्षेत्राधिकारी अवधेश विश्वकर्मा ने बताया कि थाना क्षेत्र के खड़कपुर गांव निवासी सोनेलाल के घर के सामने एक पीपल का पेड़ है। सुबह बारिश के कारण पीपल के पेड़ की एक बड़ी सी डाल टूट कर सोनेलाल के घर के बाहर बने टीन शेड पर गिर गई, जिसके नीचे दबकर सोनेलाल की 10 वर्षीय बेटी की मौत हो गई वहीं छह वर्षीय बेटा घायल हो गया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, घायल बच्चे का नजदीक के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

राष्ट्रवाद के नाम पर लोगों को बांटना चाहती है भाजपा : बृजलाल

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि राष्ट्रवाद का कथित नारा देकर आमजन को भाजपा बांटना चाह रही है। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा नीति सरकार का जाना तय है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रविवार को कलेक्ट्रेट के पास स्थित काशीराम सामुदायिक भवन में संविधान बचाओ संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज संविधान के कुछ बिंदुओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। गरीब, मजदूर और किसानों की आवाजों को बंद करने के लिये तरह-तरह का हथकंडा अपनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बचाने के लिये कांग्रेस सभी प्रदेशों में बड़ा जन आंदोलन कर रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ता भाजपा की गलत नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में लगे हैं। पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कार्यकताओं का आह्वान किया कि आगामी लोकसभा चुनाव जीतने के लिये बूथ स्तर पर अभी से तैयारी शुरू कर दें।इस अवसर पर वाराणसी के पूर्व सांसद राजेश मिश्रा, पूर्व विधायक नदीम जावेद, देवव्रत मिश्रा, जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज, राजेश सिंह, राकेश मिश्रा उर्फ मंगला गुरू, विशाल सिंह हुकूम समेत तमाम पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

शाहजहांपुर में मंदिर के पास मांस के अवशेष से भरी बोरी मिलने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक मंदिर के पास कथित रूप से मांस के अवशेष से भरी बोरी मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज करके एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने रविवार को बताया कि कोतवाली क्षेत्र के कच्चा कटरा स्थित राधा रानी मंदिर के पास शुक्रवार रात कथित तौर पर मांस के अवशेष से भरी बोरी मिली थी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस ने तीन टीम का गठन किया था तथा सीसीटीवी कैमरे के फुटेज के आधार पर वसीम उर्फ बंबइया को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक ने आरोपी से हुई पूछताछ के हवाले से बताया कि आरोपी ने तीन बोरी एक दुकान से ली थीं और उन्हें कचरे में फेंकने जा रहा था लेकिन उसे पता नहीं चला कि एक बोरी कब गिर गई। उन्होंने बताया कि आरोपी के अनुसार जब वह आगे पहुंचा तो उसने देखा कि वहां केवल दो ही बोरी थीं, इसके बाद वह उसी रास्ते पर बोरी ढूंढते हुए वापस आया लेकिन तब तक वहां लोग इकट्ठा हो गए थे और इसलिए वह चुपचाप अपने घर चला गया। मीणा ने बताया कि आरोपी के कथन की पुष्टि के लिए पुलिस ने दुकानों पर जाकर पूरे मामले की पड़ताल की और पाया कि आरोपी सही बोल रहा है। उसे कचरा फेंकने के लिए प्रति बोरी 20रुपये के हिसाब से भुगतान किया जाता है। शुक्रवार को जिले में एक मंदिर के पास कथित रूप से मांस के अवशेष से भरी एक बोरी मिली थी,जिस पर स्थानीय लोगों ने कड़ा एतराज जताया था।

ब्रह्द नंदी बिहार गौशाला गुरैठा में आयोजित वृक्षारोपण महाअभियान में डीएम ने रौपे दस पौधे

केवल वृक्ष लगाना ही नहीं बल्कि उसकी देखरेख में भी नहीं हो कोई कमी:डीएम

प्रात : किरण ब्यूरो, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा/रहरा। जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में विकासखंड गंगेश्री के बृहद नंदी बिहार गौशाला गुरैठा में ब्रह्द स्तर पर वृक्षारोपण किया गया।यह वृक्षारोपण जिलाधिकारी के पूर्व में वन विभाग व खंड विकास अधिकारी गंगेश्वरी को दिए गए।वृक्षारोपण के अवसर पर जिला अधिकारी राजेश कुमार त्यागी अपर जिलाधिकारी न्यायिक,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा, खंड विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों व बड़ी संख्या में उपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों ग्राम प्रधान द्वारा लगभग 1000 पौधे रोपे गए।जिसमे 100 पेड़ पीपल बरगद पाखड़ जामुन के लगाए गए।इसी प्रकार नंदी विहार गौशाला के किनारे खाई में बांस करौंदा नींबू की भी रोपाई की गई।जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी द्वारा बरगद पाखड़ पीपल जामुन सहित विभिन्न किस्मों के 10 छायादार वृक्ष लगाए गए।जिलाधिकारी ने कहा कि इस ब्रह्द नंदी विहार गौशाला में बड़ी संख्या में पशुओं के रखने की व्यवस्था की जा रही है।पशुओं को छाय की व्यवस्था किया जाना प्राथमिकता है।अधिक से अधिक पूरे नंदी बिहार में वृक्षारोपण किया जाना चाहिए ताकि पशुओं को चरने के साथ-साथ आराम करने के लिए छायादार वृक्ष पर्याप्त हों।

जिलाधिकारी ने कहा कि और वृक्ष लगाना है नहीं है उसकी सुरक्षा भी करना है कहा कि खंड विकास अधिकारी उसके सुरक्षा के बेहतर इंतजाम करें समय-समय पर इनको पानी की व्यवस्था होनी चाहिए पानी के अभाव में पौधा सूखना नहीं चाहिए प्रत्येक पौधे का ट्री गॉर्ड बनाया जाए जब तक वृक्ष बडा न हो जाए तब तक वह सुरक्षित रह सके इसके लिए बेहतर निगरानी की जरूरत है । कहा कि इस वर्ष लगने वाले कोई भी बृक्ष पानी के अभाव में सूखना नहीं चाहिए व पशुओं द्वारा चरना नहीं चाहिए जितने वृक्ष लगाए जा रहे हैं वह पूरी तरह से सुरक्षित रहना चाहिए ।उन्होंने कहा कि नंदी बिहार गौशाला आयुक्त महोदय की प्राथमिकताओं में है इसको डिवेलप किया जाए इससे अवश्य ही क्षेत्र के जो छुट्टा पशु जो घूम रहे हैं अधिक से अधिक उनको संरक्षित किया जाएगा जिससे पशुपालकों को इनसे निजात मिल सकेगी।जिलाधिकारी ने कहा कि नंदी बिहार गौशाला में पशुओं के चरने की भी व्यवस्था की जानी चाहिए अधिक से अधिक हरे के चारे की की बुवाई कराई जाए।इस मौके पर गंगेश्वरी खंड विकास अधिकारी रोहताश कुमार, एपीओ सौरभ कुमार, सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

भदोही: 20 सपाइयों ने छोड़ी पार्टी की आजीवन सदस्यता और सभी पद

भदोही, एजेंसी

बीहड़ों के जंगल से दस्यू सुंदरी फूलन देवी को निकालकर संसद भेजने वाले उत्तर प्रदेश के भदोही जिले में रविवार को एक बड़ी राजनीतिक उठापटक के तहत समाजवादी पार्टी युवजन सभा के पूर्व जिला सचिव, समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष, जिला सचिव अमजद अहमद सहित 20 लोगों ने समाजवादी पार्टी के आजीवन सदस्यता और सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। कभी समाजवादी पार्टी का गढ़ माने जाने वाले भदोही जिले में अब पार्टी की जड़ें हिलती हुई साफ नजर आने लगी हैं, 2024 लोकसभा चुनाव से पहले भदोही जिले में सपाईयों का पार्टी छोड़ने का सिलसिला लगातार जारी है। बीते निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी को भदोही जिले में करारी हार का मुंह देखना पड़ा। निकाय चुनाव में भी कईयों ने सपा को अलविदा कह दिया था। भदोही शहर के हरिरामपुर समाजवादी पार्टी के कैम्प कार्यालय पर आज प्रेसवार्ता करते हुए अमजद अहमद ने योगी मॉडल की तारीफ कर अपने 20 सपा कार्यकताओं व पदाधिकारियों के साथ पार्टी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सिर्फ मुसलमानों को तेजपत्ते की तरह इस्तेमाल कर फेंक देती है। समाजवादी पार्टी मुसलमानों के दिलों में नफरत व भाजपा के प्रति भय पैदा कर सियासत कर रही है जबकि आज तक मुसलमानों का भला समाजवादी पार्टी में कभी नहीं हुआ। योगी सरकार ने भदोही जिले में दो हजार गरीब ऐसे मुस्लिम परिवारों को आवासीय योजना से लाभान्वित किया, जिनके परिवार की महिलाएं बारिश में तिरपाल, छाते के नीचे खाना बनाती थी और पर्दानशीं मुस्लिम महिलाएं खेत खलिहान खुले मैदान में खुले में शौच जाती थी लेकिन अब हर मुस्लिम परिवार के घर स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय बन गये। यह सपा की नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की देन है। भदोही जनपद समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है। वर्ष 1996 में भदोही मिजार्पुर संसदीय क्षेत्र से भदोही की जनता ने चम्बल की बीहड़ से निकलकर आयी फूलन देवी को समाजवादी पार्टी के टिकट पर जिताकर संसद भेजा था लेकिन अब नेताजी मुलायम सिंह यादव वाली सपा नहीं रह गई। अब समाजवादी पार्टी में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न हो रहा है। इस तरह के तमाम आरोप लगाते हुए सपाईयों ने पार्टी से इस्तीफा दिया है।

सोशल मीडिया तकनीक एवं सोशल मीडिया मार्केटिंग के लिए युवाओं को प्रेरित करना मेरा उद्देश्य: उमर त्यागी

स्योहारा के पहले फेसबुक वेरिफाइड हुए उमर त्यागी,मिला बिलु टिक

- कर दिखाओ कुछ ऐसा कि दुनिया करना चाहे आप जैसा

प्रात : किरण संवाददाता,नादिर त्यागी

अमरोहा/स्योहारा।अगर किसी युवक के अंदर कुछ कर गुजरने की लगन जुनून की हद तक सवार हो तो वह अपने अंदर के इंसान को सकारात्मक रूप से पूरी तरह ऐसे बदल देता है जिससे युवा वर्ग प्रेरणा ले।ऐसा ही कुछ कर दिखाया है ह्लसोशल मीडिया मार्केटिंग और तकनीकी क्षेत्रह्वमें उमर अब्दुल्ला ने जिन्हें उमर त्यागी के नाम से भी जाना जाता है।सामान्य रूप से जिंदगी में आने वाले उतार-चढ़ाव में हमें अक्सर हिम्मत बढ़ाने और प्रोत्साहन करने वालों की जरूरत पड़ती है और बात जब आती है मोटिवेशन की तो देश-दुनिया में ऐसे लाखों लोग हैं जिनके कानों में एक जानी-पहचानी पंक्ति गूंज उठती है ह्यकर दिखाओ कुछ ऐसा कि दुनिया करना चाहे आप के जैसा।ह्व जी हाँ यहाँ बिलकुल बात हो रही है भारतीय उद्यमी, वेब डेवलपर और सोशल मीडिया विशेषज्ञ उमर त्यागी की।उमर त्यागी की इंस्टाग्राम फैमिली 40' यानि 40 हजार की हो गई है। उमर त्यागी स्योहारा नगर की 73 हजार की पॉपुलेशन में फेसबुक से पहले सोशल मीडिया वेरीफाइड बने। उमर त्यागी स्योहारा के वरिष्ठ समाजसेवी हाजी शमशाद अहमद के पुत्र है वर्ष 2021 में ट्विटर वेरिफाइड हुआ और वर्ष 2022 में 36 हजार फॉलोअर्स पर इंस्टाग्राम अकाउंट वेरीफाइड हुआ इसके अतिरिक्त वर्ष 2023 में 6 हजार फॉलोअर्स पर फेसबुक अकाउंट वेरीफाइड हो चुका है।उमर त्यागी हाइपरलिंक इंफोसिस्टम,वर्डप्रेस, विकी,आईबीएम, साइबर सुरक्षा सेल जैसी कई कंपनियों के लिए काम करते हैं । उमर त्यागीह्वत्यागी मीडियाह्व नामक संस्था के सी.ई.ओ. और संस्थापक हैं।जो भारत की एक डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी है। डिजिटल मार्केटिंग वेब पर व्यवसायों को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय माध्यम बन गया है।यह विभिन्न व्यवसायों के उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने का एक प्रतिस्पर्धी और उचित दरो वाला आसान तरीका है।इस प्रकार कोई भी अपने व्यवसायों को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने के लिए विभिन्न आकारों और प्रकारों के व्यवसायों की एक विस्तृत श्रृंखला देख सकता है।उमर त्यागी ने इस क्षेत्र में एक लंबा सफर तय करके इस क्षेत्र में अपनी योग्यता साबित की है। वह अपनी कार्यकुशलता और तीव्र व्यावसायिक समझ के लिए जाने जाते हैं। इसके अलावा उन्हें अपने काम में रचनात्मक अनुभव भी हैं और वह ये सुनिश्चित करते हैं कि उनके ग्राहक वेब पर अपने उत्पादों और सेवाओं के प्रचार और विपणन के लिए लीक से हटकर समाधान प्राप्त करें। इस तरह वह न केवल भारत से बल्कि पूरी दुनिया से इतने सारे ग्राहक बनाने में कामयाब रहे हैं। वह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के छात्र रहते हुए शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं और साथ ही एक कुशल डिजिटल मार्केट इनफ्लुएंसर है उमर त्यागी कम आयु से ही इस क्षेत्र की तलाश कर रहे थे और सकारात्मक रूप से इस क्षेत्र को रोजगार परक बनाने के लिए ह्लत्यागी मीडियाह्व नामक फर्म शुरू की।यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि युवा वर्ग भी डिजिटल मीडिया मार्केटिंग एवं डिजिटल तकनीक के माध्यम से अपने लिए सकारात्मक रूप से रोजगार की दिशा में ठोस कदम उठा सकता है।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए कर्मचारी निकालेंगे रथयात्रा

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद/अमरोहा। 2024 के चुनावों की आहट के साथ ही कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा भी गरमाने लगा है। पुरानी पेंशन बहाली मंच की एक बड़ा सभा मुरादाबाद में हुई है।जिसमें बरेली और मुरादाबाद मंडल के कर्मचारी नेताओं और विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।इसमें ऐलान किया गया है कि पुरानी पेंशन योजना को बहाल कराने के लिए कर्मचारी रथ यात्रा निकालेंगे।इसके बाद कर्मचारियों का दिल्ली कूच का भी प्रोग्राम है।कार्यक्रम में पहुंचे कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि, सरकारें कर्मचारियों के पैसे से जुआ खेल रही हैं। कर्मचारियों का जो पैसा पेंशन एकाउंट में काटा जा रहा है उसे सही जगह न लगाकर शेयर मार्केट में लगाया जा रहा है। इसे कर्मचारी हरगिज बर्दाश्त नहीं करेंगे।तिवारी ने कहा कि, ये आईएएस लॉबी और सरकार की हठधर्मिता है जिसे वो मानने को तैयार नहीं है।कर्मचारी पूरा जीवन सरकार की सेवा करने के बाद रिटायर होता है तो उसे कुछ नहीं मिलता। उसके सामने बाकी का जीवन गुजारने के लिए आर्थिक संकट होता है। उन्होंने कहा कि सरकार कितनी भी हठधर्मिता कर ले 2024 से पहले कर्मचारी अपनी इस मांग को मनवा कर रहेंगे।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने कहा कि आज हुए कार्यक्रम में मुरादाबाद और बरेली मंडल के राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद एवं उनके धारक संगठनों के मंडल अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष और मंत्रियों ने हिस्सा लिया है। 16 जुलाई से रथ यात्रा होगी और 10 अगस्त को दिल्ली में रामलीला मैदान में एक बड़ा धरना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम का उद्देश्य दिल्ली में धरने को लेकर चल रही तैयारियों की समीक्षा करना था।समीक्षा बैठक में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी, नरमू के मंडल मंत्री एमपी चौबे, नरेश कुमार, योगेश त्यागी, नरेश कौशिक, सुशील कुमार पांडेय, संजय कुमार सत्संगी, जेपी मौर्य, चंद्रकेश यादव, जगदीश पटेल, हरेंद्र सिंह, सुनील कुमार शर्मा आदि मौजूद रहे।

140 बसें दिल्ली ले जाने का लक्ष्य

मुरादाबाद।दिल्ली में 10 अगस्त को प्रस्तावित धरने में मुरादाबाद और बरेली मंडल से 140 बसें ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।पीडब्ल्यूडी संघर्ष सदन में हुई इस समीक्षा सभा में यूपी एजुकेशनल मिनिस्ट्रीयल ऑफिसर्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश आईटीआई संघ, उत्तर प्रदेश लोक निर्माण विभाग एसोसिएशन, जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ, प्राथमिक शिक्षक संघ, अमीन संघ, चकबंदी लेखपाल संघ, मुरादाबाद विकास प्राधिकरण कर्मचारी संयुक्त संगठन, मातृ शिशु कल्याण संगठन, सिंचाई विभाग, नलकूप विभाग,कलेक्ट्रेट संघ आदि के पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया।

देशवासियों ने नरेंद्र मोदी को 2024 में प्रधानमंत्री बनाने का लिया संकल्प : रामशंकर

इटावा, एजेंसी

पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और इटावा से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रो. रामशंकर कठेरिया ने कहा है कि 2024 के संसदीय चुनाव में एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को देश का प्रधानमंत्री बनाना है, इस बात का संकल्प देशवासियों ने लिया है। प्रो. कठेरिया रविवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र इटावा के बसरेहर विकासखंड परिसर में जनसुनवाई के के बाद पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से बनाई जा रही जनहित की लाभकारी योजनाएं इस बात का संकेत कर रही है कि हर कोई इस बात का संकल्प ले रहा है कि एक बार फिर से 2024 के संसदीय चुनाव में देश में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के रूप में काबिज करना है। भाजपा सांसद प्रो कठेरिया ने बसरेहर विकास खंड के जन चौपाल कार्यक्रम में करीब दो सौ फरियादी अपनी फरियाद लेकर पहुंचे थे। कई मामलों में सांसद ने मुकदमा दर्ज करने और कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। एक मामले की सुनवाई करते हुए सांसद ने बसरेहर थाना प्रभारी की जमकर फटकार लगाई है। उसके बाद सांसद और भाजपा कार्यकताओं ने टिफिन भोज किया। रविवार को बसरेहर ब्लॉक में बीजेपी सांसद प्रो. रामशंकर कठेरिया ने सरकार की ओर से चलाए जा रहे जन चौपाल कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई की। सुनवाई कार्यक्रम में करीब 200 से अधिक पीड़ित और भाजपा के कार्यकर्ता अपनी समस्या को लेकर सांसद के समक्ष पहुंचे थे और अपनी समस्याएं बताई। सांसद ने सभी मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही के निर्देश दिए। बसरेहर थाना क्षेत्र के ग्राम बहादुरपुर के रहने वाले दंपती रोते हुए सांसद के समक्ष अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। उन्होने थाना बसरेहर पुलिस ने उसकी बेटी लापता होने का मुकदमा अब तक दर्ज नहीं किया जबकि करीब 8 दिन उसको लापता हुए ही हैं। इस मामले पर सांसद रामशंकर कठेरिया ने थाना बसरेहर प्रभारी बेचन सिंह की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है और तत्काल मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। भाजपा सांसद प्रो. रामशंकर कठेरिया ने बताया कि बसरेहर ब्लॉक के अधिकारियों के साथ जनसुनवाई का कार्यक्रम था। जिसमें बड़ी तादाद में जनता और हमारे कार्यकर्ता पहुंचे हैं। इस मौके पर सभी प्रमुख विभाग के अधिकारी मौजूद रहे हैं। सबसे अधिक समस्याएं विद्युत व्यवस्था को लेकर थी। जिस पर अधिकारियों से समस्या का निदान करने के लिए दिशा निर्देश दिए गए हैं। कुछ समस्याएं तहसील और थानों की हैं जिस में तहसील और थानों में फरियादियों को बुलाकर उनका निस्तारण समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होने कहा, ह्लआज यहां आए सभी पीड़ितों की 7 दिवस के अंदर समस्या का समाधान किया जाए और उस सभी की विस्तृत रिपोर्ट मुझे दी जाए कि किन मामलों में कार्रवाई हुई या क्या कारण है कि कार्रवाई नहीं हुई। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रधानमंत्री की मंशा है हमारे सभी कार्यकर्ता पहले विधानसभा स्तर और मंडल स्तर पर एक साथ बैठकर टिफिन भोज करें। जिसके चलते आज हम लोगों ने टिफिन भोज किया। हम सब मिलकर 2024 में प्रधानमंत्री को पुनः देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे इसका संकल्प लिया है। इस मौके पर एसपी ग्रामीण सत्यपाल सिंह, एसडीएम सदर विक्रम सिंह राघव,ब्लॉक प्रमुख बबलू यादव, सदर तहसीलदार, एसडीओ, थाना प्रभारी, बीजेपी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश,13 बाइक और फर्जी नंबर प्लेट बरामद

नकली फ्रेम बनाकर बेच देते थे गाड़ियां, 3 आरोपी गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सैदनगली। पुलिस ने अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है।पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है।साथ ही उनकी निशानदेही पर एक स्कूटी और 12 बाइकें बरामद की हैं।गिरोह के लोग दिल्ली, गाजियाबाद समेत आसपास के इलाकों से बाइक चोरी करते थे और उनकी नंबर प्लेट,फर्जी आरसी बनाकर सस्ते दामों पर बेच देते थे।हालांकि गिरोह के अन्य सदस्य अभी फरार है। जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम प्रयासरत है। फिलहाल पकड़े गए चोरों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए जेल भेज दिया है।पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने बताया कि रविवार सुबह सैदनगली थाना पुलिस हसनपुर - संभल मार्ग पर कब्रिस्तान तिराहा पर चैकिंग कर रही थी। तभी एक बाईक पर सवार तीन युवक पुलिस को देख भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर भाग रहे सुफियान पुत्र मेहबूब हुसैन निवासी मौहल्ला लाल बाग रेठा चौक हसनपुर, अबुल हसन पुत्र इलियास निवासी गांव अल्लीपुर भूड़, ढक्का मोड़ थाना सैदनगली और अतीक पुत्र नसीर अहमद निवासी मौहल्ला पाकबाड़ा थाना सैदनगली जिला अमरोहा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में पता चला कि तीनों युवक अंतरराज्यीय वाहन चोर गिरोह के सदस्य हैं।पूछताछ में बताया कि गिरोह के सभी सदस्य दिल्ली,गाजियाबाद समेत आसपास के इलाकों में बाइक चोरी करते है। साथ ही उनकी नंबर प्लेट बदलकर, फर्जी आरसी बनवाकर सस्ते दामों पर ग्राहकों को बेच देते हैं।इसके साथ ही पुलिस टीम ने इनकी निशानदेही पर एक स्कूटी, 12 बाइकें, 5 फर्जी आरसी, छह फर्जी नंबर प्लेट बरामद की है। पकड़े गए गिरोह के सदस्यों पर दिल्ली के अलग अलग थानों में पांच संगीन मामले दर्ज हैं। फिलहाल पकड़े गए गिरोह के सदस्यों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

अयोध्या में दिसम्बर तक श्री राम जन्मभूमि मन्दिर के भू तल का पुर्ण हो जाएगा निर्माण

जनवरी 2024 में होगी गर्भ गृह में प्राण प्रतिष्ठा

अयोध्या एजेंसी

श्री राम जन्मभूमि पर बन रहे दिव्य भव्य मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। दिसम्बर तक मंदिर के भूतल का काम पूर्ण हो जाएगा। अभी भूतल पर बने गर्भ गृह का सौन्दर्यीकरण और खम्भों में देवी, देवताओं की मूर्तियों को उकेरने का कार्य कारीगर कर रहे हैं। साथ ही प्रथम तल पर भी कार्य आरम्भ हो गया है। मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने के बाद मंदिर राम भक्तों के लिए खोल दिया जाएगा। एक दिन में तीन लाख राम भक्त राम लला के दर्शन कर सकेंगे। उन्हें सीधे जन्म भूमि पथ से ही अंदर प्रवेश कराया जायेगा। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के देख रेख में एल एन्ड टी कंपनी निर्माण का कार्य तेजी से कर रही है। भूतल की फर्श पर संगमरमर लगना शुरू हो जाएगा। इसके लिए मकराना के संगमरमर की आपूर्ति तेजी से हो रही है। ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने बताया कि प्रथम तल पर निर्माण शुरू हो गया है। प्रथम तल पर मंडपों की निर्धारित परिधि में ढाई फीट ऊंची पत्थर की दीवार बनाई जा चुकी है। रविवार को ट्रस्ट ने मन्दिर निर्माण कार्य को देश, प्रदेश और जिला से आये पत्रकारों, कैमरा मैन को लाइव प्रसारण के लिये खोल दिया। सैकड़ों की संख्या में सभी ने समाचार संकलन, तस्वीरें लेकर सीधा प्रसारण किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय, निर्माण प्रभारी गोपाल जी, निर्माण कार्य में लगी कम्पनी के मैनेजर, इंजीनियर उपस्थित रहे।

सोनभद्र में दलित युवक को पीटने व चप्पल चटवाने के आरोप में विद्युत कर्मी गिरफ्तार:पुलिस

सोनभद्र, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में विद्युत विभाग के एक संविदा कर्मी को दलित युवक के साथ मारपीट करने तथा उससे अपनी चप्पल चटवाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। घटना का वीडियो सार्वजनिक होने के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया। युवक राजेंद्र ने आठ जुलाई को पुलिस में इस मामले में शिकायत दर्ज कराई और उसने बताया कि वह अनुसूचित जाति (एससी) से नाता रखता है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, ह्यह्यगत छह जुलाई को वह अपने मामा के यहां गया हुआ था, जिनके यहां बिजली नहीं आ रही थी। वह समस्या का पता लगाने की कोशिश कर रहा था, तभी शाहगंज पावर हाउस पर तैनात संविदा कर्मचारी तेजबली सिंह पटेल ने उसे अपशब्द कहने शुरू कर दिए। कर्मी ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया और युवक से अपने पैर की चप्पल भी चटवाई। आसपास के लोगों ने बाद में बीच बचाव किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) अमित कुमार ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की धारा 323 (जानबूझकर स्वेच्छाओ से चोट पहुंचाना), 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान करना) तथा 506 (आपराधिक धमकी) और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निरोधक) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने शनिवार रात ट्वीट किया, ह्यह्यउत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) ने घटना का संज्ञान लिया और डीआइजी (पुलिस उपमहानिरीक्षक) स्तर के अधिकारी को अपराध स्थल का दौरा करने का निर्देश दिया है। एससी/एसटी अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई और आरोपी को तुरंत गिरफ्तार कर लिया गया। डीजीपी ने आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।ह्लह्व इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक हो गया था। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं राज्यडसभा के सदस्य संजय सिंह ने भी यह वीडियो ट्विटर पर साझा किया और लिखा, ह्यह्ययह उत्तर प्रदेश का सोनभद्र है। एक दलित युवक को एक हैवान चप्पल चटवा रहा है। तुम्हारे राज में तो दलितों को इंसान ही नहीं माना जाता तुम समान नागरिक कानून की बात कैसे करते हो भाजपाइयों।

अखिलेश ने जालौन के पूर्व जिलाध्यक्ष इंद्रजीत सिंह यादव के निधन पर जताया दुःख

लखनऊ, एजेंसी

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी जालौन के पूर्व जिलाध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह यादव के निधन पर आज गहरा दुःख व्यक्त किया। अपने शोक संदेश में अखिलेश ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। श्री यादव ने कहा कि श्री इन्द्रजीत सिंह यादव हमेशा पार्टी के प्रति समर्पित रहे। उनके निधन से पार्टी और परिवार की अपूरणीय क्षति हुई है। गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से एक इंद्रजीत सिंह यादव का शनिवार देर रात जालौन स्थित उनके पैतृक निवास पर ही निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमारी से ग्रसित थे। आम जन के बीच बेहद लोकप्रिय रहे इंद्रजीत सिंह लोगों के बीच ह्लभाईसाहबह्व के नाम से मशहूर थे। वह समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रहे मुलायम सिंह यादव के बहुत नजदीकी माने जाते थे। उन्होंने उरई को मेडिकल कालेज व जोल्हूपुर कदौरा की सड़क का तोहफा दिया।

संक्षिप्त खबरें

सीओ, विडिओ ने गंगा घाट पहुंच लिया मेला क्षेत्र का जायजा

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज अजगैविनाथ गंगा घाट पर श्रावणी मेला का जायजा लेने के लिए सीओ अमित राज, विडिओ मनोज कुमार मुर्मू अपनी टीम के साथ गंगा घाट पर पहुंचे। इस दौरान विडिओ मनोज कुमार ने मिडिया प्रतिनिधि से बातचीत क्रम में बताया कि गंगा घाट का निरक्षण कर जायजा लेने पहुंचे है। गंगा घाट में जल स्तर बढने पर गंगा घाट में फिसलन बढी घाट होने पर उसे दुरुस्त व ठीक कराया जाएगा, साथ ही अजगैविनाथ गंगा घाट स्थल पर बिजली के पोल पर लाईट नहीं होने की जानकारी प्राप्त हुई है, जहां लाईट लगाये जाने की बात कही। इस दौरान कई कांवरिया एंव पुरोहित मौके पर मौजूद थे।

सोमवार के दिन छात्र संवाद कार्यक्रम का होगा आयोजन

मुंगेर। छात्र राजद के प्रदेश महासचिव यीशु यादव ने एक बयान जारी कर कहा है कि सोमवार के दिन छात्र राजद के प्रदेश अध्यक्ष गगन यादव का मुंगेर जिला में आगमन हो रहा है। उनके स्वागत की सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा है कि प्रदेश अध्यक्ष श्री यादव 1:00 दिन मुंगेर के गांधी चौक स्थित साईं सेलिब्रेशन एचडीएफसी बैंक परिसर में छात्र राजद के साथ संवाद करेंगे।

भारतीय ग्रामीण चिकित्सा संघ सम्मेलन का हुआ किया गया बहिष्कार

मुंगेर। ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वय समिति बिहार उपाध्यक्ष डॉक्टर राम दुलारी देवी ने एक बयान जारी कर कहा है कि भारतीय ग्रामीण चिकित्सक संघ मुंगेर इकाई के द्वारा आयोजित वार्षिक जिला सम्मेलन जो हुआ है उसमें हमारे एक ग्रामीण चिकित्सा सेवा समन्वय समिति के डॉक्टर बंधुओं ने जो इसका बहिष्कार किया है। इसके लिए जिला अध्यक्ष डॉक्टर मोहम्मद इकबाल कोषाध्यक्ष डॉ सूर्य नारायण यादव एवं जिला सचिव डॉक्टर योगेंद्र प्रसाद यादव सहित सभी 09 प्रखंड के अध्यक्ष कोषाध्यक्ष सचिव एवं डॉक्टर बंधुओं का बहुत-बहुत धन्यवाद देती हूं। इधर जिला उपाध्यक्ष डाक्टर रामाकांत और डाक्टर सुबोध भारती ने संयुक्त रूप से कहा की सभी 09 प्रखंडों के पदाधिकारी एवं डॉक्टर बंधुओं ने अपनी चट्टानी एकता की जो परिचय दिया है इसके लिए सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद तथा जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर राम दुलारी देवी ने आगे कहा की जिस तरह से आप लोगों ने आज अपनी चट्टानी एकता का परिचय दिए हैं उसी तरह हमेशा देते रहेंगे।

ऑल बिहार ट्रेड लाइब्रेरियन वेलफेयर फाउंडेशन ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

मुंगेर। ऑल बिहार ट्रेड लाइब्रेरियन वेलफेयर फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष मनीष यादव ने मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति को स्मार पत्र सौंप कर विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी से संबंधित समस्या निदान का मांग किया है। मनीष यादव ने अपने ज्ञापन में विभिन्न बिंदुओं पर कुलपति का ध्यान आकृष्ट किया है जिसमें लाइब्रेरी स्टाफ की कमी मौजूद स्टाफ ज्यादातर अप्रशिक्षित हैं, । लाइब्रेरी हेतु आवश्यक परिसर का अभाव ,पाठ्यक्रम से संबंध पुस्तकों का नियमित क्रय का अभाव,लाइब्रेरी हेतु पुस्तक खरीद के लिए स्वतंत्र बजट ना होना,स्वतंत्र अध्ययन कक्ष का अभाव, मूलभूत सुविधाएं का अभाव जैसे पेयजल वॉशरूम , इ -लाइब्रेरी से संबंधित सुविधा का अभाव,लाइब्रेरी का टाइम स्टार्ट कम से कम 8 घंटे होना चाहिए, पत्रिकाएं जनरल अखबार आदि का नियमित व्यवस्था,लाइब्रेरी में अबाधित बिजली की सुविधाएं, मुंगेर विश्वविद्यालय के अंतर्गत सभी कॉलेज में लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाना, आदि शामिल हैं। मौके पर लाइब्रेरी एसोसिएशन के सदस्य सह पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष सुमित कुमार यादव,देव सागर, अमित रंजन आदि मौजूद थे।

मुंगेर विश्वविद्यालय का निर्णय छात्र छात्राओं के हितों में नहीं : विनय

मुंगेर। लोकमंच सामाजिक - सांस्कृतिक संस्थापक के महासचिव विनय कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर मुंगेर विश्वविद्यालय के निर्णय को अव्यवहारिक और छात्र छात्राओं के हितों के प्रतिकूल बताते हुए कहा कि यह निर्णय छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खेलवाड़ करने जैसा है। उन्होंने कहा कि मुंगेर विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे छात्र छात्राओं का पार्ट - थर्ड (सत्र - 2020 - 23) में नामांकन दाखिल करने की तिथि - 10 - 14 जुलाई 2023 रखा गया है और परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 15- 18 जुलाई 2023 रखा गया है जो कि पूरी तरह से अव्यवहारिक है। क्योंकि ऐसे में छात्र छात्राएं परीक्षा में क्या लिखेंगे यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। मुंगेर विश्वविद्यालय के द्वारा। सत्र नियमित करने के नाम पर छात्र छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के द्वारा बिना एक भी दिन कक्षा कराये ही परीक्षा देने के लिए छात्र छात्राओं को बाध्य करना कहां तक उचित है ? सनद रहे कि अभी तक विश्वविद्यालय द्वारा पाठ्यक्रम भी तैयार नहीं किया जा सका है।

नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए बीजेपी संकल्पित : जिलाध्यक्ष

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव का समय जैसे जैसे नजदीक आता जा रहा हैं, वैसे ही राजनीतिक सरगर्मी तेज होती चली जा रही है। सभी राजनीतिक दल के नेता अपने अपने तरीके से हर दिन नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी भी पीछे नहीं रही है, उन्होंने नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूरे सावन भागलपुर अंतर्गत लगभग सभी शिवालयों में जलाभिषेक करने की संकल्प के साथ शुरूआत कर दी है। वही जलाभिषेक की तैयारी के साथ आगामी 10 जुलाई को प्रारंभ किये जाने की जानकारी प्रेसवार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष संतोष कुमार साह ने दी है। उन्होंने बताया कि हजारों की संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता गेरुआ वस्त्र धारण कर बरारी पुल घाट से जल भरेंगे और भागलपुर जीरोमाइल के जीछो स्थित शिवालय में जलाभिषेक करेंगे। मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी भागलपुर शाखा के जिला अध्यक्ष संतोष ने बताया कि कार्यक्रम आगामी 10 जुलाई से प्रारंभ की जाएगी और पूरे सावन यह जलाभिषेक कार्यक्रम जारी रहेगा, उन्होंने कहा भागलपुर का एक बड़ा मुद्दा भोलानाथ पुल का है जो हर चुनाव में अपना एक अहम योगदान वोट लेने के लिए बनाता है, उक्त भोलानाथ पुल पर ओवरब्रिज का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, लेकिन इसमें उत्तर और दक्षिण के लोगों के लिए आने जाने की तो सुविधा है इसमें कहीं भी एप्रोच पथ नहीं दिया गया है, जिसको लेकर बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने बिहार सरकार से यह मांग की है कि इस पुल में एप्रोच पथ भी दी जाय, जिससे कि दक्षिणी क्षेत्र के लोग इसका पूर्णतः लाभ ले सके, साथ ही उन्होंने कहा कि बंगाल में पंचायत चुनाव हो रहा है, जिसके दौरान 13 लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई है, यह कहीं से सही नहीं है। इसका जिम्मेदार वहां की ममता सरकार है, उस पर उसे सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, जिसने ऐसा जघन्य अपराध किया, साथ ही भागलपुर स्टेशन में जीएम डीआरएम और सांसद पहुंचे थे । भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन लोगों से दक्षिणी भाग में टिकट काउंटर को बढ़ाने व प्रवेश द्वार को बड़ा करने और न्यू भागलपुर टर्मिनल बनाने की मांग रखी है। इस प्रेस वार्ता के दौरान भारतीय जनता पार्टी भागलपुर शाखा के मनजीत कुशवाहा, राजीव मिश्रा, राज किशोर गुप्ता, श्रवण कुमार, प्राणिक बाजपेई व लक्ष्मण कुमार के अलावे कई कार्यकर्ता के अलावा संगठन के बरिय पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन नशेड़ी युवक ब्लड खरीद बिक्री करते धराया, अस्पताल कर्मियों ने किया पुलिस के हवाले

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। इन दिनों पूर्वी बिहार के सबसे बड़े अस्पताल जेएलएनएमसीएच अस्पताल के ब्लड बैंक में लोगों के जीवन रक्षा के लिये विचौलियों और दलालों का खून खरीद बिक्री का कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है, जिसे रोकने में अस्पताल प्रशासन व स्थानीय थाना नाकाम साबित हो रहा है, ऐसा कहा जा रहा है एक बार खून देने में खून के दलालों को 25 सौ से 3 हजार रूपए की कमाई होती है, जिसको लेकर दलाल जरूरत मंद मरीजों के परिजनों से मोटी रकम बसूल करते हैं, वही मोटी रकम की लालच में आकर नशेड़ी व गलत कारोबार में फंसे युवक को उक्त दलाल की निगरानी में ब्लड डोनेट करवाने के साथ जरूरत मंद को मुहैया कराया जाता रहा है, वही इस कारोबार में नशेड़ी युवक अपना ब्लड को नशे के पैसे जुटाने के लिए उक्त दलाल के चंगुल में आ जाते हैं और हर 2 महीने पर अपना खून बेचने पहुंच जाते हैं। वही कुछ युवक पुनः ब्लड को डोनेट करने के लिए दलाल के सहयोग से ब्लड बैंक पहुंचा था। जिसे ब्लड बैंक में कार्यरत स्टाफ नर्स सोनी के द्वारा पहचान लिया गया और वहीं मौजूद सुरक्षा गार्ड कर्मियों के सहयोग से पकड़ लिया गया है।

वही ब्लड बैंक पहुंचे तीनों युवक ब्लड खरीद बिक्री करने वाले कई दलाल के नुमाइंदे के रूप में पहचान की, वही पूछताछ के क्रम में गिरफ्त में आये तीनो युवक नाथनगर थाना क्षेत्र के बड़ी मस्जिद के मो. रिजलूल रहमान के पुत्र मो. हारुन अंसारी, मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के नूरपुर के संजय कुमार साह के पुत्र रोहित कुमार और इसाकचक थाना क्षेत्र के इस्लामनगर के मो. आसिफ के पुत्र मो. अमन के रूप में बताया गया है। वही गिरफ्त में आये तीनो युवकों ने ब्लड बेचने का अपना अपराध कबूल किया कि वह दलाल के चक्कर में फस गए थे, जिसके द्वारा खून देने के बदले में 25 सौ रुपये दिये जाते थे, फिलहाल अभी दलाल पुलिस के गिरफ्त से बाहर हैं लेकिन दलालों की गिरफ्तारी के लिए बरारी थाना पुलिस मायागंज क्षेत्र इलाके में दबिश देने के साथ छानबीन करने जुटी हुई है। वही अस्पताल के सुरक्षा कर्मियों ने बरार पुलिस के हवाले कर दिया है, वही मामले की सूचना मिलते ही बरारी थाना की गस्ती पुलिस मौके पर पहुंचकर सभी युवको को हिरासत में लेते हुए थाना लेजाया गया, जहां पुलिस युवकों से अन्य जानकारी को लेकर पूछताछ कर रही है।

श्रम कार्ड बनाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह जिले क्षेत्र में है सक्रिय, रहे सावधान : एसएसपी

ठग गिरोह का शिकार हुए दम्पती न्याय की गुहार ले पहुंचा, एसएसपी कार्यालय

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। अगर आपके घर में भी कोई श्रम कार्ड बनाने के लिए आते हैं तो हो जाएं सावधान क्योंकि ऐसी ठगी करने वाले एक गिरोह पूरे जिले क्षेत्र में इर्दगिर्द घूम घूम कर बेहतर लाभ दिलाने का प्रलोभन देकर ठगने का काम करने में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है। एक ऐसा ही ठगी करने का मामला भागलपुर अलीगंज के महेशपुर वार्ड नंबर 42 से सामने आया है। जहां चंदन कुमार पाल और सविता देवी से हजारों रुपये की श्रम कार्ड बनाने के नाम पर सक्रिय गिरोह ने ठग लिया है। गौरतलब हो कि यह ठग उनके घर श्रम कार्ड बनाने के नाम से गया था, जहां उन्होंने अत्यधिक लाभ दिलाने का प्रलोभन देकर कहा कि सरकार की ओर से श्रम कार्ड सबों को फ्री में बनाया जा रहा है, आपको आधार कार्ड देना है और अपना अंगूठा लगाना है, तभी इस लालच में आकर उक्त दोनों पति व पत्नी ने अपना आधार कार्ड दे दिया और अंगूठा भी लगवा लिया और जब शाम में मोबाइल पर मैसेज देखते हैं, तो उनके मानो पांव तले जमीन खिसक गई हो, मेसेज को देख दोनों के होश उड़ गये, उक्त ठग गिरोह ने उनके बैंक अकाउंट से कई हजार रुपये की अवैध रूप से निकल लिये थे, इसी बाबत पीड़ित दंपति न्याय की गुहार ले एसएसपी आनंद कुमार के पास पहुंचे, जहां दंपति ने अपनी सारे घटना से अवगत कराते हुए न्याय की गुहार लगायी है। वही एसएसपी आनन्द कुमार ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए संज्ञान लेते हुए साइबर थाने के संबंधित पुलिस पदाधिकारी को मामले का पता लगाने के लिए निर्देशित करते हुए कहा है। वही पीड़ित चंदन कुमार पाल और उसकी पत्नी सविता देवी का कहना है कि इस फर्जी व्यक्ति को जल्द से जल्द पकड़ा जाय, और उसे कठोर सजा देने के साथ मेरा गमन पैसा रिकवरी करा दिया जाय। जिससे उक्त ठग गिरोह के चक्कर में और कोई न फंस सकें।

तीन साल की मासूम बच्ची की ट्रक के चक्के से दब कर हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

जगदीशपुर (भागलपुर)। थाना से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित जगदीशपुर मुख्य बाजार के समीप बाइक व ट्रक की हुई टक्कर में बाइक पर सवार तीन वर्षीय मासूम की ट्रक के चक्के के नीचे चले जाने से मौके पर ही मौत हो गई। वही बच्ची की पहचान वादे हसनपुर गांव के रहने वाले वकील मंडल की तीन वर्षीय पुत्री आयुषी कुमारी के रूप में हुई है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार वकील मंडल अपने घर वादे हसनपुर गांव से भवानीपुर स्थित एक राशन डीलर के पास अपने परिवार का बायोमेट्रिक पर फिंगर प्रिंट देने अपने पत्नी और बच्चों के साथ जा रहा था, इसी क्रम में जगदीशपुर के मुख्य बाजार स्थित एक ट्रक और बाइक में टक्कर हो गई, घटना क्रम में बच्ची बाइक से गिर गई और तीन वर्षीय आयुषी उक्त ट्रक के चक्के के नीचे दब कर मौके पर मौत हो गई। वही घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जगदीशपुर थाना प्रभारी अमित कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंच कर आक्रोशित परिजन को शांत कराने की कोशिश में जुट गए लेकिन आक्रोशित परिजन ने बच्ची के शव को बीच सड़क पर रख कर मुख्य सड़क मार्ग को बाधित कर जाम करने की कोशिश करने लगे थे, लेकिन पुलिस की सूझबुझ से जाम नही लगा पाया, वही घटना को लेकर जगदीशपुर के सीओ भूषण भगत और बिडियो रघु नंदन आनन्द मौके पर पहुंचे और आक्रोशित परिजन को समझा बुझा कर मुख्य सड़क मार्ग से हटाया और मृत बच्ची के शव का पोस्टमार्टम प्रक्रिया को लेकर मायागंज भेज दिया। वही इस घटना से आहत हुए बच्ची के माता पिता का रो रो कर बुरा हाल है, रोते बिलखते हुऐ बच्ची के पिता बोल रहे थे, अब किसके सहारे रहेंगे। मैने बच्ची को बड़े लाड प्यार से पाला था, जमीन गिरवी रख कर उसका इलाज कराया था, 21 दिन की मेरी बच्ची आईसीयू में भर्ती रही थी, वही मृत बच्ची के मां का भी रो रो कर बुरा हाल है, घटना के सदमे से मां बार बार बेहोश हो रही थी।

भाभी की देवर ने की बुरी तरह से पिटाई, चल रहा ईलाज

प्रात : किरण संवाददाता।

गोराडीह (भागलपुर)। एक महिला को उसके अपने ही देवर ने बुरी तरह से धुनाई कर दी। घटना से पीड़ित घायल महिला को उसके परिजनों ने त्वरित इलाज के लिए गोराडीह रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया, जहाँ मौजूद चिकित्सक द्वारा महिला की हालत की गम्भीरता को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल रैफर कर भेज दिया। वही मामले को लेकर पीड़ित महिला ने बताया कि वह बकरीद के मौके पर अपने ससुर से मिलने पैतृक गांव गोराडीह गई थी, इस दौरान उनका देवर मो. फैजल और उनकी पत्नी आफरीन ने अचानक बर्तन साफ करने के दौरान हमपर गमला फेंक कर हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से चोटिल हो जख्मी हो गई, वही घटना की सूचना मिलते ही घायल महिला के परिजन गोराडीह पहुंचे और उन्होंने आनन-फानन में इलाज हेतू अस्पताल ले जाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए चिकित्सक द्वारा रेफर कर मायागंज अस्पताल के इमरजेंसी सर्जरी वार्ड इलाज के लिए भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा उनका इलाज किया जा रहा है, फिलहाल गोराडीह थाने में पीड़ित परिजन के द्वारा लिखित शिकायत दर्ज करा दी गई है, जबकि घटना को लेकर उनका कहना है कि इंजरी रिपोर्ट देने के बावजूद पुलिसिया कार्रवाई नहीं हो रही है, उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले के संदर्भ में कार्रवाई करने के साथ न्याय करने की मांग कर रही है।

संत निरंकारी मिशन संस्थान के द्वारा रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। संत निरंकारी मिशन संस्थान के नेतृत्व में स्थानीय जिला इंटर स्कूल प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर कार्यक्रम में लगभग एक सौ यूनिट रक्तदान करने का लक्ष्य रखा गया था। इस मुहिम को लेकर संस्था के कार्यकताओं ने कार्यक्रम के दौरान शहर के कई गणमान्य चिकित्सक, शिक्षाविद व समाजसेवी उपस्थित थे। वही कार्यक्रम को लेकर संत निरंकारी मंडल के संयोजक दिनेश मंडल ने बताया कि हम लोगों का मुख्य उद्देश्य है जब किसी को ब्लड की जरूरत पड़े तो उसे आसानी से ब्लड मिल जाए और उसके जान की रक्षा में सहायक बनकर एक सार्थक पहल किया गया है। वही कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज सेवी कमल जायसवाल ने कहा कि यह संत निरंकारी मंडल की अनूठी पहल है, इससे शहरवासियों के बीच घटित होने वाले घटना में घायल हुए लोगों व जरूरत मंद के बीच काफी फायदा पहुंचेगा, इसमें हम लोगों को बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की जरूरत है, तभी यह मिशन कामयाब व सफल हो सकेगा। वही कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों व समाजसेवी के द्वारा कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुरूआत की। डॉ./प्रो. डी.पी सिंह, डॉ. हेमशंकर शर्मा, डॉ. मणिभूषण, संस्था के सदस्यों के अलावा दर्जनों सामाजिक कार्यकर्ता सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डीएम के निर्देश पर गठित पांच सदस्य जांच टीम को धरहरा दक्षिण पंचायत में विकास कार्यों में मिली भारी अनियमितता

प्रात : किरण ब्यूरो चीफ मुंगेर

मुंगेर। जिलाधिकारी नवीन कुमार के निर्देश के आलोक में नगर निगम मुंगेर के नगर आयुक्त निखिल धनराज निप्पणीकर की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय टीम ने शनिवार को धरहरा प्रखंड के धरहरा दक्षिण पंचायत में किए गए विकासात्मक कार्यो का स्थलीय जांच मे काफी पैमाने पर अनियमितता को उजागर किया। इस दौरान नगर आयुक्त ने वित्तीय वर्ष 2021 - 2022 , 2022 - 2023 एवं 2023 - 2024 में धरहरा दक्षिण पंचायत में किए गए करीब आधा दर्जन से अधिक योजनाओं का प्राक्कलन ,अभिलेख, गुणवत्ता एवं योजना का स्थलीय मापी कर विस्तृत जांच क्रम मे संबंधित पदाधिकारी बीडीओ मृत्युंजय कुमार को कडी फटकार लगाते हुए योजनाओं के सही देख रेख नही करने के अभाव के कारण योजना मे काफी पैमाने पर अनियमितता दिखाई पड़ी है जो बीडीओ के विरुद्ध स्पष्टीकरण पुछे जाने की बात कही । पांच सदस्यों में शामिल नगर आयुक्त निखिल धनराज, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मो० मंजूर आलम, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार, पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता संजय शर्मा, पथ निर्माण विभाग के कनीय अभियंता शेखर भाष्कर ने संबंधित आधा दर्जन योजनाओ की मापी कर योजनाओं मे फैले भ्रष्टाचार व गबन का मामला पकड़ते हुए दोषी अभिकर्ता, तकनीकी सहायक, बीडीओ सहित जबावदेह के विरुद्ध जिलाधिकारी नवीन कुमार को जांच रिपोर्ट समर्पित करने की बात कही ।

पदाधिकारीयों ने धरहरा दक्षिण पंचायत के महादलित दास टोला धरहरा मे नाला ढक्कन सहित निर्माण कार्य मे जहां अनियमितता उजागर किया वही वार्ड संख्या 1 में नाला का पानी निकासी हेतु जगह जगह पर लगायें गये होम पाईप योजनाओं मे प्राक्कलन को नजर अंदाज कर लाखो रुपए गबन का मामला पकड़ा । वही सुसज्जित ढंग से पंचायत भवन मे लगा गए फाईवर ईट सोलिंग निर्माण, छवीला यादव घर के घर के आगे पीसीसी सड़क निर्माण की अधतन में जांच किया ।

ज्ञात हो कि गुरुवार को जिलाधिकारी नवीन कुमार धरहरा प्रखंड के महगामा पंचायत का निरीक्षण किया था निरीक्षण के क्रम में ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से धरहरा दक्षिण पंचायत में विकासात्मक कार्यों में काफी पैमाने पर गड़बड़ी एवं सरकारी राशि का लूट-खसोट किए जाने की शिकायत किया था, जिसके बाद जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त ,नगर निगम मुंगेर की अध्यक्षता में पांच सदस्य टीम गठित कर धरहरा दक्षिण पंचायत के विभिन्न योजनाओं का प्राक्कलन, अभिलेख , मापी - पुस्तिका एवं स्थलीय जांच कर तीन दिनो के अंदर संबंधित रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय मुंगेर को सुपुर्द करने का आदेश जारी किया था ।

ऑल बिहार ट्रेड लाइब्रेरियन वेलफेयर फाउंडेशन ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

मुंगेर। ऑल बिहार ट्रेड लाइब्रेरियन वेलफेयर फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष मनीष यादव ने मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति को स्मारपत्र सौंप कर विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी से संबंधित समस्या निदान का मांग किया है। मनीष यादव ने अपने ज्ञापन में विभिन्न बिंदुओं पर कुलपति का ध्यान आकृष्ट किया है जिसमें लाइब्रेरी स्टाफ की कमी मौजूद स्टाफ ज्यादातर अप्रशिक्षित हैं, । लाइब्रेरी हेतु आवश्यक परिसर का अभाव ,पाठ्यक्रम से संबंध पुस्तकों का नियमित क्रय का अभाव,लाइब्रेरी हेतु पुस्तक खरीद के लिए स्वतंत्र बजट ना होना,स्वतंत्र अध्ययन कक्ष का अभाव, मूलभूत सुविधाएं का अभाव जैसे पेयजल वॉशरूम , इ -लाइब्रेरी से संबंधित सुविधा का अभाव,लाइब्रेरी का टाइम स्टार्ट कम से कम 8 घंटे होना चाहिए, पत्रिकाएं जनरल अखबार आदि का नियमित व्यवस्था,लाइब्रेरी में अबाधित बिजली की सुविधाएं, मुंगेर विश्वविद्यालय के अंतर्गत सभी कॉलेज में लाइब्रेरी की व्यवस्था करवाना, आदि शामिल हैं।

बीआरसी कार्यालय में सरकारी कार्य में बाधा के साथ अभद्रता का आरोप

पूर्णिया/ बड़हरा कोठी । प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय कमलपुर अनुसूचित जाति के प्रधानाध्यापिका मनीषा कुमारी एवं मनीषा कुमारी के भाई आशीष कुमार के विरुद्ध प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी शीला रानी द्वारा बीआरसी कार्यालय में घुसकर गाली गलौज, धक्का मुक्की, बीआरसी कार्यालय में ढाई घंटे तक बंधक बनाते हुए सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए बड़हरा कोठी थाना में मामला दर्ज करवाया गया है।

घटना 27 जून 2023 की बताई जा रही है। थाना को दिए आवेदन में बीईओ शीला रानी ने बताई है कि 27 जून 2023 को 4 बजे मैं अपने कार्यालय में अपने सभी कर्मियों के साथ काम कर रही थी। तभी अचानक मनीषा कुमारी एवं उनका भाई आशीष कुमार पिता अशोक कुमार सिंह ग्राम भटोत्तर थाना बड़हरा कोठी जिला पूर्णिया द्वारा बीआरसी कार्यालय आकर जोर जोर से चिल्ला चिल्ला कर बोलने लगी कि नवसृजित प्राथमिक विद्यालय कल्याणा कामत में भवन निर्माण के लिए 27 लाख रुपया आया है मुझे वहां का प्रभारी प्रधान नियुक्त कीजिये मैं वहां मकान बनाउंगी। उनके इन बातों पर मैंने उन्हें बताया कि उस विद्यालय में प्रधानाध्यापक का पदस्थापना हो चुका है। इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी को प्रतिवेदित किया गया है। आप मध्य विद्यालय कमलपुर अनुसूचित जाति की प्रधानाध्यापिका है आपको प्राथमिक विद्यालय कल्याणा कामत का प्रभार नही दिया जा सकता है। आप इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। इस पर मनीषा कुमारी जोर जोर से चिल्ला चिल्ला कर मुझे जाती सूचक गाली देते हुए धक्का मुक्की करने लगी। कार्यालय में लेपटॉप पर कार्य कर रहे लेखापाल का लेपटॉप पटककर बन्द कर दिया और बोलने लगी कि अब बीआरसी में कोई काम नही होगा। डाटा ऑपरेटर को भी कार्यालय से भगा दिया। इस घटना की जानकारी मोबाइल से थाना प्रभारी को देने लगी तो मनीषा कुमारी द्वारा मुझे धक्का देकर मेरा मोबाइल छीन लिया।

जोगिनिया पोखर : बार बार जीर्णोद्धार की मांग के बावजूद स्थिति यथावत

पूर्णिया । रुपौली प्रखंड क्षेत्र के भिखना पंचायत स्थित बांकी गांव में मौजूद जोगिनिया पोखर पिछले काफी समय से अपनी जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यकरण की बाट जोहता नजर आ रहा है। पोखर के जीर्णोद्धार की दिशा में अबतक न तो प्रशासनिक स्तर पर ही कोई कवायद हुई है और न ही सरकारी स्तर से ही इस दिशा में कोई कदम उठाया गया है। इस बाबत जनता दल अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद समद ने बताया कि उन्होंने इस पोखर के निर्माण को लेकर कई बार रुपौली की पूर्व विधायक पूर्व मंत्री बीमा भारती का ध्यान आकृष्ट कराया है, लेकिन इस दिशा में पहल अबतक नदारद है। उन्होंने कहा कि इस पोखर से सैकड़ो लोगों का आजीविका किसी न किसी माध्यम से जुड़ी हुई है।

मेला के छठे दिन प्रखण्ड आपुर्ति पदाधिकारी अपनी टीम के साथ पहुंचे सुल्तानगंज

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज नगर परिषद परिक्षेत्र स्थित अजगैविनाथ धाम में मेला के छठे दिन जिला आर्पुति पदाधिकारी व उनकी टीम जिला प्रशासन के निर्देश पर कांवड़िया भोजन व्यवस्था के अलावा अन्य व्यवस्था की जांच को लेकर सुल्तानगंज पहुंचे जहां प्रखण्ड आर्पुति पदाधिकारी कृष्णानंद आनंद कुमार के द्वारा गंगा घाट से लेकर धांधीबेलारी तक संचालित ढाबो व होटलों के अलावा फुटकर दुकानदार के समक्ष पहुंच कर मेला में आगन्तु श्रद्धालुओं को सामानों के खरीद बिक्री मुल्य को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा तय मानक निधारित एंव सामान व भोजन के रख रखाव को लेकर जांच व सर्च अभीयान चलाया गया। इस दौरान इसलाईमपुर के खाद आर्पुति पदाधिकारी कृष्णानंद आनंद ने सैकड़ों कांवर की दुकान, भोजनालय की दुकान सहित अन्य दुकान का जांच प्रताल करते हुए मुल्य तालिका के निधारित रैट पर बैचने एंव कोमर्सियल गैस सिलेंडर उपयोग करने के दुकानदार को दिशा निर्देश भी दिये साथ ही सभी दुकानदारों हिदायत देते हुए कहा कि कांवड़िया श्रद्धालुओं को दिया गया सामान का मूल्य तय मानक दर से बसूल करे अन्यथा पकड़े जाने पर दुकान के सामानों को जब्त कर मेला क्षेत्र के बाहर कर कानून कार्रवाई की जायेगी। इस दौरान इसलाईमपुर प्रखण्ड आर्पुति पदाधिकारी कृष्णानंद आनंद कुमार ने मिडिया प्रतिनिधि से बातचीत में बताया कि जिला प्रशासन के निर्देश पर मेला मुल्य तालिका एंव रख रखाव को लेकर गंगा घाट से लेकर धांधीबेलारी तक सर्च अभीयान चलाया गया था। इस दौरान सभी दुकानदारों को हिदायत दिया गया है कि मुल्य तालिका के अनुसार सामान बैचने एंव रख रखाव सही रखने और भोजनालय के दुकानों में कोमर्सीयल गैस सिलेंडर उपयोग करने के दिशा निर्देश दिये गये है, ऐसा नहीं करने पर कानुनी कार्रवाई किये जाने की बात कही गयी है। इस दौरान एसआई नवीन कुमार सिंह, डीलर शत्रुधन चौधरी, अनिल रजक सहित इत्यादि पुलिस कर्मी मौजूद थे।

मेला में अवैध रूप से सड़कों पर लगाए दुकानों को एसडीएम ने कराया अतिक्रमण मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। मेले को लेकर भागलपुर जिला प्रशासन की टीम लगातार सुल्तानगंज के पवित्र उत्तरवाहिनी गंगा तट पर पहुंच कर आगन्तु श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए अतिक्रमण हटाने की कवायद में जुटी हुई है। नगर परिषद परिक्षेत्र में बढ़ती जा रही श्रद्धालुओं की भीड़ के परिचालन को सुदृढ़ बनाने को लेकर मेला क्षेत्र इलाके में लगाये जाने वाले फुटकर दुकानदारों के द्वारा अवैध रूप से सड़क अतिक्रमण किए जाने की सूचना पर एसडीएम धनंजय कुमार के नेतृत्व में अतिक्रमण मुक्त कराए जाने को लेकर अभियान चलाया गया। इस दौरान सुल्तानगंज के कार्यपालक पदाधिकारी अभिनव कुमार, वीडियो मनोज मुर्मू , सीईओ अमित राज सहित बड़ी संख्या में नगर परिषद के कर्मचारी और पुलिस बल के जवान मौजूद थे। वही नगर एसडीओ ने माइकिंग के माध्यम से सड़क और नाले पर किए गए सड़क को अतिक्रमण से मुक्त कराया जिससे आगन्तु श्रद्धालुओं के आने जाने मार्ग को सुगमता से बेहतर बनाया वही इस अभियान को लेकर सुल्तानगंज मुख्य बाजार चौक मार्ग से होकर नमामि गंगे घाट और सीढ़ी घाट तक बल पूर्वक अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया साथ ही अतिक्रमणकारियों से अपील कर कहा गया कि अपनी दुकानों को सड़क मार्ग के नाले के भ

चंदू चैंपियन से आधिकारिक तौर पर जुड़ीं श्रद्धा कपूर!

बॉलीवुड फिल्मों में इन दिनों फ्रेश जोड़ियों पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। बीते दिनों रिलीज हुई कई मूवीज में नई ऑन स्क्रीन जोड़ियों ने दर्शकों का दिल जीता है। इसी को देखते हुए मेकर्स नए-नए एक्सपेरिमेंट्स कर रहे हैं। बीते दिनों कार्तिक आर्यन ने अपनी नई फिल्म चंदू चैंपियन की घोषणा की। इसी को लेकर खबर आई कि इसमें श्रद्धा कपूर, एक्टर के अपोजिट नजर आएंगी। वहीं, अब इस खबर की पुष्टि हो गई है, जिसने फैंस के उत्साह को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

श्रद्धा संग रोमांस फरमाएंगे कार्तिक

कबीर खान के जरिए निर्देशित और कार्तिक आर्यन स्टारर मोस्ट अवेटेड फिल्म चंदू चैंपियन ने हाल ही में सुर्खियां बटोरी हैं। वहीं, बीते दिन इसकी लीड एक्ट्रेस को लेकर जानकारी आई कि इसमें कार्तिक के अपोजिट एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर नजर आएंगी। इस खबर पर एक मीडिया रिपोर्ट ने पुष्टि का दावा किया है। साथ ही अपने सूत्र के जरिए बताया है कि श्रद्धा कपूर ने आधिकारिक तौर पर फिल्म के लिए साइन कर लिया है।

साजिद-श्रद्धा के बीच बनी बात

बीते दिन खबर आई थी कि साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान लीड एक्ट्रेस की तलाश में थे, और उन्होंने इस भूमिका के लिए श्रद्धा कपूर को कास्ट करने में गहरी रुचि व्यक्त की थी। बताया जाता है कि एक्ट्रेस खुद इस प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं। फिलहाल, सहयोग के विवरण और औपचारिकताओं को अंतिम रूप देने के लिए साजिद और श्रद्धा के बीच चर्चा चल रही है।

चंदू चैंपियन कहानी, रिलीज डेट

मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर मोस्ट अवेटेड खेल बायोपिक, चंदू चैंपियन 14 जून, 2024 को सिल्वर स्क्रीन पर रिलीज होने के लिए तैयार है। मुरलीकांत पेटकर की अविश्वसनीय यात्रा से अपरिचित लोगों के लिए, उन्होंने स्वर्ण पदक हासिल करके इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया है। 1970 के राष्ट्रमंडल खेलों में और फिर 1972 में जर्मनी में आयोजित पैरालिंपिक में उन्होंने देश को गौरवान्वित महसूस कराया। इस परियोजना ने वर्ष 2016 में दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत का ध्यान आकर्षित किया था, क्योंकि वह कहानी के सम्मोहक वर्णन की गहराई से काफी प्रभावित हुए थे।

जेनेलिया स्टारर ट्रायल पीरियड का ट्रेलर रिलीज

जेनेलिया देशमुख और मानव कौल स्टारर फिल्म ट्रायल पीरियड के निर्माताओं ने शुक्रवार को ट्रेलर जारी किया। अलेया सेन द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म में लीड रोल में जेनेलिया, मानव, शक्ति कपूर, शीबा चड्ढा, गजराज राव और जिदान ब्रेज जैसे शानदार कलाकार हैं। फिल्म में जेनेलिया सिंगल मदर का रोल निभा रही हैं। उसका बेटा 30 दिनों की ट्रायल पीरियड पर नए पापा की डिमांड करता है। बच्चे की जिद के आगे जेनेलिया उज्जैन से एक अनुशासित प्रजापति द्विवेदी को नए पापा के जॉब पर घर लाती है, जिसे प्यार से पीडी कहते है। नए पापा का किरदार मानव ने निभाया है, जो मां और बेटे की उम्मीदों के बिल्कुल विपरीत है। आगे जो कुछ है, वह प्यार और दोस्ती की एक प्यार कहानी है। ज्योति देशपांडे द्वारा प्रोड्यूस, जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, क्रोम पिक्चर्स प्रोडक्शन, हेमंत भंडारी, अमित रविंदरनाथ शर्मा और अलेया सेन द्वारा निर्मित यह फिल्म 21 जुलाई को जियोसिनेमा पर रिलीज होगी।

इंडियाज गॉट टैलेंट जिंदगी बदल सकता है

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी, जो इंडियाज गॉट टैलेंट सीजन 10 में एक बार फिर जज की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं, ने कहा कि रियलिटी शो में जिदंगी को बदलने की ताकत है और वह टैलेंट को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकतीं। अपनी एक्साइटमेंट को जाहिर करते हुए, शिल्पा ने साझा किया, भारत एक ऐसी ताकत बनने के लिए आगे बढ़ रहा है, जिसके पास एक बहुत बड़ा टैलेंट पूल है, जो पहले से ही ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बना रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारा टैलेंट यूनिक है और यहां तक कि अमेरिका गॉट टैलेंट (एजीटी) में भी आउटस्टैंडिंग है। चाहे वह डांस हो, सिंगिंग हो, जादू हो, स्टंट हो, कॉमेडी हो- आप कोई भी नाम लें, और भारत के पास यह सब है। मैं इंडियाज गॉट टैलेंट में जज के रूप में वापस आकर बहुत खुश हूं, जो सभी रूपों में हुनर का बढ़ावा देता है। पिछले सीज़न में, इस स्टेज ने ऑडियंस को वास्तविक भारत से पहचान कराते हुए डेरिंग एक्ट और ऐज-ओल्ड आर्ट फॉर्म्स को जीवंत किया था। और यह 10वां सीजन है, मैं शानदार प्रतिभाओं को देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती। इतने बड़े स्टेज पर जज बनना मेरे लिए रोमांचक और सीखने का मौका रहा है और मैं उभरती प्रतिभाओं की जर्नी का हिस्सा बनकर खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। उन्होंने कहा, इंडियाज गॉट टैलेंट में जीवन बदलने की क्षमता है और मैं अपने को-जजों किरण मैम और बादशाह के साथ यूनिक टैलेंट्स की खोज करने के लिए उत्सुक हूं। इंडियाज गॉट टैलेंट का प्रीमियर 29 जुलाई से सोनी टीवी पर होगा।

पुष्पा 2 में आइटम नंबर करती नजर आएंगी उर्वशी रौतेला

अल्लू अर्जुन इन दिनों फिल्म 'पुष्पा 2' की शूटिंग में जुटे हुए हैं। चर्चा है कि इस फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला आइटम नंबर करती नजर आएंगी। एक रिपोर्ट की मानें तो इस 3 मिनट के आइटम नंबर के लिए उर्वशी ने 2 से 3 करोड़ रुपए चार्ज किए हैं। 'पुष्पा 2' अगले साल रिलीज होगी। इसका बजट करीबन 350 करोड़ रुपए बताया जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक उर्वशी ने इससे पहले चिरंजीवी स्टारर तेलुगु फिल्म 'वाल्टर वीरैया' में आइटम नंबर किया था। फिल्म से उनका गाना 'बॉस पार्टी' काफी हिट हुआ था जिसके बाद उर्वशी को 'पुष्पा 2' का ऑफर मिला है। अपनी पॉपुलैरिटी को देखते हुए उर्वशी ने भी मेकर्स से 2 से 3 करोड़ की डिमांड कर दी है।

सामंथा ने चार्ज किए थे 5 करोड़

2021 में रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा-पार्ट 1' में सामंथा ने आइटम नंबर किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस 3 मिनट के गाने के लिए सामंथा ने 5 करोड़ रुपए चार्ज किए थे। उनके गाने 'ऊ अंटावा..' ने हाई स्टैंडर्ड सेट किया था। अब उर्वशी को इसके सेकंड पार्ट में वहीं स्टैंडर्ड मैच करना पड़ेगा।

10 साल में किए 5 आइटम नंबर

उर्वशी अपने 10 साल के करियर में 5 आइटम नंबर कर चुकी हैं। उनका पहला आइटम नंबर कुणाल खेमू स्टारर फिल्म 'भाग जॉनी' का 'डैडी मम्मी..' था, जो सुपरहिट था। इसके बाद उन्होंने ऋतिक रोशन की काबिल, चिरंजीवी की 'वाल्टर वीरैया' और अखिल अक्किनेनी की 'एजेंट' जैसी फिल्मों में भी डांस नंबर किया। उर्वशी एक बांग्लादेशी फिल्म में भी आइटम नंबर कर चुकी हैं।

प्रोफेशनल लाइफ पर बोलीं आलिया

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। आलिया ने अपने अभिनय करियर के दौरान कई हिट फिल्में दी हैं। हालांकि, उन्होंने इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दौर में अपनी फिल्मों के अलावा अपने सामान्य ज्ञान को लेकर भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। सोशल मीडिया पर लोगों के जरिए उनसे अक्सर पूछा जाता था कि क्या वह सवालों का जवाब देते समय बेवकूफ होने का नाटक करती हैं। हालांकि, अभिनेत्री को ट्रोलिंग से फर्क नहीं पड़ता है। वह बस अपनी काम के प्रति सजग रहती हैं और उनके बदले अच्छी फीस की उम्मीद भी रखती हैं। इस बारे में हाल ही में एक कार्यक्रम में आलिया से पूछा गया कि क्या वह युवा इन्फ्लुएंसर कहलाने में सहज हैं? इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि उन्हें जोकर कहलाने से भी कोई दिक्कत नहीं है, बशर्ते चेक समय पर पहुंच जाए। वहीं बात करें अभिनेत्री के अभिनय करियर के बारे में तो आखिरी बार उन्हें ब्रह्मास्त्र-पार्ट वन में रणबीर कपूर के साथ देखा गया था। वहीं आलिया फिलहाल करण जौहर की आगामी निर्देशित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी की रिलीज की तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में जया बच्चन, धर्मेंद्र और शबाना आजमी जैसे कई दिग्गज कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना तुम क्या मिले और ट्रेलर रिलीज किया था। दोनों को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। आलिया ने हाल ही में अपनी गर्भावस्था के बाद रोमांटिक गाने की शूटिंग का अपना अनुभव भी साझा किया था। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 28 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सोनम कपूर ने बताई फिल्म ब्लाइंड में काम करने की वजह

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनू कपूर ने 4 साल बाद फिल्म ब्लाइंड से वापसी की है। सोनम कपूर की यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म जीयो स्टूडियो पर रिलीज हुई है। सोनम का यह ओटीटी डेब्यू भी है। यह फिल्म साल 2011 में रिलीज कोरियन फिल्म ब्लाइंड की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म का निर्देशन शोम मखीजा ने किया है। सोनम कपूर ने फिल्म ब्लाइंड में में एक दिव्यांग लड़की की भूमिका निभाई है। वहीं, उन्होंने एक खूंखार गुनाह होते हुए सुन लिया है। वह अपराधी के खिलाफ गवाही देना चाहती हैं। इसके बाद, किलर उनका खुद सामना करता है। हाल ही में सोनम ने फिल्म ब्लाइंड में काम करने की वजह भी बताई है। सोनम कपूर कहा कि मैंने फिल्म ब्लाइंड में इसलिए काम किया क्योंकि इस फिल्म के प्रोड्यूसर सुजॉय घोष हैं, धारदार थ्रिलरों के साथ उनका ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है। एक अभिनेत्री के रूप में मुझे अपने निर्माताओं और निर्देशकों पर पूरा भरोसा है। मुझे खुशी है कि मुझे सुजॉय के रूप में एक ऐसा निर्माता मिला जो हिंदी फिल्म उद्योग में थ्रिलर का मास्टर है। एक्ट्रेस ने कहा, मुझे उम्मीद है कि लोगों को फिल्म में मेरा अभिनय पसंद आएगा। मुझे खुशी है कि लोगों को ब्लाइंड का ट्रेलर पसंद आया। मुझे खुशी है कि लोग इस रोमांचक थ्रिलर को देखने के लिए उत्सुक हैं। फिल्म ब्लाइंड में सोनम कपूर के अलावा पूरब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे भी हैं।

कार्तिक आर्यन ने पूरा किया मां का सपना, खरीदा करोड़ों का लग्जरी अपार्टमेंट

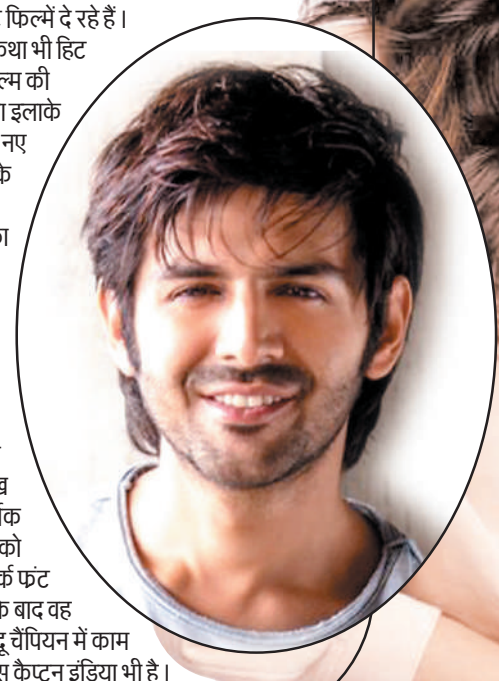

कार्तिक आर्यन बॉक्स ऑफिस पर बैक टू बैक हिट फिल्में दे रहे हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म सत्यप्रेम की कथा भी हिट साबित हुई है। वहीं अब अपनी हालिया रिलीज फिल्म की सक्सेस का स्वाद चख रहे कार्तिक ने मुंबई के पॉश इलाके में नया घर खरीद लिया है। कार्तिक आर्यन के इस नए घर की कीमत करोड़ों में बताई जा रही है। खबरों के अनुसार कार्तिक ने मुंबई के जुहू में 17.50 करोड़ रुपए का लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। कार्तिक का यह अपार्टमेंट जुहू स्कीम के एनएस रोड़ नंबर 7 पर मौजूद सिद्धि-विनायक बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर है। कार्तिक आर्यन का नया घर करीब 1,593.61 वर्ग फुट का एरिया में बना हुआ है। कार्तिक आर्यन के परिवार के पास पहले से ही इस बिल्डिंग की आठवीं मंजिल पर एक अपार्टमेंट है। इस साल की शुरुआत में कार्तिक की मां डॉ. माला तिवारी ने शाहिद कपूर से एक अपार्टमेंट 7.5 लाख रुपए प्रति माह पर किराए पर लिया था। अब कार्तिक ने इसी बिल्डिंग में अपार्टमेंट खरीदकर उनकी मां को इसका मालिक बना दिया है। कार्तिक आर्यन के वर्क फ्रंट की बात करें तो सत्यप्रेक की कथा की सफलता के बाद वह कबीर खान के निर्देशन में बनने वाली फिल्म चंदू चैंपियन में काम करते दिखाई देंगे। इसके अलावा उनके पास कैप्टन इंडिया भी है।

1 महीने में पैसा डबल

नई दिल्ली। जून 2023 में बड़ी संख्या में एसएमई आईपीओ ने भारतीय शेयर बाजार में धूम मचाई। इन एसएमई आईपीओ की एसएमई एक्सचेंज पर जबरदस्त शुरुआत हुई और इन छोटे और मध्यम साइज के कंपनी शेयरों ने बाजार में तेजी से आगे बढ़े और अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया। ऐसा ही एक आईपीओ है- वासा डेंटिसिटी। वासा डेंटिसिटी के शेयरों ने अपने उन आवंटियों के निवेश को दोगुना कर दिया जो मजबूत लिस्टिंग के बाद भी स्टॉक में निवेशित रहे।

फिनटेक कंपनियों पर बढ़ेगी आरबीआई की सख्ती,

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनियों के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नियमन लाने पर विचार कर रहा है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने इसके संकेत दिए हैं। एक कायक्रम में शंकर ने कहा- आरबीआई फिनटेक क्षेत्र के बदलते माहौल को बारीकी से देख रहा है। इस संबंध में अभी कोई नियमन नहीं है।

जीएसटी में गड़बड़ी करने वालों पर अब ईडी कसेगी शिकंजा, पीएमएलए एक्ट के तहत आएगा जीएसटी नेटवर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने जीएसटी में चोरी को लेकर एक बड़ा कदम उठाया है। अब सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेट टैक्स नेटवर्क को पीएमएलए के तहत लाने का फैसला किया है, जिसके लिए अधिसूचना जारी की गई है। इसका मतलब है कि अब जीएसटी से जुड़े मामलों में ईडी सीधा दखल दे सकेगी। ईडी जीएसटी चोरी करने वालों फर्म, व्यापारी या संस्था के खिलाफ सीधे कार्रवाई कर सकेगी। इनडायरेक्ट टैक्स और कस्टम टैक्स चोरी को रोकने के लिए सरकार की ओर से एक और कदम उठाया गया है। सरकार की ओर से जारी की गई अधिसूचना के अनुसार, जीएसटी नेटवर्क का डाटा की पूरी सूचना ईडी को दी जाएगी। अधिसूचना पीएमएलए की धारा 66(1) के तहत ईडी और जीएसटीएन के बीच जानकारी साझा करने के संबंध में है।

पीएमएलए को आतंकी फंडिंग और नशे के पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए लाया गया था। जीएसटीएन के तहत बहुत संवेदनशील जानकारी होती है, जिसके तहत जांच में सहायता हो सकती है। एक्सपर्ट ने कहा कि ईडी को इससे जांच में ज्यादा मदद मिल सकेगी। अधिसूचना अब जीएसटीएन और ईडी दोनों के बीच जानकारी या अन्य चीजों को शेयर करने की सुविधा देगी।

मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने और इसमें शामिल संपत्ति को जब्त करने के लिए प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग कानून को तैयार किया गया था। इसके तहत सरकार गैरकानूनी तरीके से कमाए गए संपत्तियों को जब्त करने का अधिकारी रखती है। साल 2002 में इस कानून को पारित किया गया था।

सक्रिय डीमैट एकाउंट की संख्या 12 करोड़ के पार, पिछले महीने 23.6 लाख नए खाते खुले

नई दिल्ली, एजेंसी। सक्रिय डीमैट खातों की संख्या पहली बार जून में 12 करोड़ के पार निकल गई। देश की दो डिपॉजिटरीज सीडीएसएल और एनएसडीएल ने पिछले महीने कुल मिलाकर 23.6 लाख नए डीमैट खाते जोड़े, जो मई 2022 के बाद का सर्वोच्च आंकड़ा है।

अगस्त में डीमैट खातों की कुल संख्या पहली बार 10 करोड़ के पार निकल गई थी। तब से उद्योग ने हर महीने औसतन 20 लाख नए खाते जोड़े। उद्योग के प्रतिभागियों ने कहा, द्वितीयक बाजारों में तेजी और प्राथमिक बाजारों की ओर आकर्षण ने जून के आंकड़ों को मजबूती दी।

जून में बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी ने लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी दर्ज की और नई रिकॉर्ड ऊंचाई को छू गया। अक्टूबर 2021 के बाद बेंचमार्क सूचकाकों की यह सबसे लंबी मासिक बढ़त है क्योंकि तब उसने लगातार छह महीने तक बढ़ोतरी दर्ज की थी। जून में निफ्टी में 3.5 फीसदी की उछाल दर्ज हुई जबकि निफ्टी मिडकैप-100 में 5.9 फीसदी, निफ्टी स्मॉलकैप-100 में 6.6 फीसदी का इजाफा हुआ।

इक्विटी नकदी बाजार में रोजाना औसत कारोबार जून में 14 महीने के सर्वोच्च स्तर 67,491 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इस बीच, रोजाना औसत कारोबार डेरिवेटिव बाजार में 259 लाख करोड़ रुपये की नई रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया और इस तरह से उसमें लगातार आठवें महीने इजाफा हुआ।

जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, बाजार में तेजी के दौरान नए डीमैट खाते में इजाफा होता है। नए डीमैट खाते खुलने और बाजार के प्रदर्शन के बीच सीधा संबंध है। उन्होंने कहा, मार्च के निचले स्तर से निफ्टी में तीव्र बढ़ोतरी और इस वजह से संपत्ति सृजन की कहानी नए निवेशकों को आकर्षित कर रही है। जब तक बाजार में सुदृढ़ता रहेगी, यह प्रवृत्ति जारी रहेगी।

बाजार ने इसके अलावा करीब आधा दर्जन आईपीओ की पेशकश देखी, जिनमें से कई में निवेशकों ने काफी बोली लगाई। आईकियो लाइटिंग, आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी और सायंट डीएलएम में खुदरा निवेशकों ने 10-10 लाख से ज्यादा आवेदन जमा कराए। ब्रोकरेज फर्मों के अधिकारियों ने कहा कि कई निवेशकों ने इन आईपीओ के लिए नए ट्रेडिंग खाते व डीमैट खाते खुलवाए।

ब्रोकिंग फर्म फायर्स के सह-संस्थापक व सीईओ तेजस खोडे ने कहा, हाल में आईपीओ को मिली कामयाबी ने भी नए डीमैट खातों में इजाफा किया है। अगर सेंसेक्स व निफ्टी इन स्तरों पर टिकता है या नए सर्वोच्च स्तर पर पहुंचता है तो व्यापक बाजारों में तेजी रहेगी, जिससे इस साल खुदरा भागीदारी में भी इजाफा होगा। नए डीमैट खातों और ट्रेडिंग वॉल्यूम में इजाफा ब्रोकरेज उद्योग के लिए सकारात्मक संकेत हैं, जिसने क्लाइंटों की प्रतिभूतियों तक पहुंच व फंड को लेकर नियामकीय सख्ती के कारण चुनौतीपूर्ण समय का सामना किया है। उद्योग के प्रतिभागियों ने कहा कि छूट व तकनीक से जुड़ाव रखने वाले ब्रोकरों को सबसे ज्यादा फायदा हो सकता है।

स्टॉक ब्रोकरों की उद्योग निकाय एएनएमआई के अध्यक्ष विजय मेहता ने कहा, छोटे ब्रोकर क्लाइंट हासिल कर रहे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि ऑनलाइन कंपनियां को इसमें ज्यादा बढ़त हासिल है। अब एनएसई के सक्रिय क्लाइंटों में डिस्काउंट ब्रोकरों की ज्यादा हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा, देश में डीमैट खातों में बढ़ोतरी की एक वजह निवेशक जागरूकता अभियान में इजाफा है। यह पारंपरिक से आधुनिक तरीके से ट्रेडिंग की ओर शिफ्ट होने का मामला है। अब हर चीज उंगली पर उपलब्ध है।

जियो फाइनेंशियल का हो रहा डीमर्जर, ईशा अंबानी और राजीव महर्षि को मिली जिम्मेदारी

रिलायंस ग्रुप कर रहा रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स का डीमर्जर

नई दिल्ली, एजेंसी। अरबपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज अपनी फाइनेंशिल सर्विसेज कंपनी रिलायंस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट्स का डीमर्जर कर रही है। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि कंपनी को अलग करने की प्रभावी तारीख एक जुलाई तय की गई है। वहीं, नई कंपनी के शेयर आवंटित करने के लिए 20 जुलाई की तारीख निर्धारित की गई है। डीमर्जर के पूरे होने के बाद नई कंपनी का नाम जियो फाइनेंशियल सर्विसेज होगा। इस डीमर्जर को पिछले महीने रेगूलेटरी अप्रूवल मिला था। इसके बाद शुक्रवार को बोर्ड की बैठक में रिकॉर्ड डेट तय कर दी गई।

ईशा अंबानी और पूर्व ष्टत्न राजीव महर्षि को इस अलग की गई फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी के डायरेक्टर बोर्ड में शामिल किया गया है। शुक्रवार को हुई बैठक में नए डायरेक्टर्स की नियुक्ति को मंजूरी दी गई। कंपनी ने बताया कि गृह सचिव और सीएजी रह चुके पूर्व नौकरशाह राजीव महर्षि को आरएसआईएल में पांच साल के लिए स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी सुनील मेहता और पीडब्ल्यूसी के साथ काम कर चुके चार्टर्ड अकाउंटेंट बिमल मनु तन्ना को भी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। बैंकर हितेश कुमार सेठिया को तीन साल के लिए आरएसआईएल का प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

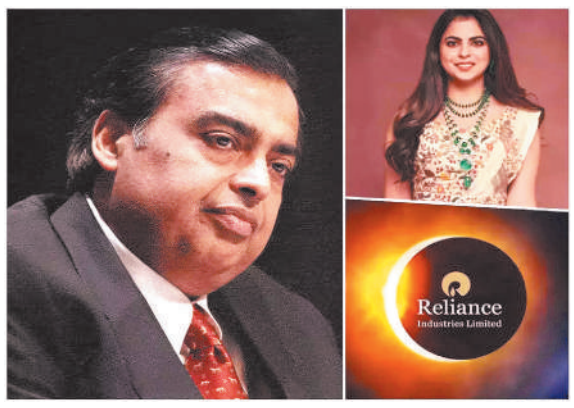

एक शेयर के बदले एक शेयर

रिलायंस के प्रत्येक शेयरधारक को मूल कंपनी के एक शेयर पर नई कंपनी का एक शेयर मिलेगा। इस डीमर्जर के लागू होने की तारीख एक जुलाई तय की गई थी। लेकिन नई कंपनी के शेयर अलॉट करने के लिए 20 जुलाई रिकॉर्ड डेट तय की गई है।

क्या करेगी कंपनी : यह कंपनी उपभोक्ताओं और कारोबारियों को संपत्ति के आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर लोन देगी। बाद में यह बीमा, पेमेंट, डिजिटल ब्रोकिंग और एसेट मैनेजमेंट सेवाएं भी देगी। ब्रोकरज फर्म मैक्वेरी के अनुसार जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की वैल्यू 1.52 लाख करोड़ रुपये से अधिक होगी। इस तरह यह भारत की पांचवीं सबसे बड़ी फाइनेंशियल सर्विसेज कंपनी बन जाएगी

अडानी ने रेलवे टिकट बुकिंग मंच ट्रेनमैन में 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने रेलवे टिकट बुकिंग से जुड़ी कंपनी स्टार्ट एंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड (एसईपीएल) की लगभग 30 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। एसईपीएल रेलवे टिकट की ऑनलाइन बुकिंग करने वाले मंच ट्रेनमैन की संचालक कंपनी है। एसईपीएल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 4.51 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने एसईपीएल की समूची हिस्सेदारी खरीदने के लिए समझौता करने की घोषणा की थी।

अडानी एंटरप्राइजेज ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा, कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी अडानी डिजिटल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड ने 3.56 करोड़ रुपये में 29.81 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद ली है। हालांकि अडानी एंटरप्राइजेज ने पिछले महीने एसईपीएल का जिक्र 'ऑनलाइन ट्रेन बुकिंग और सूचना मंच के रूप में किया था लेकिन शनिवार को उसने इसे 'ई-कॉमर्स और वेबसाइट विकास से संबंधित कंपनी बताया। अडानी समूह के रेल टिकट कारोबार से जुड़ने की घोषणा पर पिछले महीने कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा था कि अडानी के ट्रेनमैन मंच का अधिग्रहण करने से अंततः भारतीय रेलवे की टिकटिंग इकाई आईआरसीटीसी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो सकता है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) ने इसका खंडन करते हुए कहा था कि भारतीय रेलवे में रोजाना करीब 14.5 लाख आरक्षित टिकट बुक किए जाते हैं। इनमें से लगभग 81 प्रतिशत टिकटों की बुकिंग ऑनलाइन होती है और आईआरसीटीसी के जरिए ही बुक किए जाते हैं। इस स्थिति में आईआरसीटीसी और ट्रेनमैन जैसे उसके एजेंटों के बीच कोई प्रतिस्पर्धा नहीं है। आईआरसीटीसी की टिकटिंग साझेदार ट्रेनमैन की कुल आरक्षित टिकटों में 0.13 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

जैक मा की कंपनी को बड़ा झटका, चीन ने लगाया एक अरब डॉलर का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी जैक मा की कंपनी एंट ग्रुप को चीन ने बड़ा झटका दिया है। उसने कंपनी पर करीब एक अरब डॉलर का जुर्माना लगाया है। जुर्माना लगाने के पीछे की वजह उपभोक्ता सुरक्षा कानून और कार्पोरेट नियमों का उल्लंघन बताया गया है। ये मामले कॉरपोरेट गवर्नेंस, उपभोक्ता की सुरक्षा और मनी लॉन्डरिंग से जुड़ी गड़बड़ियों के हैं। एंट ग्रुप पेमेंट फर्म अली पे का संचालन भी करता है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन, पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना और नेशनल फाइनेंशियल रेगुलेटरी एडमिनिस्ट्रेशन ने एक संयुक्त बयान में कहा, एंट ग्रुप ने बैंकिंग और बीमा, भुगतान, मनी लॉन्ड्रिंग और फंड बिक्री में व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित नियमों को तोड़ा है। वहीं, एंट ग्रुप ने जुर्माने की शर्तों का पालन करने की बात कही है। ग्रुप का कहना है कि वह अपने अनुपालन प्रशासन को और बढ़ाएगा।

एंट ग्रुप ई-कॉमर्स दिग्गज अलीबाबा का सहयोगी है, जिसकी स्थापना भी मा ने की है। अलीबाबा के शेयरों में शुक्रवार को तेजी दर्ज की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी तीन साल पहले ही जांच के घेरे में आ गई थी, जब रिकॉर्ड तोड़ पेशकश की गई थी। साल 2020 के अंत में कंपनी ने 37 अरब डॉलर का आईपीओ लाने का फैसला टाल दिया था। कहा जा रहा था कि यह इतिहास में सबसे बड़ी शेयर बिक्री बनने की राह पर था।

इसके सामने आने पर देश के निजी उद्यम पर अंकुश लगाने के लिए चीनी सरकार द्वारा एक व्यापक अभियान की शुरुआत की गई थी। उसके बाद से चीन के डोमेस्टिक टेक्नोलॉजी सेक्टर पर दो साल तक सरकार ने शिकंजा कस दिया और एंट को अपने बिजनेस में बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा।

चीनी सेंट्रल बैंक और सिक्योरिटीज रेगुलेटर ने एक बयान में कहा कि टेक दिग्गज कंपनियों में सुधार लाने के अपने कैपेंन में आगे बढ़ रहे हैं और अब उनका ध्यान सामान्य देखरेख की तरफ है। एंट के इस सेक्टर में उभरने को भी देश की वित्तीय स्थिति के लिए चुनौती के तौर पर देखा गया था।

बता दें, अप्रैल 2021 में, एकाधिकारवादी की तरह व्यवहार करने के लिए अलीबाबा पर 2.5 अरब डॉलर का जुर्माना लगाया गया था, जो चीन के लिए एक रिकॉर्ड है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना में कम्युनिस्ट पार्टी के बॉस गुओ शूकिंग ने जनवरी में बताया कि सरकार की कार्रवाई अनिवार्य रूप से खत्म हो गई है क्योंकि उन्हें आर्थिक विकास, नौकरियों और विदेशों में चीन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने की उम्मीद है।

टॉप 6 कंपनियों का मार्केट कैप 1.19 लाख करोड़ बढ़ा, रिलायंस और आईटीसी को हुआ सबसे अधिक लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 1,19,763.25 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटीसी रहीं। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 561.89 अंक या 0.86 प्रतिशत की बढ़त में रहा। सात जुलाई को सेंसेक्स ने 65,898.98 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ।

समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 57,338.56 करोड़ रुपए बढ़कर 17,83,043.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज ही रही। आईटीसी का बाजार मूल्यांकन 21,291.04 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 5,82,602.46 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 18,697.06 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 5,29,898.83 करोड़ रुपए और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसज (टीसीएस) की 9,220.81 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 12,16,890.72 करोड़ रुपए रही। आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,998.26 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी के साथ 6,62,702.30 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर ने सप्ताह के दौरान 4,217.52 करोड़ रुपए जोड़े और उसकी बाजार हैसियत बढ़कर 6,33,532.04 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। इस रुख के उलट एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 22,926.37 करोड़ रुपए घटकर 9,28,657.99 करोड़ रुपए रह गया। एचडीएफसी के मूल्यांकन में 9,782.7 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 5,12,585.94 करोड़ रुपए पर आ गया।

किसानों की कमाई में जीरे की छौंक, कम खेती से कीमत 150 प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाटन के मेहराम भाई के पास 6 एकड़ जमीन है, लेकिन खेती के लिए अपना ट्रैक्टर नहीं था। अपना ट्रैक्टर खरीदना मेहराम भाई का बहुत पुराना सपना था। पैसों की कमी की वजह से वह अपना यह सपना पूरा नहीं कर पा रहे थे और किराए के ट्रैक्टर से खेती करते थे। इस साल जीरे की फसल में मेहराम भाई को जबरदस्त मुनाफा हुआ है और वह ट्रैक्टर खरीदने के लिए पैसे जुटा चुके हैं।

दरअसल, मेहराम भाई ने अपने खेत में लगभग 27 क्विंटल जीरा की खेती की और लगभग 32,000 प्रति क्विंटल की दर पर इसकी बिक्री की। इस तरह, 27 क्विंटल जीरा को बेचकर उन्होंने करीब 8.65 लाख कमा लिए हैं। मेहराम कहते हैं, मैं बहुत खुश हूं क्योंकि मेरे पास ट्रैक्टर खरीदने के लिए पैसे हो गए हैं। अब मैं अपना कई साल पुराना सपना साकार कर सकूंगा। पिछले कुछ समय से जीरा की कीमतों में जबरदस्त इजाफा हुआ है। पिछले साल से तुलना करें तो जीरा की कीमतें 150 प्रतिशत से अधिक बढ़ गई है। पिछले साल इसी समय जीरा की कीमत 19,000-21,000 प्रति क्विंटल थी। इस साल वर्तमान में कीमत लगभग 32,000-33,000 प्रति क्विंटल है। बता दें कि आमतौर पर फरवरी-मार्च में यह रबी फसल काटी जाती है। इसके बाद बिक्री की प्रक्रि या शुरू होती है। इस साल जीरा की बढ़ती कीमतों ने किसानों को चौंकाया है। आर्थिक रूप से कमजोर जीरा उत्पादकों ने पैसे कमाने के लिए अपनी फसल बेच दी, लेकिन जो किसान संपन्न थे और उन्हें जीरे के बुनियादी सिद्धांतों की समझ थी, उन्होंने अपनी फसल को कुछ और समय के लिए रोके रखा।

शराब कंपनी की बिक्री में जबरदस्त उछाल, 8 महीने पहले आया था आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी शराब उत्पादक कंपनी सुला वाइनयार्ड्स लिमिटेड ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसकी बिक्री दहाई अंक में बढ़ी है। सुला वाइनयार्ड्स ने अपने तिमाही बिक्री आंकड़े जारी करते हुए कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर उसका अनुमानित शुद्ध राजस्व 17 प्रतिशत बढ़ गया। कंपनी के अपने ब्रांड की बिक्री 24 प्रतिशत बढ़कर 103.5 करोड़ रुपये रही, जबकि आयातित विशिष्ट और प्रीमियम ब्रांड के कैटेगरी की बिक्री 30 प्रतिशत बढ़ी। सुला वाइनयार्ड्स के मुताबिक कंपनी ने समग्र रूप से अपने ब्रांड, वाइन पर्यटन व्यवसाय के लिए पहली तिमाही में अब तक का सर्वाधिक राजस्व दर्ज किया है। वाइन पर्यटन से राजस्व 11 प्रतिशत वृद्धि के साथ 11.4 करोड़ रुपये रहा। सुला के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव सामंत ने कहा कि प्रीमियम उत्पादों पर ध्यान देना लगातार फायदेमंद साबित हो रहा है। हमारी विशिष्ट और प्रीमियम वाइन ग्रोथ के मामले में अग्रणी हैं। बता दें कि दिसंबर 2022 में सुला वाइनयार्ड्स की शेयर बाजार में लिस्टिंग हुई थी। इससे पहले कंपनी ने आईपीओ लॉन्च किया था। इस आईपीओ के लिए इश्यू प्राइस 340 से 357 रुपये प्रति शेयर के बीच तय किया गया था। बता दें कि पिछले शु वार को कंपनी का शेयर भाव 444.90 रुपये पर था। एक दिन पहले के मुकाबले शेयर में 0.92 प्रतिशत की गिरावट रही। शेयर के ऑल टाइम हाई की बात करें तो 489.60 रुपये है। यह स्तर इसी साल जून महीने में टच किया है।

अगले हफ्ते कैसा रहेगा शेयर बाजार का हाल मार्केट में आएगी और तेजी या गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज तथा विप्रो के तिमाही नतीजों के साथ घरेलू मुद्रास्फीति और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है।

उनका कहना है कि इसके अलावा वैश्विक कारक और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां भी बाजार की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेंगी। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, अब पहली तिमाही के नतीजों का सीजन शुरू हो रहा है। इस सप्ताह एचसीएल टेक, टीसीएस और विप्रो अपने तिमाही परिणाम घोषित करेंगी। इसके अलावा 12 जुलाई को मुद्रास्फीति और आईआईपी के आंकड़े भी आने हैं। साथ ही निवेशकों की निगाह अमेरिका के वृहद आर्थिक आंकड़ों तथा कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही निवेशक शु वार को आने वाले जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी नजर रखेंगे। सप्ताह के दौरान फेडरल बैंक, बंधन बैंक और जेएसडब्ल्यू एनर्जी भी अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के खुदरा शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा, चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के नतीजों की वजह से इस सप्ताह शेयर आधारित गतिविधियां देखने को मिलेंगी। खेमका ने कहा कि टीसीएस और एचसीएल टेक के तिमाही नतीजे बुधवार को आएंगे। उसके बाद बृहस्पतिवार को विप्रो जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेगी। ऐसे में प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर सभी की निगाह रहेगी। मास्टर कैपिटल सर्विसेज वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा ने कहा, वैश्विक और घरेलू संकेतक, भारत के मुद्रास्फीति और आईआईपी के आंकड़े, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख आगामी दिनों में बाजार की दिशा तय करेगा। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 561.89 अंक या 0.86 प्रतिशत के लाभ में रहा। सात जुलाई को सेंसेक्स दिन में कारोबार के दौरान 65,898.98 अंक के अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचा। बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बृहस्पतिवार को 301.70 लाख करोड़ रुपये के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

कनाडा ओपन सुपर-सेन फाइनल में पहुँचे

सिंधू सेमीफाइनल में यामागुची से हारीं

कालगैरी (एजेंसी)। राष्ट्रमंडल खेलों के चैम्पियन लक्ष्य सेन ने यहां जापान के केंटा निशिमोटो पर सीधे गेम में जीत दर्ज कर कनाडा ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। सेन ने जापान के 11वीं रैंकिंग के खिलाड़ी को 21-17 21-14 से हराकर अपने दूसरे सुपर 500 फाइनल में जगह बनाई। यह एक साल में उनका पहला बीडब्ल्यूएफ फाइनल भी होगा। सत्र के शुरु में सेन फॉर्म में नहीं थे जिससे रैंकिंग में 19वें नंबर पर खिसक गए। 2021 विश्व चैम्पियनशिप में इस 21 साल के खिलाड़ी ने कांस्य पदक जीता था। अब रविवार को फाइनल में उनका सामना चीन के लि शि फेंग से होगा जिनके खिलाफ उनका जीत का रिकॉर्ड 4-2 का है। सेन ने कहा, 'काफी खराब शुरुआत हुई, मैं शटल पर अच्छी तरह नियंत्रण नहीं बना पाया। जैसे ही मैं लय में आय तो बेहतर होता गया। 'परफेक्ट नेटप्ले' अहम रहा और हम दोनों ऐसा ही करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा, 'आखिर में मैंने नेट पर नियंत्रण बना लिया और स्मैश भी अच्छे रहे। तकनीकी रूप से काफी अच्छा मैच खेला। मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सकीं और महिला एकल के सेमीफाइनल में जापान की नंबर एक खिलाड़ी अकाने यामागुची से 14-21 15-21 से हार गईं। रैंकिंग में छठे स्थान पर रह चुके सेन ने पिछला फाइनल पिछले साल अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में खेला था। वह यहां सेमीफाइनल के शुरु में 0-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन जल्द ही उन्होंने 8-8 से बराबरी हासिल की।

प्रियांश कम्पांउड तीरंदाजी में विश्व अंडर-21 चैम्पियन बने

लिमेरिक (आयरलैंड) (एजेंसी)। भारतीय तीरंदाज प्रियांश यहां चल रही विश्व तीरंदाजी युवा चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे जिससे देश के पदकों की संख्या 9 हो गई। प्रियांश को एकतरफा पुरुष अंडर-21 व्यक्तिगत फाइनल में स्लोवेनिया के अलजाज ब्रेंक को 147-141 से हराकर अंडर-21 विश्व चैम्पियन बने।

इससे पहले उभरती हुई तीरंदाज अदिति स्वामी अमेरिका की लिएन ड्रेक को हराकर अंडर-18 महिला विश्व चैम्पियन बनीं। पिछले महीने विश्व कप में अंडर-18 कम्पाउंड महिला क्वालीफाइंग रिकॉर्ड बनाने वाली अदिति ने इसी लय को जारी रखते हुए यहां चल रही युवा विश्व चैम्पियनशिप के फाइनल में लिएन को 142-136 से पराजित किया।

भारत-वेस्टइंडीज-रिंकू-रुतुराज को टी20 टीम में जगह ना मिलने पर बोले गांगुली

'किसी को तो चूकना ही होगा'

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के पिछले संस्करण में अच्छा प्रदर्शन करने में असफल रहने के बाद यह खबर आई थी कि चयनकर्ता युवा क्रिकेटरों को अधिक मौके दे सकते हैं और विराट कोहली, रोहित शर्मा और यहां तक कि केएल राहुल जैसे खिलाड़ियों को योजना से बाहर रख सकते हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए अपेक्षाकृत युवा टीम का चयन हुआ है। पूर्व बोर्ड अध्यक्ष सौरव गांगुली के अनुसार विराट और रोहित दोनों को योजना का हिस्सा होना चाहिए क्योंकि दोनों ने सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनें; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं। मेरी राय में विराट कोहली और रोहित शर्मा दोनों के पास अभी भी टी20आई क्रिकेट में जगह है और मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि कोहली या रोहित टी20आई क्रिकेट क्यों नहीं खेल सकते। कोहली आईपीएल में शानदार फॉर्म में थे और अगर आप मुझसे पूछें तो दोनों की टी20 क्रिकेट में जगह है। इंडियन प्रीमियर लीग में शानदार सीज़न के बाद रिंकू सिंह, रुतुराज गायकवाड़ और जितेश शर्मा के पांच मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की यात्रा करने की उम्मीद थी। हालांकि 15 सदस्यीय टीम में कोई भी जगह नहीं बना सके। गांगुली ने कहा, उन्हें बस खेलना जारी रखना है। उन्हें जो भी मौका मिले उसमें प्रदर्शन करते रहना होगा। ऐसा हमेशा होता है। टीम में केवल 15 को चुना जा सकता है और 11 खेल सकते हैं। तो, किसी को तो चूकना ही होगा। मुझे पूरा यकीन है कि उनका समय आएगा।

पाकिस्तान ने फिर खड़े किए हाथ, भारत आने के लिए बीसीसीआई के सामने रखी शर्त

करांची (एजेंसी)। भारत अक्तूबर में आईसीसी वनडे विश्व कप की मेजबानी करेगा, लेकिन इससे पहले एशिया कप होगा। वनडे विश्व कप के लिए पाकिस्तान की टीम का शेड्यूल भी जारी हो चुका है। यह तय है कि पाकिस्तान की टीम को भारत आना पड़ेगा, लेकिन उन्होंने एक बार फिर हाथ खड़े करते हुए बीसीसीआई के सामने एक शर्त रखी है। दरअसल, पाकिस्तान के खेल मंत्री एहसान मजारी ने भारत में होने वाले आगामी 2023 विश्व कप में मेन इन ग्रीन की भागीदारी के लिए कुछ मजबूत शर्तें रखी हैं। मजारी का मानना है कि यह दोनों तरीकों से काम करता है क्योंकि अगर बीसीसीआई एशिया कप के लिए अपनी टीम पाकिस्तान नहीं भेजता है तो वे 2023 विश्व कप के लिए अपनी मर्जी के अनुसार स्टेडियमों की मांग कर सकते हैं।

पृथ्वी ने कहा पुजारा सर मेरी तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकते

नईदिल्ली (एजेंसी)। अपने करियर की शानदार शुरुआत के बाद पृथ्वी शॉ अब भारतीय टीम में निचले क्रम पर खिसक गए हैं, लेकिन मुंबई के इस युवा खिलाड़ी ने शनिवार को कहा कि वह रन बनाने और राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस हासिल करने के लिए अपने स्वाभाविक 'आक्रामक' खेल पर भरोसा कर रहे हैं। शॉ आखिरी बार भारत के लिए जुलाई 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ टी20द्ध मैच में दिखाई दिए थे।

पृथ्वी शॉ ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि मुझे अपना खेल बदलने की जरूरत नहीं है, लेकिन मैं जितना हूं उससे थोड़ा अधिक स्मार्ट हूं। मैं पुजारा सर की तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकता। बल्लेबाज या पुजारा सर मेरी तरह बल्लेबाजी नहीं कर सकते। अलूर में सेंट्रल जोन के खिलाफ वेस्ट जोन के दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के बाद शॉ ने कहा,तो, मैं जो करने की कोशिश कर रहा हूं वह वे चीजें हैं जो मुझे यहां तक लेकर आई हैं, उदाहरण के लिए, आक्रामक बल्लेबाजी, मैं इसे बदलना पसंद नहीं करता। शॉ ने कहा कि वह अपने करियर के इस चरण में अधिक से अधिक मैच खेलना चाह रहे हैं। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि वापसी के प्रयास में प्रत्येक रन उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। शॉ ने कहा, मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए जो भी खेल है वह उतना ही महत्वपूर्ण है। भले ही मैं दलीप ट्रॉफी या अपना मुंबई मैच खेल रहा हूं, मुझे लगता है कि मेरे लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना बहुत महत्वपूर्ण है।

शॉ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में बड़ी पारी खेलना पसंद करते, लेकिन वह अपनी 25 और 26 रन की पारी को प्रभावशाली पारियों में नहीं बदल सके। शॉ ने स्वीकार किया कि बल्लेबाजों के लिए परिस्थितियां थोड़ी कठिन थीं लेकिन उन्होंने रन बनाने की योजना बनाई। शॉ ने कहा, ऐसा नहीं है कि आप हमेशा परफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन इस तरह की चीजें होने (रन नहीं बनने) के बाद मैं और अधिक मेहनत करने की कोशिश करता हूं। टी20 थोड़ा अधिक स्लैशिंग है, लेकिन एक समान मानसिकता है।

एशियाई कप से पहले स्टिमक ने चार हफ्ते के शिविर की मांग की, कप्तान सुनील छेत्री ने किया समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय फुटबॉल कप्तान सुनील छेत्री ने रविवार को मुख्य कोच इगोर स्टिमक की अगले साल एशियाई कप से पहले कम से कम चार हफ्ते लंबे शिविर की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि टीम को महाद्वीप में सर्वश्रेष्ठ टीमों से भिड़ने की तैयारी के लिये काफी समय की जरूरत है।

छेत्री (38 वर्ष) दोहा में (12 जनवरी से 10 फरवरी तक) अपना अंतिम एशियाई कप खेलेंगे और उन्होंने साथ ही इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से पहले एशिया में शीर्ष सात रैंकिंग पर काबिज टीम जैसे ईरान, जापान या सऊदी अरब के खिलाफ कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच कराने की भी वकालत की। छेत्री ने मीडिया से वर्चुअल बातचीत में कहा, ''हम एशियाई कप (ग्रुप मैच) में आस्ट्रेलिया, उज्बेकिस्तान और सीरिया से भिड़ने जा रहे हैं, इसलिये स्टिमक (और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू) ने लंबे शिविर लगाने की बात कही। हमें इसकी जरूरत है और मुझे उम्मीद है कि हमें ये मिलेंगे।

उन्होंने पिछले दो टूर्नामेंट में टीम की सफलता के लिए 50 से ज्यादा दिन के लंबे शिविर को श्रेय देते हुए कहा, 'जब आप राष्ट्रीय शिविर में जाते हो तो उसमें खिलाड़ियों को चोट भी होती हैं और वे अपने संबंधित क्लब से अलग मानसिक स्तर के साथ आते हैं। आपको इन सभी चीजों को देखना होता है और ये सब करने के लिए आपको और अधिक समय की जरूरत होती है।

भारत ने मणिपुर में 22 से 28 मार्च तक त्रिकोणीय अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट जीतने के बाद नौ से 18 जून तक भुवनेश्वर में इंटरकांटिनेंटल कप और 21 जून से चार जुलाई तक बेंगलुरु में सैफ चैम्पियनशिप जीती। खिलाड़ी मई के मध्य से सैफ चैम्पियनशिप तक राष्ट्रीय शिविर में रहे थे। स्टिमक ने कहा था कि उन्हें एशियाई कप में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए कम से कम चार हफ्ते का शिविर चाहिए होगा जबकि अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के शीर्ष अधिकारियों ने संकेत दिया था कि उनकी मांग पूरी करना मुश्किल होगा क्योंकि क्लब अपने खिलाड़ियों को घरेलू सत्र के बीच में इतने लंबे समय के लिए रिलीज करने के लिये शायद राजी नहीं होंगे।

इस करिश्माई स्ट्राइकर ने कहा, 'पर अंत में हमें राष्ट्रीय शिविर के लिए कितने दिन मिलेंगे, यह हितधारकों के बीच बातचीत पर निर्भर करेगा लेकिन मुझे ज्यादा से ज्यादा दिन मिलने की उम्मीद है। सैफ चैम्पियनशिप में बतौर शीर्ष स्कोरर 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुने गये छेत्री ने यह भी कहा कि टीम को एशियाई कप से पहले महाद्वीप में शीर्ष छह या सात रैंकिंग पर काबिज एक देश से कम से कम एक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'अगर हमें एशियाई कप से पहले कम से कम दो या तीन महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच मिल जाएं जो एशिया में शीर्ष छह या सात रैंकिंग पर काबिज एक देश के खिलाफ हों तो इससे हमें खुद की तैयारी के बारे में ज्यादा अच्छी तरह पता चल जायेगा और इससे हम अच्छी तरह तैयार हो पाएंगे। छेत्री ने कहा, 'अगर मैं नाम दूं तो ये देश ईरान, जापान या सऊदी अरब हो सकते हैं। अगर हम जापान, ईरान या दक्षिण कोरिया के खिलाफ नहीं खेलेंगे तो हमें आस्ट्रेलिया (एशियाई कप में भारत की मजबूत प्रतिद्वंद्वी) के स्तर का पता नहीं चल पाएगा।

उन्होंने साथ ही कहा, 'शीर्ष टीमों के खिलाफ इतने बड़े मैचों की तैयारी के लिए हमें चार हफ्तों का शिविर चाहिए। अगर हमें राष्ट्रीय शिविर में पांच दिन मिलते हैं तो हम इन बड़े मुकाबलों के लिए तैयार नहीं होंगे। एशियाई कप में ऑस्ट्रेलिया का सामना करने के लिए हमें कम से कम आईएसएल (इंडियन सुपर लीग) से दो स्तर ऊपर होना चाहिए और इसकी तैयारी के लिए हमें लंबा समय चाहिए।

टी-20 हरमनप्रीत ने लगाया अर्धशतक भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हरा दिया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 35 गेंदों में नाबाद 54 रनों की पारी खेल टीम को जीत दिलाने का काम किया। स्मृति मंधाना ने 38 रनों की पारी खेली।

इससे पहले भारतीय स्पिनरों ने बांग्लादेश को पांच विकेट पर 114 रन ही बनाने दिये। अनुभवी दीप्ति शर्मा (चार ओवर में 14 रन) की अगुआई वाले स्पिन आक्रमण ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की योजना को बहुत अच्छी तरह मैदान पर उतारा। स्पिन विभाग में अनुषा बारेड्डी (चार ओवर में 24 रन) और मीनू मणी (तीन ओवर में 21 रन देकर एक विकेट) ने उनका बखूबी साथ निभाया। बांग्लादेश की शीर्ष स्कोरर सोर्ना अख्तर (28 गेंद में 28 रन) द्वारा लगाया गया एक छक्का छोड़ दें तो लेग स्पिनर शेफाली वर्मा (तीन ओवर में 18 रन देकर एक विकेट) ने भी अच्छी गेंदबाजी की। बांग्लादेश की बल्लेबाजों को भारतीय गेंदबाजों की रणनीति से काफी मुश्किल हुई। डेब्यू कर रही मणी ने अपना पहला विकेट शमीमा सुल्ताना (17 रन) के रूप में लिया जो स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में जेमिमा रोड्रिग्स को स्क्वायर लेग पर कैच दे बैठीं। पूजा वस्त्राकर ने फिर शाथी रानी (22 रन) को शार्ट गेंद से आउट किया।

भारतीय गोलकीपरों के लिए शिविर आयोजित करेंगे नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच वान डि पोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड के गोलकीपिंग कोच डेनिस वान डि पोल चीन के हांगझोउ में सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपरों के लिए बेंगलुरु में दो विशेष शिविर लगायेंगे।

भारतीय टीम के साथ वान डि पोल का पहला शिविर 13 से 19 जुलाई तक होगा जबकि वह सात से 14 सितंबर तक एक हफ्ते तक चलने वाले एक अन्य शिविर के लिए फिर भारत आयेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेंगलुरु के भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) में मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की देखरेख में एक हफ्ते तक लगने वाले शिविर के दौरान विशेष सत्रों में हिस्सा लेगी। पीआर श्रीजेश, कृष्ण पाठक, सूरज करकेरा, प्रशांत कुमार चौहान और पवन मलिक शिविर में हिस्सा लेंगे।

ट्रैविस हेड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पूरे किए 5,000 रन, यह है सबसे सफल प्रारूप

लीड्स (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई मध्यक्रम बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने शनिवार को 5,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर लिए हैं। हेड ने हेडिंग्ले में इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के तीसरे एशेज टेस्ट के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। पहली पारी में हेड ने 74 गेंदों में 39 रन की पारी खेली और मिशेल मार्श के साथ 155 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया की पारी को संभाला। दूसरी पारी में हेड ने एक बार फिर मुश्किल में फंसी अपनी टीम की मदद की और 112 गेंदों में सात चौकों और तीन छक्कों की मदद से 77 रन की पारी खेली और अपनी टीम की दूसरी पारी में बढ़त 250 रन तक पहुंचा दी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 111 मैचों में हेड ने 42.20 की औसत से 5,065 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 76.55 का है। उन्होंने 132 पारियों में 9 शतक और 30 अर्द्धशतक भी बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 रहा है। बाएं हाथ के बल्लेबाज का सबसे सफल प्रारूप टेस्ट है। उन्होंने 40 टेस्ट मैचों में 46.80 की औसत और 64.08 की स्ट्राइक रेट से 2,808 रन बनाए हैं। उनके नाम 65 पारियों में छह शतक और 16 अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 है।

2021 से टेस्ट क्रिकेट में ट्रैविस हेड

2021 में - 248 रन, 62 एवेन्यू, 86.7 स्ट्राइक रेट
2022 में - 655 रन, 55.4 एवे, 80.8 स्ट्राइक रेट
2023 में - 752 रन, 53.7 एवे, 78.01 स्ट्राइक रेट

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 54 वनडे मैचों में भी हिस्सा लिया है। उन्होंने 51 पारियों में 40.68 की औसत और 96.81 की स्ट्राइक रेट से 1,912 रन बनाए हैं। हेड ने इस प्रारूप में तीन शतक और 14 अर्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 152 है। हेड ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 17 टी20 मैच भी खेले हैं जिसमें उन्होंने 26.53 की औसत से 345 रन बनाए हैं। इस फॉर्मेट में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 48* है और उनका स्ट्राइक रेट 133.20 है। यह बल्लेबाज 2023 में शानदार फॉर्म में है। इस साल 11 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 52.56 की औसत से 841 रन बनाए हैं। उन्होंने 18 पारियों में एक शतक और छह अर्द्धशतक बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 163 रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में एक बार फिर चाकूबाजी, दो लोगों ने मिलकर युवक को गोदा; दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में चाकूबाजी का एक नया केस सामने आया है। पुलिस ने बताया कि एक युवक की चाकू मारकर हत्या करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह उत्तरी दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके की घटना है। आरोपियों की पहचान शास्त्री नगर निवासी अभिषेक उर्फ डांसर (21) और सुनीत (18) के रूप में हुई है। डांसर और सुनीत ने मिलकर एक युवक की हत्या कर दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, बुधवार की रात करीब 10 बजे कमल (23) नाम के एक युवक पर आरोपियों ने अटैक कर दिया। अभिषेक और सुनीत ने चाकू मारकर कमल की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। आनन-फानन में कमल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। वहां कमल ने दम तोड़ दिया। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने बताया कि दोनों आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के दौरान पुलिस को यह पता चला कि आरोपियों ने मामूली बात के लिए कमल की हत्या कर दी। आरोपियों ने बताया कि दो-तीन महीने पहले कमल ने अभिषेक को अपमानित किया था। अपमान का बदला लेने के लिए अभिषेक ने सुनीत के साथ मिलकर कमल की हत्या करने की प्लान बनाई। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

गोवा में लड़कियों को वेश्यावृत्ति में धकेलने के आरोप में 2 गिरफ्तार

पणजी, एजेंसी। गोवा पुलिस ने शनिवार को तटीय राज्य में वेश्यावृत्ति के धंधे के सिलसिले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। कैलंगुट पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पीड़ित लड़कियों को वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेलने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उनकी पहचान हैदराबाद के मोहम्मद शकील अहमद और मंजी सिंह के रूप में की है, जो पीड़ितों के साथ गोवा गए थे। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी अपनी पत?नी और पांच साल के बेटे के साथ पिछले डेढ़ साल से गोवा में रह रहा है। पुलिस ने कहा, उसने पंजाब से भुट्टा नाम के अपने दोस्त के जरिए लड़कियां खरीदी थीं।इससे पहले 6 जुलाई को पुलिस ने उत्तरी गोवा के वागाटोर से चार पीड़ित लड़कियों को बचाया था, जिन्हें वेश्यावृत्ति के धंधे में धकेल दिया गया था।पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

नव नियुक्त भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ की ताजपोशी 11 जुलाई को

चंडीगढ़, एजेंसी। भाजपा पंजाब के नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ का ताजपोशी समारोह 11 जुलाई, 2023 को सुबह 11ः00 बजे पंजाब भाजपा कार्यालय सेक्टर 37ए चंडीगढ़ में किया जाएगा। पंजाब भाजपा के प्रदेश मीडिया संयुक्त सचिव हरदेव सिंह उभ्भा ने बताया कि इस प्रोग्राम में विजय रूपाणी, प्रभारी भाजपा पंजाब एवं पूर्व मुख्यमंत्री (गुजरात) नरेंद्र सिंह रैना, राष्ट्रीय सचिव एवं सह-प्रभारी भाजपा पंजाब सोम प्रकाश, राज्यमंत्री, भारत सरकार और पंजाब भाजपा का पूरा नेतृत्व उपस्थित रहेगा। उन्होने बताया कि नव नियुक्त प्रदेशाध्यक्ष के ताजपोशी समागम को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और गर्मजोशी है और इस आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

हिमाचल में बारिश का कहर, ठियोग में मकान के मलबे में दबकर तीन मरे

शिमला, एजेंसी। जिले के ठियोग विधानसभा क्षेत्र के मधावनी पंचायत के पनेवली गांव में एक परिवार के तीन लोगों की मकान में दबकर मौत हो गई। स्थानीय विधायक कुलदीप राठौर ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। अपने शोक संदेश में उन्होंने कहा कि तीन लोगों की मृत्यु होने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। प्रभु दिवंगत आत्माओं को मोक्ष प्रदान करें व परिवारजनों को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि इन दिनों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बारिश का कहर बरप रहा है। उत्तराखंड में तो अस्थाई तौर पर अमरनाथ यात्रा रोकनी पड़ी है। पर्यटकों को भी पहाड़ी इलाकों में नहीं जाने की सलाह दी गई है। क्योंकि इन दिनों लैंड स्लाइडिंग का खतरा बना हुआ है।

बिहार में जहरीली शराब पीने से 2 लोगों की मौत

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में जहरीली शराब पीने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान घोगराहा बैरिया गांव के सेना के पूर्व जवान गौरी शंकर राम और धवाही गांव के मूल निवासी उमेश पटेल के रूप में की गई है। मृतक के एक रिश्तेदार ने कहा, गौरी शंकर मेरे चाचा थे। उन्होंने शुक्रवार की रात शराब पी। कुछ देर बाद उन्होंने पेट में दर्द और उल्टी की शिकायत की। हमने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। उमेश पटेल ने भी शुक्रवार को शराब पी थी और उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसने अंतिम सांस ली। मोतिहारी (पूर्वी चंपारण) के एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कहा, हमें दो लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। हमने मामले की जांच के लिए एएसपी श्रीराज के नेतृत्व में एक टीम गठित की है।

पुरी मंदिर का रत्न भंडार बना चुनावी मुद्दा, हो रही सियासत

भुवनेश्वर, एजेंसी।
पुरी जगन्नाथ मंदिर का खजाना रत्न भंडार लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है। इसमें संदेह है कि क्या भगवान के बहुमूल्य आभूषण बरकरार हैं या समय के साथ गायब हो गए हैं। ओडिशा विधानसभा और लोकसभा चुनाव नजदीक आने के साथ, भाजपा ने रत्न भंडार को फिर से खोलने का मुद्दा सामने ला दिया है। विधानसभा में ओडिशा सरकार द्वारा दिए गए एक बयान के अनुसार, रत्न भंडार आखिरी बार 1985 में खोला गया था लेकिन क़ीमती सामानों की नवीनतम सूची 1978 में बनाई गई थी।

1985 तक दो हिस्सों में बंटे रत्न भंडार के अंदरूनी कक्ष को किसी ने नहीं देखा था। बाहरी कक्ष नियमित रूप से खोला जाता है और त्योहारों पर पुजारियों द्वारा आभूषण निकाले जाते हैं। उड़ीसा हाईकोर्ट के एक आदेश के अनुसार, 4 अप्रैल 2018 को रत्न भंडार के आंतरिक कक्ष को खोलने का प्रयास किया गया था। लेकिन मंदिर प्रशासन को चाबियां नहीं मिल पाने के कारण इसे नहीं खोला जा सका। रत्न भंडार के अंदर गए अधिकारियों, सेवकों और विशेषज्ञों को बाहरी कक्ष से वापस लौटना पड़ा।

लेकिन रत्न भंडार को खोलने की कोशिश के दो दिन बाद प्रबंध समिति की बैठक में मामला उठने तक प्रशासन ने चाबी गायब होने की बात सार्वजनिक नहीं की। दिलचस्प बात यह है कि कुछ दिनों के हंगामे के बाद अचानक पुरी जिला प्रशासन ने दावा किया कि रत्न भंडार की डुप्लीकेट चाबी उपलब्ध है। डुप्लीकेट कहां से आया और मूल चाबी कहां गयी? इससे देश भर में भगवान जगन्नाथ के भक्तों के बीच बहुत भ्रम पैदा हो गया।

बाद में, रत्न भंडार पर न्यायमूर्ति रघुबीर दास जांच आयोग का गठन किया गया और न्यायमूर्ति दास ने नवंबर, 2018 में राज्य सरकार को अंतिम रिपोर्ट सौंपी थी। आयोग की रिपोर्ट अभी तक विधानसभा में नहीं रखी गई है। इसी पृष्ठभूमि में लंबे समय से रत्न भंडार को दोबारा खोलने की मांग की जा रही है। पिछले साल दिसंबर में अपने ओडिशा दौरे के दौरान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इस मुद्दे को उठाया था और बीजेडी सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की चाबियां गायब होने के बारे में पूछा था। भाजपा प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि बीजद सरकार महाप्रभु जगन्नाथ के बहुमूल्य रत्नों और संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रही है। अलग-अलग अवसरों पर, पार्टी ने रत्न भंडार को फिर से खोलने की मांग की है, जिसे कथित तौर पर कुछ मरम्मत की भी आवश्यकता है। केवल भाजपा ही नहीं, कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों, पुरी के राजा गजपति दिव्यसिंघा देब और पुरी मंदिर के कई वरिष्ठ सेवकों ने भी ओडिशा सरकार से रत्न भंडार को फिर से खोलने और भगवान जगन्नाथ के कीमती सामानों की मरम्मत और सूची बनाने का आग्रह किया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने भी मंदिर के खजाने को दोबारा खोलने की मांग की है। हालांकि, राज्य सरकार ने मांग पर कोई ध्यान नहीं दिया। हाथ में कोई विकल्प न होने पर, भाजपा ने हाल ही में उड़ीसा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। ओडिशा बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष समीर मोहंती की याचिका को स्वीकार करते हुए हाई कोर्ट ने 5 जुलाई को श्रीजगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार के उद्घाटन पर चार लोगों को नोटिस दिया था।

मोहंती ने आरोप लगाया, 45 साल बीत जाने के बावजूद सरकार ने रत्न भंडार को दोबारा नहीं खोला। जब पुरी के राजा और दुनिया भर के जगन्नाथ भक्त यह जानने का इंतजार कर रहे हैं कि रत्न भंडार में जगन्नाथ की कीमती वस्तुएं सुरक्षित हैं या नहीं, तो सरकार गहरी नींद में है। भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख किया है और अदालत ने इसे गंभीरता से लिया है। अगली सुनवाई 7 अगस्त को तय की गई है।

962 नर्सिंग कर्मियों को एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के अस्पतालों में अनुबंध पर काम कर रहे 962 नर्सिंग कर्मियों की सेवा को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने एक साल के लिए बढ़ा दिया है। उन्होंने इस प्रस्ताव को मंजूरी देने के साथ स्वास्थ्य विभाग को इन पदों पर स्थायी कर्मियों की भर्ती के निर्देश दिए हैं। उपराज्यपाल ने हाल में 777 पैरामेडिकल स्टाफ और 476 पार्ट टाइम वोकेशनल शिक्षकों की सेवा के विस्तार को भी मंजूरी दी थी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने उपराज्यपाल को प्रस्ताव भेजकर इन कर्मियों की सेवाओं को 30 जून 2024 तक बढ़ाने का अनुरोध किया था। उपराज्यपाल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग और डीएसएसएसबी को निर्देश दिया कि इन पदों को खाली दिखाकर परीक्षा आयोजित कर स्थाई कर्मियों की नियुक्ति की जाए। उन्होंने तीन माह में इसे लेकर किए गए काम की रिपोर्ट भी मांगी है।

उपराज्यपाल सचिवालय ने बताया कि बीते वर्ष भी उपराज्यपाल ने इन कर्मियों को सेवा विस्तार देते समय नियमित भर्ती के निर्देश दिए थे, लेकिन स्वास्थ्य विभाग ऐसा नहीं कर सका। इसके बावजूद उपराज्यपाल ने इन कर्मियों के सेवा विस्तार को इसलिए मंजूरी दी, क्योंकि इनके काम की प्रकृति आकस्मिक है। आपात स्थिति में उनकी आवश्यकता पड़ सकती है।

किरोड़ी को सदस्य बनाए जाने के सियासी मायने

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी सांसद किरोड़ी लाल मीना और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया को बड़ी जिम्मेदारी दी गई है। दोनों को राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। जेपी नड्डा ने विधासनभा चुनाव से पहले जिम्मेदारी देकर निए सियासी संकेत दिए है। बता दें राजस्थान में 2023 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि किरोड़ी लाल नाराज न हो, इसलिए राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। सियासी जानकार किरोड़ी लाल मीना को कार्यसमिति की सदस्य बनाए जाने के अलग-अलग मायने निकाल रहे हैं। सियासी जानकारों का कहना है कि मोदी कैबिनेट की फेरबदल चर्चाएं है। किरोड़ी लाल की नियुक्ति से माना जा रहा है कि वह केंद्रीय मंत्री बनने की रेस से बाहर हो गए है। इससे पहले राजस्थान बीजेपी की टीम में विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने वाले नेताओं को जगह मिली थी। सियासी जानकारों का कहना है कि ऐसे में माना जा रहा है कि किरोड़ी की मोदी कैबिनेट में एंट्री बंद हो सकती है। चर्चा है कि राजस्थान से किरोड़ी लाल मीना, दिया कुमारी और रंजीता कोली मोदी कैबिनेट में शामिल हो सकती है। चुनाव से पहले बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश पूनिया को नई जिम्मेदारी देकर पार्टी आलाकमान ने उनकी नाराजगी दूर करने की कोशिश की है। दरअसल, प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाने के बाद सतीश पूनिया अक्सर सीपी जोशी के कार्यक्रमों से दूर रहते हैं। राजधानी जयपुर में सीपी जोशी के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन हुए,लेकिन पूनिया दूर ही रहें। हालांकि, सतीश पूनिया से जुड़े समर्थकों का कहना है कि पहले से तय कार्यक्रम होने के कारण शामिल नहीं पाए। नाराजगी जैसी कोई बात नहीं है। सियासी जानकारों का कहना है कि बीजेपी सतीश पूनिया के जरिए जाटों का साधना चाहती है।

मणिपुर हाईकोर्ट ने सरकार को इंटरनेट से आंशिक प्रतिबंध हटाने का निर्देश दिया

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने के बाद कि सभी हितधारकों ने विशेषज्ञ समिति द्वारा दिए गए सुरक्षा उपायों का अनुपालन किया है, राज्य भर में इंटरनेट लीज लाइन (आईएलएल) के माध्यम से इंटरनेट प्रदान करने पर प्रतिबंध हटाने का निर्देश दिया है। अदालत के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि पहले गठित किया गया था। चूंकि मणिपुर में हिंसा की छिटपुट घटनाएं जारी रहीं, राज्य सरकार ने 5 जुलाई को इंटरनेट सेवाओं के निलंबन को 13वीं बार 10 जुलाई तक बढ़ा दिया, ताकि अफवाहों और वीडियो, फोटो और संदेशों के प्रसार को रोका जा सके, जिससे कानून व्यवस्था बिगड़ सकती है। परिस्थिति। न्यायमूर्ति अहानथेम बिमोल सिंह और न्यायमूर्ति ए. गुणेश्वर शर्मा की खंडपीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में राज्य सरकार को जनता के लिए इंटरनेट सेवाओं तक सीमित पहुंच की सुविधा के लिए राज्य भर में आईएलएल के माध्यम से इंटरनेट प्रदान करने पर प्रतिबंध हटाने और फाइबर पर विचार करने का निर्देश दिया। घरेलू कनेक्शन (एफटीएच) मामले-दर-मामले के आधार पर, बशर्ते विशेषज्ञ समिति द्वारा रिकॉर्ड पर रखे गए सुरक्षा उपायों का अनुपालन किया जाता है। इंटरनेट पहुंच बहाल करने के लिए विशेषज्ञ समिति द्वारा निर्धारित कुछ सुरक्षा उपायों में गति को 10 एमबीपीएस तक सीमित करना, इच्छित उपयोगकर्ताओं से वचन लेना कि वे कुछ भी अवैध नहीं करेंगे, और उपयोगकर्ताओं को संबंधित प्राधिकारी/अधिकारियों द्वारा भौतिक निगरानी के अधीन करना शामिल है। उच्च न्यायालय के निर्देश मणिपुर में इंटरनेट सेवाओं की बहाली की मांग को लेकर पहले दायर की गई एक जनहित याचिका के बाद आए, जहां 3 मई से गैर-आदिवासी मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा फैलने के बाद इंटरनेट निलंबन जारी रहा।वोडाफोन, आइडिया, जियो, बीएसएनएल और एयरटेल के सेवा प्रदाताओं, राज्य सरकार, विशेषज्ञ समिति के सदस्यों, साथ ही आयुक्त (गृह) और निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), मणिपुर को सुनने के बाद, अदालत ने अपने आदेश में कहा कि मणिपुर में कार्यरत सभी सेवा प्रदाताओं द्वारा सीमित संख्या में विशेष रूप से पहचाने गए और श्वेतसूची वाले मोबाइल नंबरों पर इंटरनेट सेवा प्रदान की जा सकती है, यदि ऐसे मोबाइल नंबरों की पहचान मणिपुर सरकार के गृह विभाग द्वारा की जाती है और उन्हें प्रस्तुत किया जाता है।सेवा प्रदाताओं के सभी अधिकारियों द्वारा यह भी कहा गया है।

भारतीय समुदाय का खालिस्तानियों को करारा जवाब, प्रदर्शनकारियों के सामने शान से लहराया तिरंगा

टोरंटो, एजेंसी।
कनाडा के ओंटेरियो राज्य की राजधानी टोरंटो में खालिस्तान समर्थकों ने शनिवार (8 जुलाई) को भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में पहुंचकर प्रदर्शन किया है। इसके जवाब में भारतवंशियों ने हाथों में तिरंगा लहराकर उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है। आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद खालिस्तानी समर्थकों की तरफ से 8 जुलाई को विदेशों में किल भारत रैली आयोजित की गई थी जो पूरी तरह से विफल हो गई है। लंदन में भी भारतीय उच्चायोग के बाहर 30-40 खालिस्तान समर्थकों के इकट्ठा होने की खबरें आई थी। यूके और ऑस्ट्रेलिया में भारतीय दूतावासों के बाहर भीड़ एकत्रित ही नहीं हो पाई। समाचार एजेंसी एएनआई द्वारा पोस्ट एक वीडियो में दिख रहा है कि टोरंटो में खालिस्तान समर्थक हाथों में पीला झंडा लिए हुए भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर नारे लगा रहे हैं और प्रदर्शन कर रहे हैं तो सड़क के दूसरी तरफ भारतीय समुदाय हाथों में तिरंगा लहराते हुए उनका विरोध कर रहे हैं और कड़ा संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं। उधर, खालिस्तान समर्थकों के विरोध प्रदर्शन की आशंका में, संयुक्त राज्य अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के पास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। हालांकि, वहां कोई बड़ी घटना सामने नहीं आई। भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने भारतीय दूतावास का निरीक्षण किया और पाया कि तनाव के बीच सब कुछ शांत रहा।

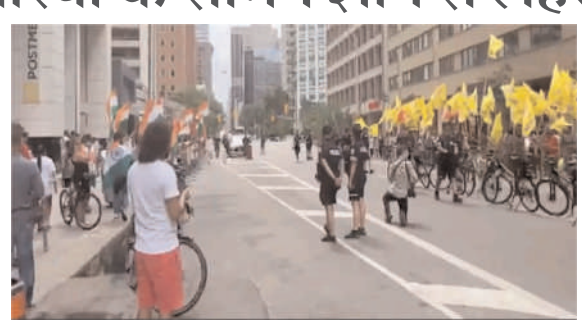

इससे पहले 2 जुलाई को खालिस्तान समर्थकों ने सैन फ्रांसिस्को और कैलिफोर्निया में भारतीय वाणिज्य दूतावास को निशाना बनाया था। उस दौरान खालिस्तान समर्थकों की बर्बरता और आगजनी की कोशिश की खबरें सामने आईं थीं, क्योंकि खालिस्तान आंदोलन से जुड़े लोगों ने कथित तौर पर वाणिज्य दूतावास की इमारत में आग लगा दी थी। अमेरिका ने इस बर्बरता की निंदा करते हुए आगजनी के प्रयास को एक गंभीर अपराध बताया था। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक ट्वीट के माध्यम से खालिस्तानी समर्थकों के कदम की कड़ी निंदा की और कथित बर्बरता और आगजनी के प्रयास को एक आपराधिक अपराध करार दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका ने राजनयिक परिसरों की सुरक्षा और पवित्रता बनाए रखने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बता दें कि कुछ दिनों पहले भी कनाडा में खालिस्तानी समर्थकों ने भारत विरोधी पोस्टर चिपकाए थे और भारतीय राजनयिको को धमकी दी थी।

आस्ट्रेलिया के बाद ब्रिटेन में भी खालिस्तान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन फ्लाप

लंदन, एजेंसी। आस्ट्रेलिया के बाद ब्रिटेन की राजधानी लंदन में भी भारतीय उच्चायोग के बाहर शनिवार को खालिस्तान समर्थकों का विरोध प्रदर्शन फ्लाप साबित हुआ। कनाडा में हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के विरोध में किए गए इस प्रदर्शन में बहुत कम लोग शामिल हुए। रैली में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी और बर्मिंघम में भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. शशांक विक्रम की तस्वीरों के साथ हिंसा के लिए उकसाने वाले विवादास्पद पोस्टरों का इस्तेमाल किया गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद थे जिस कारण प्रदर्शन काफी जल्द खत्म हो गया।

इस सप्ताह की शुरुआत में खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा भारत विरोधी पोस्टर सोशल मीडिया पर सार्वजनिक किए जाने के बाद ब्रिटेन सरकार ने घोषणा की थी।

गाड़ी में रखे गैस सिलेंडर से लीक हुई गैस, हुआ जबरदस्त धमाका; बच्चों समेत 7 की मौत और 14 घायल

सरगोधा, एजेंसी।
पाकिस्तान में पंजाब के सरगोधा जिले में शनिवार को एक गाड़ी में गैस सिलेंडर फट गया। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। रेस्क्यू 1122 कंट्रोल रूम के हवाले से बताया गया कि सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 अन्य घायल हैं। घायलों में से सात को गंभीर चोटें आई हैं और उन्हें इलाज के लिए भलवाल तहसील मुख्यालय (टीएचक्यू) अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शवों को भी उसी अस्पताल में ले जाया गया, जिनमें से 5 की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, घायलों में 4 साल और 12 साल के दो बच्चे और 50 साल के दो आदमी भी शामिल हैं। रेस्क्यू 1122 ने कहा कि उन्हें सुबह 8:35 बजे (स्थानीय समयानुसार) घटना के बारे में कॉल अलर्ट आया। इसके तुरंत बाद मौके पर 9 एम्बुलेंस, 3 अग्निशमन वाहन और एक बचाव वाहन को भेजा गया। रेस्क्यू टीम ने कहा कि एलपीजी गैस सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण वाहन में आग लगने की उन्हें सूचना मिली। वहीं, पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने घटना पर शोक जताया है और घायलों को बेहतर इलाज मुहैया कराने की बात कही है। एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वैन में आग लगने की घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। कमिश्नर और आरपीओ (क्षेत्रीय पुलिस अधिकारी) सरगोधा की ओर से इसे लेकर विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। मोहसिन नकवी ने संबंधित अधिकारियों को घायलों को बेहतर मेडिकल ट्रीटमेंट मुहैया कराने का निर्देश दिया है। गौरतलब है कि इससे पहले जून में पाकिस्तान में तीन अलग-अलग गैस सिलेंडर विस्फोटों में 3 बच्चों सहित 5 लोगों की मौत हो गई थी और 7 अन्य घायल हो गए थे। कुछ दिनों से मूसलाधार बारिश के कारण कई आवासीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा। बरसात से जुड़ी घटनाओं में 50 लोगों की मौत हो गई और 87 अन्य घायल हुए हैं। जून के आखिरी सप्ताह में मानसून पूर्व बारिश की शुरुआत हुई थी, जो नियमित अंतराल पर समूचे देश में जारी है। लगातार बारिश से बलूचिस्तान प्रांत में बाढ़ आ गई और राजमार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ है। बारिश के कारण देश का सबसे बड़ा प्रांत पंजाब बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जहां वर्षा जनित घटनाओं के कारण 34 लोगों की जान गई है। वर्षा संबंधी घटनाओं के कारण खैबर-पख्तूनख्वा में 10 लोगों की, बलूचिस्तान में 5 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है।

पीरियड्स चेक करने को उतरवाए महिलाओं के कपड़े, गलत डस्टबिन में पैड फेंकने से मैनेजर गुस्सा-एफआईआर

नैरोवी (केन्या), एजेंसी। केन्या में एक 'ब्राउन फूड कंपनी' में पीरियड्स चेक करने के लिए महिला कर्मचारियों के कपड़े उतरवा दिए गए। गलती बस इतनी थी कि किसी महिला कर्मचारी ने यूज किया हुआ सैनिटरी नैपकिन गलत कूड़ेदान में फेंक दिया था।

इससे गुस्साई मैनेजर ने सभी कर्मचारियों को बुलाकर पूछा कि यह काम किसने किया है। जवाब न मिलने पर उसने गलत डस्टबिन में सैनिटरी नैपकिन फेंकने वाली कर्मचारी का पता लगाने के लिए सबसे कपड़े उतारने को कहा।घटना ब्राउन्स फूड की एक चीज फैक्ट्री की है। पीरियड्स शेमिंग की घटना मानकर दुनिया भर में इसका विरोध किया जा रहा है। पीरियड्स शेमिंग में मेन्सट्रुअल साइकल या पीरियड से जुड़ी चीजों को लेकर महिला को कमतर दिखाना या उसके साथ गैरबराबरी का बर्ताव करना आता है। केन्या में एशियाई देशों की तरह पीरियड्स शेमिंग की घटनाएं देखने को मिलती हैं।सीनेटर ने फेसबुक वीडियो शेयर कर घटना के बारे में बताया 'पीरियड शेमिंग' के खिलाफ मुखर सीनेटर ग्लोरिया ओर्वोबा ने इस घटना के बारे में फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया। सीनेटर ने कहा कि उन्होंने इस मामले में हस्तक्षेप करने का प्रयास भी किया लेकिन कंपनी इस मुद्दे को नहीं सुलझा सकी।

आरोपों के बाद कार्रवाई करते हुए ब्राउन्स फूड कंपनी ने मामले की जांच होने तक आरोपी मैनेजर को निलंबित कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में कंपनी के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। मामला बढ़ने पर ब्राउन्स फूड कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर एक बयान जारी कर इस घटना पर दुख जाहिर किया। कंपनी ने कहा कि हमारा काम करने का तरीका ऐसा नहीं है। हम इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए अपने स्टाफ को संवेदनशील और जागरूक कर रहे हैं।कंपनी ने भरोसा दिलाया है कि दोबारा ऐसा कुछ न हो इसके लिए वे अपनी टीम में महिला हेल्थ एक्सपर्ट को भी शामिल करेंगे। वहीं, पुलिस ने कहा है कि उन्होंने सभी पीड़िताओं से बातचीत की है। मामले की जांच जारी है और शुरुआती एक्शन के तहत प्रमुख आरोपियों को पकड़ लिया गया है। महिलाओं से इस तरह की बदसलूकी की यह पहली घटना नहीं है। देश-विदेश में कई दफा ऐसी घटनाएं हुई, जहां महिलाओं को अलग-अलग वजहों से कपड़े उतारने के लिए मजबूर किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129